धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शनिवार 04 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 11 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 25

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.6	27.0
जमशेदपुर	42.1	23.0
डालटनगंज	40.4	19.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

चाईबासा की चुनावी सभा में बोले पीएम मोदी

संविधान से खिलवाड़ नहीं होने देंगे

कांग्रेस आपके आरक्षण पर डाका डालकर मुसलमानों को देना चाहती है

सुकेश महतो। चाईबासा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि तक देश में मोदी जिंदा है, तब तक संविधान को कोई हाथ नहीं लगा सकता है. कांग्रेस चाहती है कि देश में आरक्षण खत्म हो. दलितों पर अत्याचार किया जा रहा है. आदिवासियों को सम्मान नहीं मिल रहा. झारखंड में आदिवासी को उचित सम्मान झामुमो से लेकर कांग्रेस तक नहीं दे रही. झामुमो की सरकार जमीन घोटाला में फंसी है. आने वाले दिनों में और भी घोटाला करने की साजिश इंडिया गठबंधन कर रहा है.

पीएम मोदी चाईबासा के टाटा कॉलेज में भाजपा की महाविजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे. पीएम ने कहा कि किसी भी हालत में वे संविधान से किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने देंगे. जब तक मोदी जिंदा है, कोई संविधान को हाथ नहीं लगा पाएगा. आदिवासियों, दलितों और ओबीसी के आरक्षण को हाथ नहीं लगा पाएगा. अलग झारखंड किसने बनाया, अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया. कांग्रेस ने झारखंड के लिए क्या किया है. झारखंड के विकास पर ब्रेक लगा देने वाली कौन है, कांग्रेस. कांग्रेस को ये मंजूर नहीं था कि यहां का संसाधन आपके काम आये. अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे के पहले दिन पीएम मोदी ने चाईबासा में भाजपा उम्मीदवार गीता कोड़ा के लिए लोगों से वोट की अपील की.

भाजपा और झारखंड का रिश्ता दिल का है : मोदी ने कहा कि मेरा झारखंड दिल्ली से कम है क्या. आप का ये प्यार, ये आशीर्वाद यही मोदी की ताकत है. भाजपा और झारखंड का रिश्ता दिल का है. यहां के लोगों की भावनाओं को अगर कोई समझता है, तो वो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही है. मोदी ने कहा कि कांग्रेस को मंजूर नहीं था कि यहां के संसाधन आपके काम आयें. पहले वो एक रुपये देते थे, तो उसमें से 85 पैसे वे मार लेते थे. आज मैं एक रुपये भेजता हूं तो पूरा 100 पैसा आपके अकाउंट में जाता है.

आयुष्मान भारत योजना झारखंड की धरती से लॉन्च की : मोदी ने कहा कि हमने बाबा साहेब की जयंती पर आयुष्मान भारत योजना लॉन्च की और वो भी झारखंड की धरती से. आज गरीबों को 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है. मुद्रा योजना की शुरुआत हमने झारखंड के दुमका से की. इसी तरह मोदी की गारंटी की गाड़ी भी हमने झारखंड के खूंटी से शुरू की. इसीलिए तो मैं कहता हूं- झारखंड और भाजपा का दिल का नाता है. आज झारखंड हर कोने में विश्वास के साथ, उमंग के साथ, उत्साह के साथ... एक ही बात कह रहा है: फिर एक बार मोदी सरकार.

-शेष पेज 7 पर

रोड शो में उमड़ी भीड़, लगे जयश्री राम और मोदी-मोदी के नारे

बिरसा चौक पर उतर कर मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

आज पलामू और सिसई में होगी पीएम मोदी की जनसभा, इसके बाद दरभंगा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे

शुभम संदेश टीम। रांची

पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रवार को रांची आगमन हुआ. रांची पहुंचने के बाद मोदी ने हरमू रोड के भारत माता चौक से रातू रोड न्यू मार्केट चौक तक रोड शो किया. इस मौके पर सड़क के दोनों ओर हजारों की संख्या में भाजपा समर्थक, कार्यकर्ता और आम जनता कताबद्ध खड़े थे. मोदी ने भी हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया. इसको लेकर हिनू चौक से लेकर रातू रोड न्यू मार्केट चौक तक भारी उत्साह देखा गया. इस दौरान मोदी जिंदाबाद, भाजपा जिंदाबाद, भारत माता की जय और जयश्री राम के नारे लगे. मोदी जी का अभिवादन पुष्प वर्षा से किया गया. ढोल-मांदर बजा कर उनका विभिन्न चौक-चौराहों पर स्वागत किया गया.

इस रूट से पीएम नरेंद्र मोदी पहुंचे राजभवन

मोदी बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हीनू चौक, बिरसा चौक, डीपीएस चौक, सहजानंद चौक, कार्तिक उरांव चौक, भारत माता चौक, पुरानी रांची चौक, किशोर गंज चौक, गाड़ीखाना चौक, शनि मंदिर चौक, रातू रोड न्यू मार्केट चौक, सूचना भवन चौक, मछली घर होते हुए राजभवन पहुंचे.

आज प्रधानमंत्री पलामू और सिसई में करेंगे चुनावी सभा

पीएम मोदी शनिवार को सुबह 9 बजे राजभवन से सीधे एयरपोर्ट पहुंचेंगे. जहां से पलामू जाएंगे. पलामू में सुबह 10.30 बजे उनकी चुनावी सभा होगी. इसके बाद दिन के 12 बजे सिसई (गुमला) जाएंगे, जहां पर चुनावी सभा होगी. 2 बजे से मोदी बिरसा एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से वे दरभंगा (बिहार) के लिए प्रस्थान कर जाएंगे.

रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा ने दाखिल किया पर्चा

रायबरेली/अमेठी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी की रायबरेली और अमेठी से गांधी परिवार के वफादार केएल शर्मा ने शुक्रवार को अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया. नामांकन पत्र दाखिल करते समय राहुल के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी, उनके पति राबर्ट वाड्रा एवं अशोक गहलोत भी मौजूद थे. उधर, अमेठी में केएल शर्मा के साथ नामांकन के समय प्रियंका गांधी और अशोक गहलोत तथा कांग्रेस के कई स्थानीय मौजूद थे. अमेठी के फुरसतगंज हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद राहुल गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ रायबरेली में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ इंडिया के सहयोगी दलों के नेता भी थे. राहुल गांधी इस बार उस सीट से किस्मत आजमा रहे हैं जिसका प्रतिनिधित्व पूर्व में उनकी मां सोनिया गांधी, दादी इंदिरा गांधी और दादा फिरोज गांधी करते रहे हैं. भाजपा ने पहले ही दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से अपना उम्मीदवार घोषित किया है.

-पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,800
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

सीबीएसई 10वीं-12वीं के नतीजे 20 के बाद

नयी दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम 20 मई के बाद घोषित कर सकता है. बोर्ड के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बोर्ड ने अपनी वेबसाइट पर कहा, सीबीएसई की कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजे 20 मई के बाद घोषित होने की संभावना है.

लुढ़का बाजार, सेंसेक्स 733 अंक तक फिसला

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में सेंसेक्स 733 अंक गिरकर 74,000 से नीचे आ गया जबकि निफ्टी अपने रिकॉर्ड स्तर से फिसल गया. दूरसंचार, पूंजीगत उत्पाद और प्रौद्योगिकी कंपनियों में भारी बिकवाली होने से बाजार नुकसान में रहा.

बंगाल के राज्यपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप!

एजेंसी। कोलकाता

राजभवन की एक अस्थाई महिला कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. बोस ने गुरुवार की रात आरोप को नकारते हुए आरोप को चुनावी लाभ हासिल करने का सत्ताधारी पार्टी का प्रयास बताया. राज्यपाल कार्यालय की ओर से जारी एक में कहा गया, सच्चाई की जीत होगी. मैं इंजीनियर्ड नैरेटिव से नहीं डरता. अगर कोई मुझे बदनाम करके चुनावी फायदा चाहता है, तो भगवान भला करें. लेकिन वे बंगाल में भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ मेरी लड़ाई को नहीं रोक सकते.

बता दें कि गुरुवार दोपहर को राजभवन में एक अस्थाई महिला कर्मचारी, जो कथित तौर पर गवर्नर हाउस में शांति कक्ष से जुड़ी हुई थी, राजभवन के अंदर स्थित पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी के पास पहुंची और आरोप लगाया कि सीवी आनंद बोस ने स्थायी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ छेड़छाड़ की. महिला ने बाद में हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है.

बोस बोले- मुझे बदनाम करने की साजिश

मैं इंजीनियर्ड नैरेटिव से नहीं डरता. अगर कोई मुझे बदनाम करके कुछ चुनावी फायदा चाहता है, तो भगवान उनका भला करें.

-सीवी आनंद बोस

पीड़िता का आरोप

19 अप्रैल को गवर्नर सर ने मुझे अपने सीवी के साथ मिलने के लिए बुलाया. 24 अप्रैल को दोपहर 12.45 बजे उन्होंने मुझे ऑफिस के रूम में बुलाया. फिर उन्होंने बातचीत के बाद मुझे छुआ. 2 मई को फिर फोन किया. मैं अपने सुपरवाइजर को साथ कांफ्रेंस रूप लेकर गई. मैं डरी हुई थी. कुछ देर बात करने के बाद उन्होंने सुपरवाइजर को जाने को कहा. उन्होंने मेरे प्रमोशन की बात कही और बातचीत को लंबा खींचा. मुझे रात में फोन करने की बात भी कही. मना किया, तो उन्होंने मुझे छूने की कोशिश की. फिर मैं कैसे भी बचते-बचाते, वहां से निकल गई.

ममता बोलीं- मेरा दिल रो पड़ा

सीएम ममता बनर्जी ने राजभवन में महिला कर्मी से कथित दुर्व्यवहार पर राज्यपाल को आड़े हाथों लिया. कहा, कल, राजभवन में काम करने वाली युवा महिला सामने आई और राज्यपाल द्वारा कथित उत्पीड़न के बारे में बताया... महिला की व्यथा सुन मेरा दिल रो पड़ा. मैंने आरोप का वीडियो देखा. भाजपा को जवाब देना चाहिए कि राज्यपाल ने राजभवन में काम करने वाली महिला के साथ ऐसा क्यों किया. महिला रोती हुई बाहर आई और कहा कि वह अब राजभवन में काम करने को लेकर भयभीत है. उसे असमय बुलाया जाता है और उत्पीड़न होता है. और ये लोग माताओं और बहनों की गरिमा की बात करते हैं.

मणिपुर पर सोचने की किसे फुर्सत है!

सुरजीत सिंह

पिछले एक साल से देश के एक राज्य मणिपुर के यही हालात हैं. मणिपुर की जनसंख्या 28.55 लाख है. ठीक एक साल पहले तीन मई 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा की शुरुआत हुई थी. राज्य के दो बड़े समूह मैतेई व कुकी समुदाय के लोगों के बीच नफरत, हिंसा, आगजनी, हत्या, दुष्कर्म का दौर शुरु हुआ था, आज भी जारी है. आज भी 60 हजार से अधिक महिलाएं-बच्चे जिंदगी बचाने के लिए राहत शिविरों में रह रहे हैं. वहां के हालात बदतर बने हुए हैं. देश में आम चुनाव हो रहा है. हम जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 के हटने का गर्व कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर की चर्चा तक नहीं करते. जम्मू-कश्मीर पर खूब बोलने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर पर मौन हैं. संघ व भाजपा भी चुप हैं. यह अलग बात है कि जम्मू-कश्मीर पर शोर मचाने व 370 हटाने पर गर्व करने वाली भाजपा वहां के किसी संसदीय क्षेत्र से खुद चुनाव नहीं लड़ रही है.

बहरहाल, मणिपुर पर केंद्र सरकार की निष्क्रियता, विपक्ष द्वारा मणिपुर को चुनाव का मुद्दा नहीं बनाया जाना, मीडिया की चुप्पी, गभीर है. ऐसा लगता है मणिपुर इस देश का हिस्सा ही नहीं है. देश के दूसरे हिस्से में रहने वाले मणिपुर के लोग भी यह मानने लगे हैं कि इस देश के पास उनके घर की शांति के लिए वक्त नहीं है. ना ही देश के लोगों के लिए मणिपुर और वहां के कोई मायने रखता है. तभी तो पिछले एक साल से मणिपुर जल रहा है, केंद्र सरकार सो रही है. हर मामले में गर्व करने वालों को तो वैसे भी मणिपुर के बारे में सोंचने की फुर्सत नहीं है. वह तो वैसे भी बिना नामांकन लिए, बिना पढ़े, गलगोटिया यूनिवर्सिटी से पास आउट हैं.

तीन मई को मणिपुर में शुरू हुई हिंसा के एक साल पूरे हो गए

- 365 दिन में 226 लोगों की हत्या कर दी गई. इनमें 30 महिलाएं व आठ बच्चे शामिल हैं.
- कई महिलाओं को नंगा करके घुमाया गया. कई के साथ दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी गई.
- 5000 से अधिक घरों को उपद्रवियों ने फूंक डाला.

- हिंसा में 1500 से अधिक लोग घायल हुए हैं.
- 60 हजार लोग घरों से भाग कर राहत शिविरों में रह रहे हैं.
- करीब 400 धार्मिक स्थलों (मंदिर व चर्च) को नष्ट कर दिया गया.
- हिंसा पर काबू पाने के लिए एक साल से अर्द्धसैनिक बलों के 10 हजार जवान तैनात हैं.

याद में सात महिलाओं ने सिर मुंड़वा कर साइकिल रैली निकाली : इस बीच, एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन में, सात महिलाओं ने शुक्रवार को जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति और एकता का संदेश फैलाने के लिए अपने सिर मुंडवाए और एक साइकिल रैली निकाली. काले कपड़े पहनीं इन महिलाओं ने इंफाल के मध्य में एक सीमांत गांव सेकमाई से कांगला तक कम से कम 19 किमी की दूरी तय की. सात महिलाओं के साथ आई एक अधेड़ उम्र की महिला के शांति ने कहा, बाल मुंड़वाना एक प्रतीकात्मक संकेत है. ऐसा करने का उद्देश्य चुराचांदपुर और कांगपोकपी के निकटवर्ती पहाड़ी इलाकों में स्थित उग्रवादियों द्वारा इंफाल घाटी के सीमांत क्षेत्रों पर समय-समय पर होने वाली गोलीबारी को रोकने में सरकार की असमर्थता का विरोध करना है. हम सब थक चुके हैं. हम शांति चाहते हैं. कांगला से मीरा पैबी नामक सामाजिक संगठन की नेता एम सोबिता देवी ने कहा, राज्य में तीन मई को हिंसा का एक साल पूरा हो गया.

-शेष पेज 7 पर

राजनीतिक विरासत को बचाने के लिए कर रहे जद्दोजहद

झारखंड में विरासत की सियासत का भी दिख रहा रंग

विनोद सिंह, जेपी पटेल, मनीष जायसवाल कालीचरण सिंह लगा रहे जोर

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव में विरासत की सिसायत का भी रंग देखने को मिल रहा है. विरासत में मिली सियासत को बचाने की जद्दोजहद भी हो रही है. इस बार लोकसभा चुनाव में कई ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन्हें विरासत में राजनीति मिली है. सच कहा जाए, तो वे राजनीति में रच बस गए हैं. चुनावी अखाड़े में विरासत के नाम पर कांटे की लड़ाई के आसार हैं. परचे भी भरे जा रहे हैं.

टेकलाल महतो की विरासत को आगे बढ़ाने में लगे हैं जेपी पटेल

हजारीबाग से कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश पटेल अपने पिता टेकलाल महतो की विरासत को आगे बढ़ाने में लगे हैं. जय प्रकाश पटेल के पिता टेकलाल महतो मांडू क्षेत्र से पांच बार विधायक और गिरिडीह से एक बार सांसद रहे थे. टेकलाल महतो के आकस्मिक निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनके बेटे जयप्रकाश पटेल पहली बार विधायक बने थे. हाल ही में जय प्रकाश पटेल ने भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामा था. कांग्रेस ने जेपी पटेल को हजारीबाग सीट से उम्मीदवार बनाया है.

राजनीतिक विरासत को बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं मनीष

हजारीबाग सीट से भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल को भी विरासत में राजनीति मिली है. मनीष के पिता ब्रजकिशोर जायसवाल अपने दौर में कांग्रेस और झारखंड विकास मोर्चा के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे हैं. वह कई बार हजारीबाग नगरपालिका और जिला परिषद के अध्यक्ष रहे हैं. उन्होंने हजारीबाग विधानसभा सीट से भी कई बार चुनाव लड़ा, लेकिन वह कभी विधायक नहीं बन पाए. बाद में उनके पुत्र मनीष जायसवाल हजारीबाग सीट से लगातार दो बार विधायक चुने गये और अब पहली दफा संसदीय चुनाव के मैदान में हैं.

दिग्गज कांग्रेस नेता टी मुचिराय मुंडा के पुत्र हैं कालीचरण मुंडा

खूंटी से कांग्रेस उम्मीदवार कालीचरण मुंडा दिग्गज कांग्रेस नेता स्व टी मुचिराय मुंडा के पुत्र हैं. टी मुचिराय मुंडा खूंटी क्षेत्र से कई बार विधायक चुने गए थे. वह बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे. दिलचस्प बात यह कि कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा के सहोदर भाई नीलकंठ सिंह मुंडा खूंटी विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं. जाहिर है दोनों भाई दो अलग-अलग पार्टियों के लिए वोट मांगते नजर आएंगे.

विजय हांसदा को विरासत में मिली है राजनीति

राजमहल सीट पर झामुमो उम्मीदवार विजय हांसदा को भी विरासत में राजनीति मिली है. उन्होंने भी अपने पिता कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत थॉमस हांसदा की राजनीतिक विरासत की बदौलत राजनीति में जगह बनाई. थॉमस हांसदा इस इलाके से कांग्रेस के विधायक और सांसद रह चुके थे. राजनीति में विजय हांसदा से अपनी अलग पहचान बनाई है.

विनोद सिंह को विरासत में मिली है राजनीति

कोडरमा से भाकपा माले के उम्मीदवार विनोद सिंह को विरासत में सियासत की कमान मिली है. राजनीति में उनकी इंट्री उनके पिता महेंद्र सिंह की हत्या के बाद हुई थी. स्व महेंद्र सिंह बगोदर से कई बार विधायक रह चुके थे. इस बार विनोद सिंह कोडरमा से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. उनका मुकाबला भाजपा की उम्मीदवार अन्नपूर्णा देवी से है.

चुनाव लड़ने के लिए प्रवासी मजदूर भी कर रहे सहयोग, अब तक चार लाख से अधिक चंदा मिला

पूंजीपति-कॉरपोरेट से पैसे लेंगे, तो उनकी ताकत बनेगी, जनता का स्वर सांसद में गूंजेगा

सरकार को समर्थन देने के बाद भी समय-समय पर कमजोरियों को करते रहे हैं उजागर

प्रवीण कुमार । रांची

लोकसभा चुनाव में अत्यधिक धन का बे-रोकटोक प्रवाह, हमारी राजनीतिक प्रक्रिया का कड़वा सच बनता जा रहा है. चुनाव में उम्मीदवार व राजनीतिक दलों में एक- दूसरे से बढ़चढ़ कर धन बल का प्रदर्शन करने की होड़ मची है. **राजनीतिक प्रक्रिया में धनबल का दुरुपयोग :** जवाबदेही और पारदर्शिता को प्रभावित करती है. चुनावों में धन का बेरोक टोक प्रवाह रोकने के चुनाव आयोग के प्रयास के बाद भी पानी की तरह पैसे बहाये जाने का एक कड़वा सच भी सामने आ ही जाता है. प्रतिद्वंद्वी और पार्टियां धनबल का खुलेआम प्रदर्शन करते देखे जाते हैं. चुनाव प्रचार से लेकर बूथ मैनेजमेंट में लाखों रुपये पानी की तरह बहाया जाते हैं. ऐसे में ठीक इसके विपरीत झारखंड के कोडरमा लोकसभा सीट से माले विधायक बिनोद सिंह लोकसभा चुनाव लड़ आम मतदाताओं के सहयोग से लड़ रहे हैं.

ऐसा प्रत्याशी चुनें, जिनकी आवाज विधानसभा में गूंजती है

विनोद सिंह जिस पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं, वह कॉडर बेस्ड पार्टी है. भले उनके नेता चुनाव में हारे या जीतें, हर एक कैडर नेता बन कर चुनाव लड़ता है. वर्तमान चुनावी प्रवृत्तियों से अलग उसके पास न तो पार्टी की ओर से खजाना मिला है, न खुद इतने सक्षम हैं कि पानी की तरह पैसा बहा सकें. पूरी तरह से जनता के सहयोग से चुनाव लड़ रहे विनोद सिंह कहते हैं- मैं राजनीति खुद के लिए नहीं कर रहा हूं .लोगों के लिए काम करता हूं, लोगों के लिए लड़ता हूं, लोगां के लिएए ही सड़क से लेकर विधानसभा तक आवाज उठाता हूं. जनसहयोग से कोडरमा लोकसभा का चुनाव लड़ रहा हूं. मेरी जनता ही चुनाव लड़ती है. तन-मन और धन से सहयोग करती है. सिंह कहते हैं कि अगर मैं किसी पूंजीपति-कॉरपोरेट से पैसे लूंगा, तो हमें उनकी ताकत बननी होगी. उनके लिए सवाल पूछना होगा. आम लोगों के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष से ही देश की जनता हमें मजबूत बनाएगी.

प्रवासी मजदूर भी कर रहे सहयोग

माले प्रत्याशी विनोद सिंह कहते हैं लोग सहयोग कर रहे हैं. छोटे-छोटे सहयोग आ रहे हैं. वहीं झारखंड से बाहर रह रहे प्रवासी मजदूर भी सहयोग के लिए आगे आये हैं. दिल्ली, मुंबई, सूरत, कोलकाता और दक्षिण के राज्यों में काम करनेवाले इलाके के प्रवासी मजदूरों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है. शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से मिली चंदे की रकम चार लाख से पार कर गयी है. चुनाव के लिए चंदा देने वाले से आपील भी की जा रही है कि ववे अपना पैन कार्ड नंबर भी दें, ताकि आगे चलकर किसी तरह की परेशानी न हो.

गाड़ी चोरी हुई तो लोगों ने चंदा कर खरीदी

बात 2008 की है, जब भाकपा माले के कोलकाता में हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विनोद सिंह की कार चोरी हो गई. विनोद सिंह और उनकी पार्टी के पास पैसे नहीं थे कि दूसरी कार खरीदी जा सके. विनोद ट्रेन, बस, मोटरसाइकिल, ऑटोरिक्शा में सफर कर अपने विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करने के साथ-साथ रांची भी आना-जाना करते रहे. जब विधानसभा क्षेत्र के लोगों तक यह बात पहुंचीं, जो आम लोगों ने पांच-पांच,दस-दस रुपये चंदा कर उनके लिए लिए सबसे अच्छी गाड़ी महिंद्रा स्कॉर्पियो खरीदकर दी.

आखिर विनोद सिंह कैसे आये राजनीति में

कॉमरेड महेंद्र सिंह विधायक थे. 16 जनवरी 2005 को उनकी हत्या की गई थी. ठीक एक दिन पहले यानि 15 जनवरी को उन्होंने उस वक्त झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था. महेंद्र सिंह की हत्या के वक्त, विनोद महज़ 25-26 साल के नौजवान रहे होंगे, जो मुंबई में रहकर सिनेमा के विभिन्न माध्यमों से समाज में "परिवर्तन वाली राजनीतिक फिल्में" बनाने के सपने देखरहे थे. आइसा की छात्र राजनीति करने वाले विनोद सिंह को कभी चुनावी राजनीति में नहीं आना था. एक तरफ अभूतपूर्व परिस्थितियों का दबाव एवं किसी दूसरे व्यक्ति को विकल्प बनाने का विचार करने के लिए वक्त की कमी थी. नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी 2005 थी. वहीं दूसरी तरफ पूरे समाज का दबाव था, सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोग विनोद सिंह को ही देखना चाहते थे.

सरकार की कमजोरियों पर कभी परदा नहीं डाला

विनोद काफी दबाव के बाद मुंबई से लौटे और पिता की हत्या के अगले दिन 17 जनवरी को बगोदर विधनसभा से चुनाव लडने के लिए नामांकन किया गया. महेंद्र बाबू का दाह संस्कार विनोद सिंह के नामांकन करने के बाद कराया गया. झारखंड में विनोद सिंह झामुमो-कांग्रेस की सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी सरकार की कमजोरियों पर परदा डलने का प्रयास नहीं किया. हमेशा सरकार की कमजोरियों को उजागर किया. आदिवासियों के सवाल पर हेमंत सरकार को घेरा भी, वहीं दूसरी तरफ जब भी हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश हुई, तब-तब विनोद बाबू आदिवासी-मूलवासी आकांक्षाओं के अनुरूप चुनी हुई हेमंत सोरेन सरकार की ढाल बन कर खड़े रहे.

झारखंड में गर्मी से मिलेगी राहत, छह मई से बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना

संवाददाता। रांची

झारखंड में झुलसा देने वाली गर्मी से राहत मिल सकती है. मौसम विभाग के अनुसार, 6 मई से झारखंड का मौसम बदल सकता है. झारखंड के कुछ जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के मुताबिक, 6 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है. वहीं 7 मई राज्य में कुछ स्थानों पर और 8 व 9 मई को कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्ष होने की प्रबल संभावना है. इस दौरान तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है.

बहरागोड़ा रहा 43 डिग्री के साथ रहा सबसे गर्म : पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 43.7 डिग्री बहारागोड़ा में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.8डिग्री डाल्टनगंज में दर्ज किया गया. विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले 2 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है.

कल भी चलेगी लू : मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को राज्य में सराइकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, पाकुड़ और गोड्डा जिलों में कहीं-कहीं लू चल सकती है. वहीं 5 मई को राज्य के सराइकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, जामतारा, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है.

छह मई से रांची में छाए रहेंगे बादल

मौसम विभाग के रांची में 6 और 7 मई से आंशिक बादल छाये रहेंगे एवं मौसम शुष्क रहेगा. वहीं 8 और 9 मई से गर्जन के साथ बारिश की संभावना है. इस दौरान अधिकतम तापमान में गिरावट हो सकती है. पिछले 24 घंटे में रांची में 37.1, जमशेदपुर में 42.6, डाल्टेनगंज में 40.2, बोकारो में 38.8, गोड्डा में 42.1, देवघर में 39.7, जामताड़ा में 41.2, पाकुड़ में 41.7, पलामू में 39.8, लातेहार में 36.4 और सिमडेगा में 39.9 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया.

हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस जीएसटी अपील ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष नियुक्त

संवाददाता । रांची

झारखंड हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को जीएसटी अपील ट्रिब्यूनल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. उनकी नियुक्ति चार वर्ष के लिए की गयी है. जीएसटी अपील ट्रिब्यूनल का अध्यक्ष रहने के दौरान उन्हें 2 लाख 50 हजार रुपये का मासिक वेतन मिलेगा. बता दें कि जस्टिस संजय कुमार मिश्रा पिछले वर्ष दिसंबर महीने में रिटायर हुए थे.

उन्होंने वकालत के पेशे से अपने करियर की शुरुआत की थी. संजय कुमार मिश्रा ने ओडिशा और झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में सेवा दी.

महाधिवक्ता और अपर महाधिवक्ता पर कंटेम्प्ट का मामला नहीं बनता

संवाददाता । रांची

झारखंड हाईकोर्ट से राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन और अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार को बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट की डबल बेंच ने शुक्रवार को कहा कि महाधिवक्ता और अपर महाधिवक्ता पर क्रिमिनल कंटेम्प्ट का मामला नहीं बनता है. दरअसल एक मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने महाधिवक्ता राजीव रंजन और अपर महाधिवक्ता द्वितीय सचिन कुमार के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया था. जिसे हाईकोर्ट की डबल बेंच में रेफर कर दिया गया था. शुक्रवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अम्बुज नाथ की डबल बेंच ने इस मामले में सुनवाई की.

2009 और 2014 में कांग्रेस की हार का कारण बने थे चमरा लिंडा, अब किसकी बारी

लोहरदगा में 'अपनों' और 'निर्दलीयों' से खतरा

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव की जंग इस बार कई सीटों पर आसान नहीं होगी. कई सीटों पर 'अपनों' और 'निर्दलीयों' से ही खतरा मंडरा रहा है. झारखंड में चौथे चरण में होनेवाले चुनाव को लेकर लोहरदगा संसदीय सीट बहुत ही हॉट सीट बन चुका है. यहां कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को 'अपनों' और 'निर्दलीयों' से ही खतरा है. खतरा इसलिए कि झामुमो के बागी विधायक चमरा लिंडा खुद मैदान में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी उतरे हैं. चमरा एक नहीं दो बार लोहरदगा से कांग्रेस को हराने में अहम भूमिका अदा कर चुके हैं. 2009 में चमरा लिंडा ने दूसरे दूसरे स्थान पर आकर एक तरह से सनसनी फैला दी थी. उस समय चमरा लिंडा विधायक भी नहीं थे. किसी को अंदाज तक नहीं था चमरा लिंडा इतना बड़ा खेल कर जाएंगे. इतना ही नहीं 2014 में भी चमरा ने कांग्रेस प्रत्याशी को हराने में अहम भूमिका निभाई थी. अब फिर से इस बार इंडिया गठबंधन के खिलाफ वे लोहरदगा से ताल ठोंक रहे हैं. झामुमो को पूरा भरोसा था कि वे मान जाएंगे और अंतिम समय में नाम वापस ले लेंगे. मगर ऐसा हुआ नहीं. स्क्रूटनी के बाद उन्हें बल्लेबाज छाप चुनाव चिन्ह भी आवंटित हो चुका है और चुनावी मैदान में ताबड़तोड़ बैटिंग के लिए उतर चुके हैं.

- 2009 में दूसरे स्थान पर आकर फैला दी थी सनसनी
- 2014 में भी कांग्रेस को हराने में निभाई थी अहम भूमिका

2009 और 2014 के लोस चुनाव में भी खेला कर चुके हैं चमरा : वर्ष 2009 में चमरा लिंडा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे. इस चुनाव में चमरा लिंडा 1,36,345 लाख वोट लाकर दूसरे स्थान पर रहे. उन्होंने सीटिंग एमपी डॉ रामेश्वर उरांव को तीसरे नंबर पर धकेल कर सनसनी फैला दी थी. विजयी भाजपा प्रत्याशी सुदर्शन भगत रहे थे. इसी तरह फिर चमरा लिंडा वर्ष 2014 में टीएमसी के टिकट पर मैदान में उतरे. इस चुनाव में चमरा लिंडा ने 1,18,355 लाख वोट लाकर कांग्रेस का खेल बिगाड़ दिया. सुदर्शन भगत की जीत की राह आसान कर पुनः डॉ रामेश्वर उरांव को हराने में अहम भूमिका निभाई. इस चुनाव में डॉ रामेश्वर उरांव को 2,20,177 वोट मिले थे, जबकि विजयी प्रत्याशी सुदर्शन भगत को 2,26,066 वोट मिले थे.. अगर चमरा लिंडा और डॉ रामेश्वर उरांव के मतों को मिला दिया जाए, तो डॉ उरांव की जीत पक्की थी. लेकिन चमरा लिंडा के कारण वे चुनाव हार गये.

आइए जानते हैं...पिछले तीन लोकसभा चुनावों में किस पार्टी का वोट प्रतिशत कितना रहा था

2009 : भाजपा : 27.7, कांग्रेस : 24.8
2014 : भाजपा : 35.7, कांग्रेस : 24.7, टीएमसी (चमरा लिंडा) :18.6
2019 : भाजपा : 45.7, कांग्रेस : 44.2
डाटा स्रोत : 2019 के चुनाव आयोग के परिणाम के अनुसार

लोहरदगा से ये प्रत्याशी हैं मैदान में

समीर उरांव : भाजपा
सुखदेव भगत : कांग्रेस
चमरा लिंडा : निर्दलीय
महेंद्र उरांव : भारती कम्युनिस्ट पार्टी
रामचंद्र भगत : लोकहित अधिकार पार्टी
स्टेफन किंडो : निर्दलीय
बिहारी भगत : पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
सनिया उरांव : निर्दलीय
मैरिएनस तिग्गा : निर्दलीय
पवन तिग्गा : निर्दलीय
मनी मुंडा : भागीदारी पार्टी (पी)
अर्जुन टोप्पो : आजाद समाज पार्टी (कांशी राम)
गिरजानंद उरांव : बहुजन समाज पार्टी
रंजीत भगत : निर्दलीय
अर्पण देव भगत : निर्दलीय

लोहरदगा की सभी पांच विधानसभा सीटों पर है झामुमो-कांग्रेस का कब्जा

सिसई, गुमला, विशनपुर : झामुमो
मांडर, लोहरदगा : कांग्रेस

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में धार्मिक-जातिगत आधार पर वोट %

सुनवाई कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाया फैसला, गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है. हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट के इस फैसले से हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है. इससे पहले 28 फरवरी को एक्टिंग चीफ न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच ने हाइब्रिड मोड में सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. करीब 66 दिन बाद आज शुक्रवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया. हेमंत सोरेन की ओर से देश के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और हाईकोर्ट के अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की थी. वहीं ईडी की ओर से एएसजीआई एस वी राजू और अमित दास ने बहस की.

ताऊ के श्राद्ध कर्म में शामिल होंगे हेमंत

रांची। लैंड स्कैम के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन द्वारा प्रोविजनल बेल के लिए दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने हेमंत सोरेन को प्रोविजनल बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी. हालांकि कोर्ट ने उन्हें अपने चाचा के श्राद्ध कर्म में कुछ देर के लिए शामिल होने की अनुमति दी है. अदालत ने यह सख्त निर्देश दिया है कि 6 मई को होने वाले श्राद्ध कर्म में शामिल होने के दौरान हेमंत सोरेन मीडिया से कोई बातचीत नहीं करेंगे और ना ही कोई राजनीतिक चर्चा करेंगे. हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई.

पीएमएलए कोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती

दरअसल 30 अप्रैल को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने हेमंत सोरेन को प्रोविजनल बेल देने से इनकार कर दिया था. कोर्ट के इस आदेश को हेमंत सोरेन ने चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी. उन्होंने अपनी अपील में हाईकोर्ट से तीन दिनों की प्रोविजनल बेल मांगी थी. याचिका में उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया था कि उन्हें अपने चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होने की अनुमति दी जाए. बता दें कि शनिवार की सुबह झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन (गुरू जी) के बड़े भाई राजा राम सोरेन का निधन हो गया था. उम्र के आखिरी पड़ाव में बीमारी से लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गयी थी. राजाराम सोरेन रांची में ही रहते थे.

हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

बता दें कि हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. हेमंत सोरेन का कहना था कि उनके खिलाफ जो मामला दर्ज किया गया है, वह मनी लॉन्ड्रिंग का नहीं है. जिस जमीन की बात ईडी कह रहा है वह जमीन उनके नाम कभी रहा ही नहीं. हेमंत सोरेन ने आदेश सुरक्षित रखने के बाद फैसला नहीं सुनाये जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की है. सुप्रीम कोर्ट ने इस पर ईडी से जवाब मांगा है.

भाकपा के राष्ट्रीय सचिव अतुल अंजान का निधन

संवाददाता। रांची

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेशनल सेक्रेटरी अतुल कुमार अंजान का शुक्रवार सुबह निधन हो गया. 61 साल के अतुल ने लखनऊ के मेयो अस्पताल में आखिरी सांस ली. जानकारी के अनुसार, अतुल कुमार अंजान कैंसर से पीड़ित थे. पिछले एक महीने से लखनऊ के गोमतीनगर स्थित मेयो अस्पताल में मौत से जंग लड़ रहे थे. लेकिन वो यह जंग हार गये और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया. अतुल के निधन पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शोक व्यक्त किया है.

20 साल की उम्र में ही शुरू हो गया था अतुल का राजनीतिक सफर

बता दें कि अतुल कुमार अंजान को भारतीय वामपंथी राजनीति का बड़ा नाम और चेहरा माना जाता था. उन्होंने साल 1977 में लखनऊ यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी. उस समय उनकी उम्र मात्र 20 साल थी. इसके बाद लगातार चार बार वो लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा और जीत भी हासिल की. तेजतर्रार छात्र नेता के रूप में अपनी शुरूआत की थी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शनिवार 04 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 11 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 25

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जमशेदपुर लोकसभा सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी समीर मोहंती ने किया नामांकन

इंडिया गठबंधन मजबूत है, सभी सीटें जीतेंगेः चंपाई

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर लोकसभा सीट के लिए जेएमएम के प्रत्याशी समीर मोहंती ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया है. इसके पूर्व उन्होंने अपने आवास में पूजा-अर्चना की. इसके साथ ही साकची के बोधी मंदिर मैदान में एक जनसभा का भी आयोजन किया गया था. जिसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक रामदास सोरेन, संजीव सरदार, झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रीयो भट्टाचार्य समेत भारी संख्या में समर्थक मौजूद थे. नामांकन दाखिल करने के बाद सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि देश में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है. झारखंड की सभी 14 जीतें गठबंधन की झोली में आएंगी. इंडिया गठबंधन मजबूत है और हम पूरी मजबूती से आगामी लोकसभा चुनाव में लड़ने जा रहे हैं. देश में किसी का लहर नहीं चल रहा है. वहीं पीएम मोदी के चाईबासा दौरे के सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल है कोई कहीं आ जा सकता है. हमारे गठबंधन और प्रत्याशी पर कोई फर्क नहीं पड़नेवाला है. भाजपा की सरकार जुमलेबाजी की सरकार है. इस बार महागठबंधन झारखंड के पूरे 14 सीटों में अपना कब्जा जमा रही है.

बंगाली हूं, किसी से डरने वाला नहीं: सुप्रियो

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने समीर मोहंती की जीत का दावा किया. कहा कि देश जुमलों की सरकार से त्रस्त है. मोदी के पास कोई मुद्दा नहीं है, जिसे वे जनता के बीच रख सकें. अब वो चुनावी सभाओं में पाकिस्तान का जिक्र कर रहे हैं. दुनिया के सबसे बड़े रेपिस्ट के साथ मंच साझा कर रहे हैं. बीजेपी महिलाओं की सुरक्षा के मामले में पूरी तरह से विफल साबित रही है. दस साल के कार्यकाल में मोदी सरकार के पास उपलब्धियां गिनाने का कोई मुद्दा नहीं है, यही मोदी की विफलता है. जमशेदपुर की जनता इस बार मन बना चुकी है. समीर मोहंती को जीत से कोई रोक नहीं सकता है. उन्होंने बताया कि समीर के नामांकन में लाखों की संख्या में जुटी गांव से लेकर शहर तक की जनता इस बात का गवाह है कि जमशेदपुर में बदलाव होने जा रहा है. वही ईडी के रडार पर आने के सवाल पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बंगाली हूं, किसी से डरने वाला नहीं हूं. मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हूं.

डीनोबिली डिगवाडीह के छात्र रहे डॉ. अतुल बने हिमाचल के डीजीपी

संवाददाता। धनबाद

डिगवाडीह डीनोबिली के छात्र रहे डॉ. अतुल वर्मा को हिमाचल प्रदेश का डीजीपी बनाया गया है. अतुल धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड के रहने वाले हैं, उनके पिता डॉ. पीएन वर्मा प्रसिद्ध चिकित्सकों में शुमार हैं. डॉ. अतुल के डीजीपी बनने पर यहां के लोगों, उनके परिवार वालों में खुशी की लहर दौड़ गई है. धनबाद में डॉ. पीएन वर्मा के नाम पर एक फाउंडेशन चलता है, जो इस परिवार के पुराने मकान से संचालित है. डॉ. वर्मा ने कई दशकों तक चिकित्सा में योगदान दिया और 2019 में उनका निधन हो गया . डॉ. वर्मा के बेटे डॉ. अतुल ने डीनोबिली से शुरुआती पढ़ाई पूरी करके एमबीबीएस किया, फिर 1991 में आइपीएस बने. मुहल्ले के लोगों ने बताया कि डॉ. अतुल के आइपीएस बनने के बाद भी उनका स्वभाव सरल रहा. उनके परिवार के कई अन्य सदस्य भी ऊंचे पदों पर सेवा दे रहे हैं. बहनोई आइएएस अमरजीत सिन्हा सेवानिवृत होने के बाद पीएम मोदी के सलाहकार रहे. सगी दो बहनें डॉक्टर हैं, जबकि छोटा बहनोई तलीन आइएएस है और गृह मंत्रालय दिल्ली में सेवारत है. भांजा आयुष आइएएस है और हरियाणा में उसकी पोस्टिंग है. फिलहाल धनबाद में उनके मकान में परिवार का कोई सदस्य नहीं रहता है.

- धनबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. पीएन वर्मा के बेटे हैं अतुल
- डिगवाडीह डीनोबिली स्कूल में डॉ. अतुल की थी हुई प्रारंभिक शिक्षा

सजायाफ्ता ढुल्लू पर 20 केस जगदीश पर 03,अनुपमा पर 00

- ढुल्लू के साथ उनकी पत्नी भी रखती हैं पिस्टल छह लाइसेंसी हथियारों के मालिक हैं दोनों
- अनुपमा ने की है बारहवीं, ढुल्लू इंटर तो जगदीश आठवीं तक पढ़े हैं

संवाददाता। धनबाद

धनबाद लोकसभा सीट के लिए अब तक प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है. उनमें भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो, कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह और मासस प्रत्याशी जगदीश रवानी शामिल हैं. तीनों उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र में शिक्षा, संपत्ति से लेकर लंबित मुकदमों तक की जानकारी दी है. इन उम्मीदवारों में केवल ढुल्लू महतो ही दो मामलों में सजायाफ्ता हैं, इसके अलावा उनके खिलाफ 20 मुकदमों की सुनवाई विभिन्न अदालतों में जारी है. संपत्ति के मामले में ढुल्लू महतो और अनुपमा सिंह दोनों मजबूत और लगभग बराबरी पर हैं. ढुल्लू ने सात करोड़ से अधिक की संपत्ति बताई है, तो अनुपमा और उनके पति जयमंगल सिंह के पास आठ करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टी है. अनुपमा के पास नगद 9,26,000 रुपए हैं, तो उनके पति के पास 1,96,663 रुपए हैं. उनके खिलाफ कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं है. जगदीश रवानी मासस के प्रत्याशी हैं, उनके पास कुल संपत्ति 3 करोड़ 25 लाख है. जबकि पत्नी के पास भी करीब 80 लाख से अधिक की जायदाद व नगदी शामिल है. उन्होंने आठवीं तक की पढाई की है और उनके खिलाफ कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं, ये तीनों मुकदमे 2022 में दर्ज हुए हैं. इनमें बलियापुर थाने में एक और सिंदरी में दो प्राथमिकी दर्ज है. इधर ढुल्लू महतो ने अपने शपथ पत्र में कहा है कि उनके और पत्नी के नाम पर छह आग्नेयास्त्र हैं, इनमें दो पिस्टल, दो रायफल और दो बंदूकें हैं. शेष दोनों प्रत्याशियों के पास लाइसेंसी हथियार होने का जिक्र नहीं है. इन तीनों के अलावा संजय कुमार गिरि, जो सुदामडीह रिवर साइड के रहने वाले हैं, उमेश पासवान निवासी माडा कालोनी धनबाद, जनक साह गोंड निवासी बारामुड़ी बी पालीटेक्निक थाना धनबाद, दीपक कुमार दास निवासी अम्बेडकरपुरी चास थाना चास जिला बोकारो, प्रेम प्रकाश पासवान वॉच एंड वॉच् कालोनी, थाना धनबाद ने भी नामांकन पर्चा दाखिल किया है.

लोकसभा चुनाव 2024

थर्डजेंडर सुनैना समेत चार ने भरा पर्चा

तीन मई को भूली ई ब्लॉक की रहने वाली लक्ष्मी देवी ने नामांकन दाखिल किया है. इस तरह वह धनबाद लोकसभा से लड़ने वाली दूसरी महिला उम्मीदवार हैं, इसके अलावा थर्ड जेंडर सुनैना ने भी नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया है. सुनैना भी लोकसभा चुनाव की लड़ाई में कूद पड़ी हैं और ताल ठोंक रही हैं. जोडापोखर थाना क्षेत्र के शालीमार निवासी पत्रकार जहीरुद्दीन खान ने भी शुक्रवार को नामाकंन पर्चा दाखिल किया है.सरायढेला थाना क्षेत्र के कुसुम विहार स्वाति अपार्टमेंट की रहने वाली अनंदीता दास ने भी नामाकंन भरा है. वो डॉन बास्को तुरा कालेज से बीएससी जुलॉजी का छात्रा रहीं हैं.

ढुल्लू महतो के खास ने भाजपा महानगर अध्यक्ष पर लगाया निष्क्रियता का आरोप

धनबाद। भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो अब तक अपने संगठन को साथ लेने में नाकाम साबित हो रहे हैं. जिला संगठन से दूरी बना कर रखने वाले ढुल्लू को संगठन के साथ चलने में उनके अपने ही रोड़ा बन रहे. ढुल्लू को टिकट मिलने के बाद से क्षेत्र के सभी भाजपा नेता एवं संगठन उनके साथ खड़ा दिख रहा है. इसके बावजूद ढुल्लू के करीबी ही दूध में नींबू निचोड़ रहे हैं. ढुल्लू के खास बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष बच्चू राय ने सोशल मीडिया पर जिलाध्यक्ष पर निष्क्रियता का आरोप लगा कर खलबली मचा दी है. बच्चू राय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर जवाब देते हुए कमेंट किया कि यह सब जिलाध्यक्ष की निष्क्रियता का फल है. उक्त जवाब उस पोस्ट पर दिया गया जिसमे लिखा है कि हीरापुर क्षेत्र में ढुल्लू को पुराने लोगों को लाना चाहिए. नए लोग गड़बड़ कर रहे. हर बूथ का ज्ञान होना चाहिए. बच्चू राय के जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत शाही ने नेताओं से सवाल किया है कि हीरापुर के कौन लोग नए हैं और वह क्या गड़बड़ी कर रहे हैं. महानगर जिलाध्यक्ष श्रवण राय से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं. बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वालों को कुछ करना है नहीं, इसलिए झूठ सच करते रहते हैं .

जयराम का नामांकन हो सकता है रद्द

धनबाद। गिरिडीह के प्रत्याशी जयराम महतो के खिलाफ कार्रवाई का दायरा तंग होता जा रहा है. अब निर्वाची पदाधिकारी की तरफ से आम सूचना भेजी गयी है. जिसमें कहा गया है कि उनके द्वारा दाखिल नामांकन पर्चा में प्रस्तावकों का नाम व हस्ताक्षर संदेहास्पद है. इसका सत्यापन कराना होगा. उनके अंकित मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन जयराम ने उत्तर नहीं दिया. ऐसे में उन्हें कहा गया है कि 7 मई तक सभी प्रस्तावकों के वैध दस्तावेजों के साथ निर्वाची पदाधिकारी के पास उपस्थित होना है. यदि ऐसा नहीं हुआ तो फिर जयराम का नामांकन रद्द किया जा सकता है.

हाल इलाज का

प्लास्टर करायें सरकारी में, तो कटवाना होगा निजी अस्पताल में

रणजीत कुमार सिंह । धनबाद

सदर अस्पताल में बीते कुछ महीनों से आर्थोपेडिक के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यदि आप का हाथ-पांव टूट गया और उसपर सदर अस्पताल में प्लास्टर करवाया, तो फिर आपको कटवाने के लिए किसी निजी अस्पताल जाना होगा. क्योंकि सदर अस्पताल में प्लास्टर काटने की मशीन नहीं हे. ये अलग बात है कि हर साल यहां करोड़ों का फंड दवाओं व मशीनों में खपता है. यहां पर एक दो नहीं बल्कि प्लास्टर कटवाने पहुंचने वाले सारे मरीजों के साथ ऐसा ही हो रहा है.

रांगाटांड़ की अंजू अग्रवाल ने कहा कि उनका हाथ पिछले महीने फ्रेक्चर हो गया था. उसने इलाज सदर अस्पताल में कराया. जहां के डॉक्टरों ने हाथ का प्लास्टर कर दिया और दवाइयां भी दीं. लेकिन जब अंजू प्लास्टर कटवाने के लिए सदर अस्पताल पहुंचीं, तो डॉक्टरों द्वारा दिये गए जवाब से परेशान हो गईं. डॉक्टरों ने उन्हें साफ शब्दों में कह दिया कि यहां सिर्फ प्लास्टर होता है. प्लास्टर काटने की सुविधा नहीं है. किसी प्राइवेट अस्पताल में जा कर प्लास्टर कटवा लें. अंजू ने कहा कि जब सरकारी अस्पताल में प्लास्टर की सुविधा है तो प्लास्टर काटने की भी सुविधा देनी चाहिए. ताकि मरीजों को बाहर पैसे खर्च ना करना पड़े. अंजू की शिकायत पर जब रिपोर्टर ने आर्थोपेडिक में नर्स से बात की तो उसने भी यही कहा. यहां सिर्फ प्लास्टर करने की सुविधा है. काटने की नहीं है. जरूरत पड़ने पर हाथ से ही प्लास्टर काटने की कोशिश की जाती है. जिसमें मरीजों को भी परेशानी होती है. इसलिए मरीज की सुविधा को देखते हुए उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल से प्लास्टर कटवाने की सलाह दी जाती है.

- सदर अस्पताल में प्लास्टर काटने की मशीन उपलब्ध नहीं
- आर्थोपेडिक के मरीजों को निजी अस्पतालों में जाकर कटवाना पड़ता है प्लास्टर

अतीत की यादें

लोग पीएम मोदी को याद दिला रहे मंडल डैम की बात

ये भी चुनावी साल है, वह भी चुनावी साल था...

आशीष टैगोर। लातेहार

ये भी चुनावी साल है और वो भी चुनावी साल था, जब पीएम नरेंद्र मोदी पलामू आये थे. साल था 2019 और तारीख थी 5 जनवरी की. चिंयाकी हवाई अड्डे पर गहमागहमी थी. तत्कालीन सरकार के कई मंत्री व सांसद पीएम का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. पीएम आये और तामझाम से उत्तर कोयल जलाशय परियोजना (मंडल डैम) को पूरा करने के लिए ऑनलाइन शिलान्यास किया.

उत्तर कोयल परियोजना लातेहार के बरवाडीह प्रखंड के मंडल ग्राम में है, इस कारण इसे स्थानीय लोग मंडल डैम भी कहते हैं. पीएम के शिलान्यास करने के बाद लगा कि 70 के दशक में जिस परियोजना की आधारशिला रखी गयी थी, वह अब अवश्य पूरी होगी, लेकिन विडंबना ऐसी रही कि शिलान्यास करने के तकरीबन पांच साल में भी इस परियोजना में काम तक शुरू नहीं हो पाया. पांच साल बाद अब एक बार फिर मोदी पलामू आ रहे हैं और इस बार वे विपक्ष के निशाने पर हैं.

फिर पलामू को धोखा देने आ रहे हैं: बैद्यनाथ

लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम ने कहा कि मोदी एक बार फिर पलामू को धोखा देने आ रहे हैं. पिछली बार जब आये तो मंडल डैम को पूरा करने लिए शिलान्यास किया था. लेकिन इन पांच सालों में मंडल डैम में एक ईंट तक नहीं जुड़ पाया. विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री आएंगें और मंच से पलामू के लोगों को सब्जबाग दिखाएंगें. एक बार फिर जुमलेबाजी होगी. लेकिन अब पलामू की जनता जान चुकी है. इस लोकसभा चुनाव में पीएम की जुमलेबाजी नहीं चलेगी.

अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया: पंकज तिवारी

कांग्रेस के जिला मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने कहा कि मोदी अपने एक भी वादों को पूरा कर नहीं दिखाया. पिछले चुनाव के समय मंडल डैम का शिलान्यास किया आज तक काम शुरू नहीं हुआ. पीएम ने महंगाई व बेरोजगारी कम करने का वायदा किया था, कुछ नहीं हुआ. कहा था कि सबके खाता में 15 लाख आएंगें आज तक नहीं आये. पीएम सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं और इससे देश का विकास नहीं हो सकता है.

मंडल डैम में एक झाड़ी तक नहीं कटी: अनिल

बरवाडीह के समाजसेवी अनिल सिंह ने कहा कि पांच जनवरी 2019 को पलामू के चियांकी हवाई अड्डा से पूरे तामझाम के साथ नरेंद्र मोदी ने मंडल डैम का ऑनलाइन शिलान्यास किया गया था. जल्द ही डैम को चालू करा कर जनता को सौगात देने की बात कही थी. लेकिन सभी वायदे झूठे निकले. इन पांच सालों मे आज तक मंडल डैम की एक झाड़ी तक नहीं काटी गयी. पीएम नरेंद्र मोदी लातेहार के भोले भाले आदिवासी जनता का झूठा प्रलोभन देने आ रहे हैं.

क्या है मंडल डैम परियोजना

इस परियोजना पर काम साल 1972-73 में तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के द्वारा शुरू कराया गया था. 1970 में पूरे बिहार में अकाल पड़ा था तो उस अकाल व सूखा से निजात पाने के लिए इस परियोजना की परिकल्पना की गयी थी. इस परियोजना में गढ़वा जिला के भंडरिया प्रखंड के चेमो सान्या समेत 16 गांव तथा लातेहार जिला के बरवाडीह प्रखंड के तीन गांव डूब क्षेत्र में शामिल है. इस परियोजना से एक लाख 11 हजार हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई करने एवं डैम के दोनों किनारों पर 24-24 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया था. जिस समय यह परियोजना प्रारंभ की गयी थी, उस समय इस परियोजना का प्राकक्लन मात्र 30 करोड़ रुपये था. साल 1985 में इसे बढ़ा कर 581 करोड़ रुपये किया गया. इसके बाद इसे बढ़ाकर 1627 करोड़ रुपये किया गया.

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत गांव से लेकर शहर तक में विभिन्न कार्यक्रमों का किया जा रहा है आयोजन

शहर के विभिन्न स्थानों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- लो-टर्नआउट वाले बूथों पर स्वीप कोषांग का है विशेष फोकस

संवाददाता। धनबाद

लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के द्वारा मतदाता जागरूकता कोषांग को विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव 2024 में स्वीप कोषांग के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न बूथों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसके तहत बलियापुर प्रखंड अन्तर्गत बीएलओ द्वारा 38-सिन्दरी विधानसभा अन्तर्गत विभिन्न बूथों के मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता मार्गदर्शिका वितरण करते हुए उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव 25 मई को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया. साथ हीं बलियापुर प्रखण्ड अन्तर्गत जगदीश पंचायत में सखी मंडल की दीदियों द्वारा मतदाताओं को शपथ दिलाकर रैली एवं रंगोली के माध्यम से मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया. वही बीसीसीएल के क्षेत्रीय कार्यालय पीबी एरिया में स्वीप कार्यक्रमअंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदान के लिए शपथ दिलाई गई. इस दौरान देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अचून्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सभी से अपील की गई. सिंदरी के बूथ नंबर 357 से 359 के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा पीडब्ल्युडी वोटरों को शपथ दिलाकर स्लोगन के माध्यम से जागरूक किया गया.

झरिया में जगह -जगह हुए कई कार्यक्रम

लो वोट टर्न आउट वाले क्षेत्र झरिया में स्वीप की गतिविधियां तेज करते हुए जगह-जगह चौक चौराहा आदि पर मतदाता शपथ ग्रहण समारोह, हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी पॉइंट, रंगोली , मेहंदी, फ्लोर गेम, नुक्कड़ नाटक, रैली आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है . इसके अलावा कई विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा साइकिल रैली गई . तथा मतदाताओं से वोट करने की अपील की गई . साथ ही पूरे धनबाद जिला में स्वीप कोषांग अंतर्गत मतदाता जागरुकता के तहत चुनाव से संबंधित फ्लोर गेम, क्विज, रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, समेत कई अन्य गतिविधियां की गई एवं लोगों को शपथ दिलाई गई .

जागरूकता के लिए सोशल मीडिया पर चलेगा अभियान

- सात मई की शाम छह से आठ बजे तक चलाया जाएगा सोशल मीडिया कैंपेन
- जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक कर सोशल मीडिया कैंपेन को सफल बनाने के लिए दिए आवश्यक दिशानिर्देश

धनबाद । लोकसभा चुनाव में सभी निर्वाचकों को मतदान के लिए जागरुक करने के उद्देश्य से 'मैं भी इलेक्शन एम्बेसडर' कार्यक्रम संचालित किया जाना है. जिसके तहत आगामी सात मई की शाम छह से आठ बजे तक सभी सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाया जाएगा. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में धनबाद जिला के विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस दिन विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां होंगी, जिसका फोटो-वीडियो ट्विटर, फेसबुक, इंस्टग्राम और यूट्यूब पर हैशटैग के साथ अपलोड किया जाएगा.

ज्यादा से ज्यादा स्वीप एक्टिविटी

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में उदासीनता को दूर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वीप एक्टिविटी की जाए . जिससे अधिकाधिक संख्या में लोगों को जागरूक कर उन्हें मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया जा सकें . सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों में क्विज प्रतियोगिता, पेंटिंग, बैज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं अन्य जागरुकता गतिविधियों के अलावा बैग की बैठक, वीएएफ बैठक की वीडियो, क्षेत्रीय भाषा में जागरूकता, मतदाता प्रतिज्ञा आदि कार्यक्रमों को संचालित कर सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हैशटैग के साथ अपलोड करें .

ब्रीफ खबरें

मारपीट में जख्मी की इलाज के दौरान मौत

धनसार। धनसार थाना क्षेत्र के गजुवाटाड़ में 17 अप्रैल को हुए मारपीट में घायल मकेश्वर यादव की मौत शुक्रवार की अहले सुबह एसएनएमएमसीएच धनबाद में हो गई. मकेश्वर के मौत के बाद उसके परिवार वालों में काफी गुस्सा देखा जा रहा है. बताते चलें कि 17 अप्रैल की देर रात दो परिवार के बीच जमकर मारपीट हो गई. इस दौरान जमकर लाठी डंडे व रॉड का प्रयोग हुआ था. मारपीट में एक पक्ष के मकेश्वर यादव, उमेश यादव, छोटू यादव,सुमित यादव का सिर फट गया था.

बरमसिया में ट्रेन से कटकर युवक की मौत

धनबाद । हावड़ा-नई दिल्ली रेलखंड पर बरमसिया रेलवे फाटक के समीप शुक्रवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. वारदात के बाद युवक का शव देखकर स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी रेल पुलिस को दी. किस ट्रेन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत हुई है, इसका सटिक पता नहीं चल सका.रे ल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.बताया जा रहा है कि युवक मनइटार्ड इलाके का रहने वाला था.

13 को बाघमारा में प्रियंका की चुनावी सभा

कतरास। झारखंड में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी 13 मई को बाघमारा पहुंचेगी. वह बाघमारा के माथाबांध में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी.उनके साथ कांग्रेस, झामुमो, राजद सहित अन्य सहयोगी दल के नेता मंच साझा करेंगे.उक्त जानकारी कांग्रेस झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने दी. गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो, धनबाद लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह चुनावी मैदान में हैं.

बीसीसीएल कर्मी की ड्यूटी के दौरान मौत

बरोरा। बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के एएमपी कोलियरी में कार्यरत ऑटो इलेक्ट्रिशियन छोटू बढ़ई (55 वर्ष) शुक्रवार को द्वितीय पाली में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गयी. घटना के बाद संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने मृतक के आश्रित पुत्र को तत्काल प्रोविजनल नियोजन देने की मांग को लेकर प्रबंधन के साथ वार्ता की. जिसमें मृतक की पत्नी मुन्नी देवी के आग्रह पर बड़े पुत्र अमित शर्मा को तत्काल प्रोविजनल नियोजन दिया गया.

75 हजार रुपये रिश्वत लेने का मामला

इसीएल एजेंट पर दर्ज होगा आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा

संवाददाता। धनबाद

ईसीएल की मुगमा ग्रुप की हरियाजाम कोलियरी के जनरल मजदूर संजीव कुमार से 75 हजार रुपये रिश्वत लेने में सीबीआई के हाथों दबोचे गए ईसीएल एजेंट रामप्रकाश पांडेय से पूछताछ जारी है. सीबीआई सूत्रों की मानें तो पूछताछ के आधार पर मिले सुराग से उनकी संपत्ति का ब्योरा निकाला जा रहा है. जांच एजेंसी के हाथ लगे दस्तावेजों के आधार पर कहा जा रहा है कि उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज हो सकता है. सीबीआई ने उसे दो दिनों के रिमांड पर लिया है. रिमांड पर हो रही पूछताछ में ही एजेंट ने अपनी कई संपत्तियों के राज उगल दिए हैं. बताते चलें कि जनरल मजदूर संजीव कुमार 2011 में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. इलाज के बाद जान तो बची लेकिन पचास प्रतिशत तक विकलांग हो गए. कई सालों तक उन्होंने ऐसी ही हालत में कोलियरी के अंडरग्राउंड में काम किया, लेकिन जब उन्हें ज्यादा परेशानी होने लगी उन्होंने सरफेस पर ड्यूटी देने की मांग प्रबंधन से की. कई बार अनुरोध के बाद भी बात नहीं बनी तो सांसद पीएन सिंह का सहारा लिया और फिर इसीएल के सीएमडी को भी पत्र दिया था. इसके बाद उसे सरफेस पर ड्यूटी देने संबंधी पत्र तो दिया गया, लेकिन ड्यूटी नहीं दी जा रही थी. इसके एवज में उनसे एजेंट ने 75 हजार की रिश्वत मांगी थी. तब संजीव ने सीबीआई से शिकायत की और फिर सीबीआई ने एजेंट को रंगेहाथ दबोच लिया. इसके बाद जांच एजेंसी ने उसके आवास में छानबीन की तो संपत्ति संबंधी कई दस्तावेज बरामद हुए थे. तब सीबीआई ने कोर्ट से एजेंट को दो दिनों की रिमांड पर लिया था.

खास बातें

- एजेंट की कई संपत्तियों का जांच एजेंसी को मिला सुराग
- दो दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है सीबीआई

कोयला स्टॉक की जांच के लिए पहुंची विजलेंस टीम

तीसरा । कोयला स्टाक की जांच को लेकर विजिलेंस की टीम ने शुक्रवार को लोदना क्षेत्र के कई जगहों औचक निरीक्षण कर स्टॉक की जांच की. टीम के पहुंचने की खबर से सभी अधिकारी से लेकर कर्मी अलर्ट हो गए.टीम ने जीनागोरा कांटा, 9 नम्बर साइडिंग, एंटी एसटी कोयला डीपो और 9 नम्बर साइडिंग कांटा, जहां कुजामा के कोयला का कांटा किया जा रहा है और डिस्पैच की छानबीन की. विजिलेंस की टीम के आने के खबर से सभी सुबह से अलर्ट थे. टीम सभी जगहों पर खाता बही में कोयले से संबंधित आंकड़े को देखी और जानकारी ली.

टीम ने स्कैनर मशीन द्वारा स्टॉक की जांच की गई. विजिलेंस की 7 सदस्यीय टीम मामले की जांच कर रही थी जबकि बिजलेंस अधिकारी

और स्थानीय प्रबंधन का कहना है कि रूटीन वर्क के तहत विजिलेंस टीम कोयला मापी का काम किया जा रहा है. कोयला कितना स्टॉक है या कितना डिस्पैच हुआ है अभी यह बताना संभव नहीं है. वहां उपस्थित एनटीएसटी जीनागोड़ा के पीओ एसके सिंहा से कोयला डीपो में कोयले का स्टॉक और डिस्पैच के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अभी कुछ भी बताना संभव नहीं है.मापी का कार्य चल रहा है, इसमें समय लगता है !

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोयला डिपो और 9 नम्बर साइडिंग में विभागीय स्टाक लगभग 2 लाख टन कोयले का है. इसी की जांच के लिए टीम आई हुई थी कि अब तक कितने कोयले का डिस्पैच हुआ है.

कोर्ट की खबरें

नीरज हत्याकांड : चंदन ने आवेदन देकर कहा,देंगे हाईकोर्ट में चुनौती

संवाददाता। धनबाद

पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या के आरोप में जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को स्वास्थ्य खराब रहने के कारण पेश नहीं किया जा सका. वहीं धनजी सिंह,डब्लू मिश्रा,संजय सिंह, पींटू सिंह , शूटर शिबू उर्फ सागर , सोनू उर्फ कुर्बान ,सतीश उर्फ रोहित उर्फ चंदन एवं मास्टरमाइंड पंकज सिंह को जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीसी अवस्थी की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया. सुनवाई के दौरान चंदन सिंह की ओर से आवेदन देकर कहा गया कि वह इस अदालत के 16 मार्च 24 के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे. लिहाजा उन्हें समय दिया जाए. गत 29 फरवरी 24 को सतीश उर्फ चंदन की ओर से आवेदन देकर कहा गया था कि राम आह्लाद राय के घर से पुलिस ने कुछ प्लेट, बल्ब व बर्तन बरामद किए थे. उसका फिंगरप्रिंट लिया था इसलिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को गवाही के लिए अदालत में बुलाया जाए.

ऐसे हुई थी हत्या

21 मार्च 17 के संध्या 7 बजे नीरज सिंह अपने फॉच्यूनर कार जेएच10एआर-4500 से सरायढ़ेला स्थित अपने आवास रघुकुल लौट रहे थे . वह ड्राइवर के साथ आगे सीट पर बैठे थे . पीछे की सीट पर उनका सहायक सरायढ़ेला न्यू कॉलोनी निवासी अशोक यादव और दो निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी बैठे थे . स्टील गेट के पास बने स्पीड ब्रेकर पर नीरज की गाड़ी की रफ्तार कम होते ही दो बाइक पर सवार कम से कम चार हमलावरों ने उनकी कार पर गोलियों की बरसात कर हत्या कर दी थी .

महेंद्र हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद । माले विधायक महेंद्र सिंह हत्याकांड के आरोप में जेल में बंद हार्डकोर नक्सली रमेश दा ऊर्फ साकिम दा को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक की अदालत में पेश किया गया.अदालत ने सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. उल्लेखनीय है कि छह फरवरी 05 को माले विधायक महेन्द्र सिंह कि हत्या बगोदर से सभा कर लौटते समय दुर्गीधवैया गांव के समीप मोटरसाईकिल सवार अपराधियों ने स्वचालित हथियार से गोली चलाकर कर दी थी. हत्या की गुत्थी सुलझाने का जिम्मा सीबीआई के स्पेशल क्राईम ब्रांच लखनऊ को सौंपी गई थी. जिसमें प्राथमिकी आरसी केस नंबर 07(एस) /05 (एल) दर्ज कर आरोप पत्र दायर किया था.

छेड़खानी के आरोप में दोषी करार,अपील के लिए समय

संवाददाता। धनबाद

नाबालिग लड़की का बाथरूम में नहाते समय वीडियो बनाने के आरोपी तेलीपाड़ा निवासी रविंद्र मरांडी को अदालत ने शुक्रवार को दोषी करार दिया है. पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने अभियुक्त रविंद्र मरांडी को अपील के लिए एक माह के जमानत पर मुक्त करने का निर्देश दिया है.अभियुक्त के खिलाफ धनबाद थाना में पीड़िता के पिता द्वारा 17 अगस्त 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. प्राथमिकी में कहा गया था कि उसकी नाबालिग लड़की घर के बाथरूम में नहा रही थी. उसी समय पड़ोस का रविंद्र मरांडी वेंटीलेटर के माध्यम से मोबाइल फोन से वीडियो बना रहा था.

अचानक लड़की की नजर उस पर पड़ी तो लड़की ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और पुलिस को सौंप दिया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 16 अक्टूबर 2023 को अभियुक्त के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था. अदालत ने 20 अक्टूबर 2023 को आरोप का गठन कर अभियोजन साक्ष्य चलने का निर्देश दिया.अभियोजन पक्ष द्वारा कुल पांच गवाहों की गवाही कराई गई थी.

मैथन में माफिया बिना अनुमति करा रहे बालू का उठाव

पुलिस पर लगा मिलीभगत का आरोप

संवाददाता। निरसा

एग्यारकुंड प्रखंड के कालीपहाड़ी पूरब पंचायत क्षेत्र के घाटों से प्रशासन से अनुमति लिये बिना माफिया बालू का उठाव करा रहे हैं. पोड़ाडीहा बालू घाट से रोजाना सुबह व रात में दर्जनों ट्रैक्टर बालू का उठाव किया जा रहा है. पंचायत के मुखिया अजय मुर्मू ने कहा कि बालू माफिया को मैथन पुलिस का संरक्षण प्राप्त है. पोड़ाडीहा घाट से बालू लेकर ट्रैक्टर दिन के उजाले में बेरोक-टोक आना-जाना करते हैं. पुलिस देखकर भी आंखें बंद कर लेती है. इससे सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि इस संबंध में एग्यारकुंड सीओ से शिकायत की जाएगी.

सिंडिकेट के जरिए होता है खेल

इधर, मैथन ओपी प्रभारी ने मुखिया के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस अवैध बालू के धंधे के खिलाफ लागातार अभियान चला रही है. अवैध बालू लोड ट्रैक्टरों को पकड़कर उन पर कार्रवाई की जा रही है. ओपी प्रभारी ने कहा कि पहले ऐसी सूचना मिल रही थी कि मुखिया प्रति ट्रैक्टर 250 जानकारी के मुताबिक, मैथन ओपी क्षेत्र के पोड़ाडीहा बालू घाट से बालू का उठाव दिनदहाड़े धड़ल्ले से हो रहा है . एक सिंडिकेट के जरिए यह धंधा किया जा रहा है . बालू माफिया प्रति ट्रैक्टर 3500 रुपए की दर से बालू बेच रहे हैं . घाट से रोजाना 25 से 30 ट्रैक्टर बालू का उठाव हो रहा, जिससे सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है .

रुपए लेकर बालू का उठाव करवा रहे हैं, जिसे बंद कर दिया गया है. इसके बाद भी यदि घाट से अवैध तरीके से बालू का उठाव हो रहा है तो उसे बंद किया जाएगा.

निर्वाचन पदाधिकारी ने शुरू किया हेल्पलाइन नंबर

धनबाद। लोकसभा चुनाव के सफल संचालन के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सामान्य जन के चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार के शिकायतों के समाधान के लिए 24 घंटे कार्यरत राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है. चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत एवं जानकारी के लिए वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 तथा राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 1800 331 1950 टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया जा सकता है.इसके अलावा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष धनबाद के दूरभाष संख्या 03262 222 045 पर भी संपर्क किया जा सकता है. निर्वाचन व्यय संबंधी अन्य शिकायत एवं जानकारी के लिए उपरोक्त दूरभाष नंबरों का आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है.

मासस ही धनबाद का विकल्प है : जगदीश रवानी

संवादजदाता। धनबाद

मार्क्सवादी समन्वय समिति की एक बैठक अग्रसेन भवन, टेंपल रोड, पुराना बाजार में संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता मासस जिला अध्यक्ष बिंद्रा पासवान ने की एवं संचालक सुभाष चटर्जी ने किया. मासस प्रत्याशी जगदीश रवानी ने कहा कि धनबाद संसदीय क्षेत्र के पिछले सांसद लंबे समय से सिर्फ जनता को गुमराह करते रहें हैं, अब नए प्रत्याशी जुमले के साथ-साथ युवाओं को भटकाने का हथकंडा अपना रहे हैं. धनबाद की जनता समझ चुकी है कि मासस ही धनबाद का विकल्प है.

बैठक में मुख्य रूप से मासस केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व विधायक अरूप चटर्जी, मासस धनबाद लोकसभा प्रत्याशी जगदीश रवानी, मासस केंद्रीय सचिव बबलू महतो उपस्थित थे. बैठक में 13 मई को कलियासोल, 15 मई को बरवड्डा, बड़ा जमुवा, 16 मई को चास एंव बोकारो, 17 मई को गोविंदपुर बाजार एवं निरसा, 18 मई को पुटकी, 19 मई को चंदनक्यारी, 20 मई को नुनूडीह, झरिया, 21 मई को निरसा से चिरकुंडा रैली एवं आम सभा, 22 मई को बलियापुर में विशाल आम सभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया.

सुदामडीह कोल वाशरी में आग से मचा हड़कंप

जोड़ापोखर । सुदामडीह की बंद कोल वाशरी में शाफ्ट माइंस के निकट झाड़ियों में शुक्रवार को अचानक आग लग गई. आचनक आग लगने से वाशरी में हड़कंप मच गया. अगलगी की घटना में लाखों का रिजेक्ट कन्वेयर बेल्ट और वाशरी के कई पेड़ जलकर राख हो गए. झाड़ियों में आग की लपटें देख कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई. कर्मियों ने आग बुझाने के लिए बीसीसीएल का पानी टैंकर मंगवाया परन्तु इससे आग पर काबू नहीं पाया जा सका. फिर झरिया एवं सिंदरी के अग्निशामक विभाग की दो गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने के काम में जुट गई. घंटों मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया. खबर पाकर मौके पर भारी संख्या में बीसीसीएल कर्मी व सीआईएसएफ के जवान तैनात रहे.

चुनाव आसनसोल लोकसभा प्रत्याशी के समर्थन में भाजपा लीगल सेल की बैठक

अहलूवालिया के समर्थन में सात को मोदी की सभा

संवाददाता। आसनसोल

आसनसोल जिला भाजपा लीगल सेल की ओर से कोर्ट मोड़ स्थित निर्वाचन कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सात मई को आसनसोल लोकसभा प्रत्याशी के समर्थन में होने वाली चुनावी सभा को लेकर अहम बैठक की गई. इस बैठक में आसनसोल लोकसभा के सात विधानसभा में आसनसोल भाजपा लीगल सेल के महिला पुरुष सभी आसनसोल जिला कोर्ट के अधिवक्ता उपस्थित थे. इस दौरान आसनसोल भाजपा लीगल सेल के कन्वेनर बाबू घटक ने कहा कि चुनाव में लीगल सेल भाजपा कर्मियों

के साथ हाथ मिलाकर कार्य कर रहे हैं. हमारे आसनसोल लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी सह अधिवक्ता एस एस अहलूवालिया के समर्थन में थाने के हिसाब से चुनाव में लीगल सेल कार्य करेगा. आसनसोल जिला भाजपा लीगल सेल के को कन्वेनर विनोद सिंह सोलंकी ने कहा कि आसनसोल लोकसभा भाजपा प्रत्याशी एसएस अहलूवालिया को आसनसोल सीट से जीताना है.

भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सात मई को होने वाली सभा के लिए कानूनी रूप से चुनाव आयोग को आवेदन देना है. इस दौरान महिला अधिवक्ता बरणाली घटक, सपना मंडल, रीना बेनर्जी,पूजा संघका, सरिता चौहान सुजीत (घोखन) मुखर्जी, सुबोध बावरी,अधिवक्ता अनिमेष सिंह, गौतम दास, प्रमोद भक्त, अभिताभ बनर्जी रमाकांत गिरी, बीरेंद्र सिंह, ओकरा सरण शर्मा, सुमन चक्रवती के साथ काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे. भाजपा जिला लीगल सेल के इस महत्वपूर्ण बैठक में आसनसोल भाजपा संगठनिक जिला के सहायक मीडिया प्रभारी सह कुल्टी विधानसभा के उपाध्यक्ष टिंकु वर्मा जी उपस्थित थे.

खास बातें

- अहलूवालिया के समर्थन में जुटे पार्टी के नेता व कार्यकर्ता
- चुनावी सभा के लिए आयोग से अनुमति ली जाएगी

कोलियरी से ड्यूटी से नदारद मिले 20 कर्मी

कतरास (तेतुलमारी)। बीसीसीएल एरिया चार के एके डब्लू एमसी में कर्मियों के हाजिरी बनाकर नदारत रहने पर अधिकारियों के चार सदस्य टीम ने करीब बीस कर्मियों की हाजरी पर रोक लगा दी.अचानक हुए इस कार्रवाई से कंपनी कर्मियों में खलबली मच गई . बताया जाता है कि एके डब्लू एमसीसी के परियोजना पदाधिकारी सतेन्द्र सिंह को सूचना मिली कि कुछ कर्मी हाजिरी बनाकर ड्यूटी से गायब रहते हैं. सूचना के आलोक पर परियोजना पदाधिकारी ने चार सदस्यीय टीम गठित की. टीम में कार्मिक प्रबंधक विवेक पोदियार, सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार, मैनेजर प्रेम कुमार शामिल थे. जांच पड़ताल के दौरान टीम एके डब्लू एमसी के केलशपुर कोलियरी में दबिश दी जहां 13 कर्मी हाजिरी बनाकर गायब मिले.

एनडीए ने अपनी घोषणाओं को पूरा किया : चंद्र प्रकाश चौधरी

संवाददाता। तेतुलमारी

लोकसभा चुनाव में एनडीए समर्थित आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी को विजय बनाने को लेकर पार्टी पदाधिकारियों ने सिटी हट फैमिली रेस्टुरेंट गंडुवा में बैठक आयोजित की. चंद्र प्रकाश चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए ने जिन बातों की घोषणा की गई थी. वह पूरा हुआ और इसका फायदा लोगों को सीधे तौर पर मिला है. विकास को लेकर हम कृसंकल्पित हैं. यह चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में देश भर में राष्ट्रहित के मुद्दों पर लड़ा जा रहा है. जिसमें एक एक कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है.

बैठक में आजसू पार्टी के टुंडी विधान सभा अंतर्गत राजगंज मंडल के रंगुनी पंचायत , बौआ कला (दक्षिण), बौआ कला (उत्तर), मोहलीडीह, नगरी कला (दक्षिण), नगरी कला (उत्तर) ,छोटा नगरी तथा नगर निगम वार्ड संख्या 5 के अंतर्गत सभी केंद्रीय पदाधिकारी ,जिला पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी , पंचायत पदाधिकारी , पंचायत प्रभारी मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

गावां में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

गावां (गिरिडीह)। गावां सीओ अविनाश रंजन ने अवैध बालू उठाव के खिलाफ छापामारी करते हुए एक बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर गावां थाना को सौंप दिया. गावां सकरी नदी से अवैध बालू उठाव कर तीसरी प्रखंड की ओर जा रहा था. इस दौरान गस्ती पर निकले सीओ ने वाहन को जब्त कर लिया. जबकि चालक मौके से फरार हो गया. सीओ ने कहा कि अवैध रूप से बालू का उठाव नहीं होने दिया जाएगा.

इंडी गठबंधन के पक्ष में मतदान की अपील

गावां (गिरिडीह)। पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने शुक्रवार को गावां बाजार, माल्डा, पटना आदि स्थानों का दौरा कर लोगों से मिले और इंडी गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की. उन्होंने कहा कि गठबंधन से बिनोद सिंह को उम्मीदवार बनाया गया एक विधायक के रूप में इनका प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है. वे सदैव क्षेत्र की आवाज को बुलंद करते रहे हैं. इनके सांसद बनने से क्षेत्र का पूर्ण विकास होगा. वहीं भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा. मौके कन्हाइ राम, नागेश्वर यादव, उमेश चौधरी, रंजीत राम, उमेश चौधरी, प्रदीप यादव, जित्तू राम, राजेश राम, लोहा सिंह समेत दर्जनों महिला पुरुष मौजूद थे.

केंद्र तक पहुंचने के लिए वाहन टैग का निर्देश

साहिबगंज। शुक्रवार को नोडल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णुदेव कच्छप के नेतृत्व में वाहन कोषांग कार्यालय कक्ष में बैठक की गई. जिसमें दुर्गम क्षेत्र के मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए वाहन का टैगिंग तथा मतदान केंद्रों में ई–रिक्शा को टैग करने के लिए संबंधित बीएलओ से समन्वय बनाकर के स्थानीय स्तर पर टैग करने का निर्देश दिया गया. साथ ही सभी दुर्गम क्षेत्रों पर मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए वैसे वाहनों को टैग करने का निर्देश दिया गया, जहां बड़ी गाडियां नहीं पहुंच सकती है. इन मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए मोटर नाव को टैग करने का भी निर्देश दिया गया.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

महागामा। सड़क दुर्घटना में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई. घटना महगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत नूनाजोर बसंतराय मुख्य मार्ग की है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नूनाजोर के विक्की यादव (30) बीते गुरुवार की रात चौक से अपने घर की ओर आ रहा था. इसी क्रम में पुरानी पंचायत भवन के समीप अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया. वाहन के धक्के से घायल व्यक्ति सड़क के किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा. शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की नजर पड़ी तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी. घटना की सूचना परिजनों को मिलने के बाद काफी संख्या में आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए.

महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा

मधुबन। बांसजोड़ा पंचायत के गणेशपूर में शुक्रवार को बांसजोड़ा उत्थान समीति के सदस्यों द्वारा पांच दिवसीय श्री श्री रुद्रचंडी महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई. जिसमें हजारों श्रृद्धालु सम्मलित हुए. श्रीश्री रुद्रचण्डी यज्ञ गणेशपूर स्थित काली मंदिर प्रांगण में किया जा रहा है. जिसके वैदिक आचार्य श्री चंडी पांडे हैं. मंदिर के बारे में बताया गया कि यह मंदिर 70 से 80 वर्ष पुराना है. इस मंदिर का दो बार जीर्णोद्धार किया गया है.

आजसू नेता अर्जुन बैठा ने उठाया बगावत का झंडा

गांडेय से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरे चुनाव मैदान में

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

गांडेय में एनडीए के घटक दल आजसू के केंद्रीय महासचिव अर्जुन बैठा बगावत का बिगुल फूंकते हुए चुनावी समर में उतर गए हैं. अर्जुन बैठा ने शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में गांडेय विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया है. जनकारी के अनुसार अर्जुन बैठा ने आजसू पार्टी की सदस्यता और केंद्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देकर चुनाव मैदान में निर्दलीय उतरे हैं. अर्जुन बैठा के चुनावी मैदान में उतरने से गांडेय का गणित बिगड़ गया और चुनाव काफी दिलचस्प बन गया है. देखना यह होगा कि अर्जुन बैठा चुनाव में क्या गुल खिलाते हैं. चुनाव में अर्जुन बैठा के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरने से गांडेय की राजनीति और गरमा गई है. चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है.

जिद पर अड़े थे : अर्जुन बैठा के समर्थक शुरू से ही अपने नेता को चुनावी मैदान में उतरने की जिद पर अड़े हुए थे. लगातार उनके समर्थकों द्वारा अर्जुन बैठा के चुनाव में उतरने के संकेत दिए जा रहे थे. दो तीन दिन पूर्व ही अर्जुन बैठा के संगठन के वॉट्सएप ग्रुप अर्जुन सेना महिला मोर्चा में तीन मई को अर्जुन बैठा के नामांकन करने का मैसेज पोस्ट किया गया था. मगर जब इस सम्बन्ध में शुभम संदेश के संवाददाता ने गुरुवार को अर्जुन बैठा से बात की थी. उन्होंने साफ इंकार कर दिया था और उस मैसेज को गलत बताया था. इधर गुरुवार को अर्जुन बैठा के रांची में होने की बात भी कही जा रही थी. सोशल मीडिया पर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के साथ अर्जुन बैठा और भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा की फोटो वायरल हो रही है. मगर रांची से लौटने के बाद शुक्रवार को अर्जुन बैठा ने बतौर प्रत्याशी नामांकन करा कर सबको चौंका दिया है. कहा जा रहा है कि रांची में मीटिंग सफल नहीं होने के बाद अर्जुन बैठा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन करवाया है.

'अर्जुन बैठा के चुनाव मैदान में आने से झामुमो को लाभ'

इधर अर्जुन बैठा के चुनाव मैदान में आने से झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन को लाभ होने की बात कही जा रही है. लोगों का कहना है कि चुनाव में अर्जुन बैठा जो वोट लायेंगे उससे भाजपा प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ेगा और कल्पना सोरेन के जीत की राह आसान बन जायेगी.

डीसी व दलों के प्रतिनिधियों ने वेयरहाउस का लिया जायजा

संवादाता। साहिबगंज

साहिबगंज के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी हेमंत सती के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का जायजा लिया. राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस को खोला गया. सभी ने बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट व वीवीपैट यूनिट का जायजा लिया. मौके पर अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, वन प्रमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार तिवारी, साहेबगंज एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार, राजमहल एसडीओ कपिल कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू व कांग्रेस, झामुमो, राजद, भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे. ज्ञात हो कि पिछले दिनों निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम, वीवीपैट का रेंडमाइजेशन हुआ था.

बेंगाबाद प्रखंड में जनसंपर्क अभियान चलाया

अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में साथ दें : कल्पना

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना मुर्मू सोरेन ने शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र के बेंगाबाद प्रखंड में जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने लोगों से अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में साथ देने की अपील की.

जनसंपर्क अभियान के क्रम में उन्होंने प्रखंड के बेंगाबाद, बड़कीटांड़, भलकुद्दर, लुप्पी, गोलगो पंचायत के दर्जनों गांवों का दौरा किया और चुनाव प्रचार किया. उनके समर्थकों ने जेल ताला टूटेगा हेमंत सोरेन छूटेगा का नारा जोरदार ढंग से बुलंद किया. मौके पर कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में लोगों से समर्थन की अपील की. कल्पना ने कहा कि झारखंड में लड़ाई तानाशाही ताकतों के खिलाफ है. देश की तानाशाही सरकार झारखंड के हक अधिकार को कुचलने का काम कर रही है. उन्होंने जनता से तानाशाही सरकार के खिलाफ गोलबंद होकर चुनाव में वोट करने की अपील की. मौके पर उन्होंने इंडिया गठबंधन के सभी दलों के कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा के साथ अपना दायित्व निभाने की अपील की. कल्पना सोरेन के दौरे में राज्यसभा सांसद डॉक्टर सरफराज अहमद, मंत्री हफीजूल हसन अंसारी, झामुमो नेत्री कर्मिला टुडू समेत गठबंधन दल के कई नेता और कार्यकर्ता साथ थे.

खास बातें

- कल्पना ने लोगों से समर्थन की अपील की
- जनसंपर्क अभियान में गठबंधन के नेता साथ थे

विनोद सिंह के लिए जन संपर्क अभियान

गिरिडीह। शुक्रवार को बेंगाबाद प्रखंड के बसमत्ता तथा मुंडराडीह में भाकपा माले ने जन संपर्क अभियान चलाकर कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया प्रत्याशी विनोद सिंह को जिताने की अपील की. अभियान की अगुवाई कर रहे माले नेता राजेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार देश के गरीबों के लिए अभिशाप बन चुकी है. मोदी सरकार आम जनता के लिए तबाही और कंपनियों के लिए खुशहाली लाने के लिए याद की जाएगी. इस सरकार ने देश के युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगा है. जनता मोदी सरकार को माफ नहीं करेगी. राजेश यादव ने लोगों से घर घर से सहयोग करते हुए इंडिया गठबंधन प्रत्याशी विनोद सिंह को वोट देने की अपील की.

देवीपुर में महागठबंधन ने बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक की

लिस्ट पांच दिन में जमा करने का निर्देश

संवाददाता। देवघर

देवीपुर प्रखंड के 17 पंचायत में गुरुवार की रात महागठबंधन ने पंचायत वार बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक की. इस बैठक में गठबंधन के सभी दलों को पांच दिनों के अंदर बूथ कमेटी का लिस्ट जमा करने का निर्देश दिया गया. एक बूथ में 20 लोगों को रखने की बात कही गयी. इस दौरान पंचायत के सभी कार्यकर्ताओं में अपने प्रत्याशी प्रदीप यादव के समर्थन में काफी जोश और उत्साह दिखाया. बैठक मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, मंत्री प्रतिनिधि समीर साहब, जेएमएम अध्यक्ष संजय शर्मा, कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, मीडिया प्रभारी प्रमोद यादव, जिला परिषद सदस्य पति मुकेश यादव, देवीपुर प्रखंड प्रमुख प्रमिला देवी, प्रखंड अध्यक्ष नरेश यादव, नागेंद्र कुशवाहा, 20 सूत्री के तेज नारायण वर्मा, मुखिया सुभाष, रामफल तुरी सहित काफी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- एक बूथ में 20 लोग होंगे शामिल
- पूर्व मंत्री सुरेश पासवान समीक्षा बैठक में हुए शामिल

निमियाघाट सड़क हादसे में महिला की मौत, तीन घायल

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

निमियाघाट थाना क्षेत्र के निमियाघाट स्टेशन सड़क के तलाब के समीप दो मई की देर शाम टहलने निकले एक ही परिवार के चार लोगों को टेम्पू ने जोरदार टक्कर मार दी. जिससे चारों गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को रेफरल अस्पताल लाया गया. जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गयी जबकि तीन को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया. टेम्पू चालक नशे में धुत था. जिसे लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि निमियाघाट निवासी चुटारी महतो की पत्नी शांति देवी, मालती कुमारी, पिता चुटारी महंतो,स्व सोनु महतो की पत्नी आरती देवी एवं पुत्र हिमांशु कुमार शाम को टहल रहे थे. इसी क्रम में नशे में धुत टेम्पू चालक अशोक तुरी अनियंत्रित होकर पैदल चल रहे लोगों को अपने चपेट में ले लिया. वहीं इलाज के दौरान शांति देवी की मौत रेफरल अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई, जबकि अन्य लोगों को धनबाद रेफर कर दिया गया है.

बोरिंग नहीं किए जाने से शोभा की वस्तु बन गई है पानी की टंकी

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड के सुदूर ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में जल एवं स्वच्छता मिशन के द्वारा टावर खड़ा कर पानी की टंकी लगाई गई है. लेकिन वहां बोरिंग नहीं किये जाने और मोटर नहीं लगाने के कारण पानी की टंकी शोभा की वस्तु बन गई है. प्रखंड के रेहा, हरदिया, कुरहा, राजोखार, गोबरदहा एवं गाढ़ीसांख समेत अन्य पंचायतों में यही स्थिति है. सुदूर क्षेत्रों में पेयजल के लिए लोग दर दर भटक रहे हैं. इन क्षेत्रों में पेयजल की भारी किल्लत के कारण लोग नदी में गड्ढे खोदकर या पहाड़ी जलस्रोत से अपने प्यास बुझा रहे हैं.क्षेत्र के नदी तालाब सूख चुके हैं. इन क्षेत्रों में पेयजल की किल्लत को देखते हुए विभागीय स्तर पर मिनी जलमीनार की स्वीकृति दी गई है. लेकिन संवेदक की मनमानी एवं लापरवाही के कारण इस योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है. इस मामले में जिप सदस्य पवन कुमार चौधरी ने कहा कि वरीय अधिकारियों को इस बाबत जानकारी दी गई है. यदि शीघ्र सभी जल मीनारों को चालू नहीं किया गया तो क्षेत्र की जनता उग्र प्रदर्शन करेगी.

जरुरी सेवा से जुड़े पदाधिकारी घोषणा पत्र समर्पित करें : डीसी

संवाददाता। गोड्डा

उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में पोस्टल बैलेट के माध्यम से होने वाले मतदान को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा- निर्देशों के तहत जिले में अब तक की गई तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई. इस दौरान कहा कि सभी जरुरी विभागों के वरीय पदाधिकारियों को घोषणा पत्र समर्पित करना है. बैठक में उपायुक्त ने एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी में आने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों का मतदान लोकसभा चुनाव के दौरान सुनिश्चित कराने को लेकर सभी अधिकारियों एवं कार्यालय प्रधानों को पोस्टल बैलट पेपर के माध्यम से वोटिंग करने से संबंधित निर्देश दिया. डीसी कमर पोस्टल बैलेट से मतदान करने वाले कर्मियों से प्रपत्र 12 डी की जानकारी ली एवं उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मी मतदान करने से वंचित नहीं रहे. कर्मी या तो पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करें या मतदान दिवस के दिन मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें. इसके लिए संबंधित विभाग के वरीय पदाधिकारी को इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

लोकसभा और गांडेय उप चुनाव को लेकर कंट्रोल रूम डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण

अधिकारियों को दिए गए दिशा-निर्देश

संवाददाता। गिरिडीह

लोकसभा आम निर्वाचन और गांडेय विधानसभा उप चुनाव को लेकर शुक्रवार को सामान्य प्रेषक आलोक कुमार सिंह ने जिला समाहरणालय में नाम निर्देशन की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इसके अलावा सामान्य प्रेक्षक सिंह ने बाजार समिति स्थित स्ट्रॉन्ग रूम व कृषि उत्पादन केंद्र, बाजार समिति में स्थापित डिस्पैच सेंटर तथा विवाह भवन में स्थित डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. निरीक्षण के क्रम में स्ट्रॉन्ग रूम तथा डिस्पैच सेंटर में प्रतिनियुक्त कर्मियों के द्वारा किया जा रहे कार्यों की जांच कर आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए गए.

दायित्वों के संबंध में विस्तार से चर्चा : इस दौरान संबंधित अधिकारियों व कर्मियों की कार्य प्रणाली व कार्य दायित्वों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई. इसी कड़ी में सामान्य प्रेक्षक द्वारा कंट्रोल रूम एवं सामग्री कोषांग का निरीक्षण कर लोकसभा चुनाव 2024 के लिए की जाने वाली तैयारी का जायजा लिया. साथ ही प्रभारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. कंट्रोल रूम में संधारित किए जा रहे रजिस्टर रिकॉर्ड का अवलोकन किया. मौके पर उप विकास आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी, संबंधित कोषांग के अधिकारी समेत निर्वाचन के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे.

कोडरमा में 20 तथा गिरिडीह में 25 मई को मतदान

विदित हो कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत कोडरमा में मतदान 20 मई तथा गिरिडीह में मतदान 25 मई को होना है. इसके साथ ही गांडेय विधानसभा उप चुनाव में मतदान तिथि 20 मई है. इसी के निमित्त सभी तैयारियां को सुदृढ़ किया जा रहा है. ताकि अधिकाधिक संख्या में मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक और प्रोत्साहित किया जा सकें.

जैविक खेती मिट्टी व पौधे के लिए अमृत समान : प्राचार्य

संवाददाता। कथारा

बेरमो प्रखंड के केबी कॉलेज में लगातार राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, यूनिट के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसी क्रम में शुक्रवार को कॉलेज के कैंपस के फलदार पौधे में गोबर खाद डालने की गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उक्त आयोजन प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में किया गया.कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार के द्वारा नेतृत्व किया गया.

प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा कि जैविक खाद मिट्टी और पौधे के लिए अमृत के समान है . प्रो गोपाल प्रजापति ने कहा कि जैविक खाद भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ाती है.

कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार ने कहा जैविक खेती एक पद्धति है. जिसमें रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों तथा खरपतवार नाशियों के स्थान पर जीवांश खाद , गोबर खाद, कंपोस्ट हरी खाद, जीवाणु कल्चर, जैविक खाद आदि जैव नाशियों बायो पेस्टीसाइड आदि का उपयोग किया जाता है. साथ ही स्वयं सेवकों ने पोस्टर, स्लोगन व भाषण के माध्यम से जैविक खेती पर संदेश दिया.

अभिभावकों के दबाव में विद्यालय का संचालन

इस संबंध में जब संत एथोंनी मध्य विद्यालय के प्राचार्य जेम्स से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभिभावकों के दबाव में विद्यालय का संचालन किया जा रहा है. इस दौरान उन्होंने मिडियाकर्मियों को संचालित कक्षा का फुटेज लेने से रोक दिया. साथ ही कैमरे के सामने खुद भी कुछ बोलने से इनकार कर दिया. वहीं गोलगो के ब्रिलिएंट पब्लिक हाई स्कूल में भी 8 वीं तक के बच्चों का पठन – पाठन जारी रहा.

आदेश की सूचना दी गई है

विदित हो कि अत्यधिक गर्मी व लू के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए झारखंड सरकार शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा 30 अप्रैल से राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक) व सभी निजी विद्यालय में केजी से आठवीं तक की कक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित की गई है.

प्रचंड गर्मी केजी से 8वीं तक की कक्षाएं अगले आदेश तक बंद करने का आदेश

सरकारी आदेश की अवहेलना कर रहे हैं कई विद्यालय

संवादाता। तिसरी (गिरिडीह)

झारखंड सरकार स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने प्रचण्ड गर्मी और लू से छात्रों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए केजी से 8वीं तक की कक्षाएं अगले आदेश तक बंद करने का आदेश जारी किया है. लेकिन सरकार के इस आदेश की अवहेलना कर कुछ निजी व सहायता प्राप्त विद्यालय मनमानी करने से भी परहेज नहीं कर रहें हैं.

मामला तिसरी प्रखंड के मनसाडीह पंचायत के संत एथोंनी मध्य विद्यालय तिलकीमारन और बेलवाना पंचायत के ब्रिलियंट पब्लिक हाई स्कूल गोलगो का है. इन दोनों विद्यालयों में सरकारी आदेश को ठेंगा दिखलाकर इस प्रचण्ड गर्मी में भी कक्षा 8वीं तक के बच्चों का पठन पाठन जारी रखा गया है. शुक्रवार की सुबह स्थानीय मीडियाकर्मी ने यूनिफॉर्म और बस्ते के साथ मनसाडीह मुख्य सड़क से गुजर रहे दर्जनों बच्चों को देखा. बच्चों से पूछने पर बताया गया कि वे सभी संत एथोंनी मध्य विद्यालय (मिशन) तिलकमारन जा रहें हैं. उनमें से कोई कक्षा 2,3 या कक्षा 5 के छात्र थे. कक्षा दो की छात्रा संगीता कुमारी ने बताया कि 10 बजे तक विद्यालय में पठन - पाठन का कार्य होता है. वहीं 5वीं कक्षा की छात्रा मैरी हेमब्रम ने बताया कि उनलोगों को छुटी नहीं मिली है.

अवैध शराब लेकर जा रहा युवक धराया,शराब की बोतलें बरामद

संवाददाता। गोड्डा

बाइक पर अवैध शराब की बोतल लादकर जा रहे युवक को पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया. घटना बीते रात्रि बलबड्डा थाना अंतर्गत छगराहा के पास की है. पुलिस को यह सूचना मिली कि बोरी में शराब की बोतल भरकर एक युवक बाइक से बिहार के सीमा की ओर जा रहा है. इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी राहुल कुमार चौबे ने अधीनस्थ पुलिस अधिकारी जवान एवं मजिस्ट्रेट को लेकर चिह्नित रास्ते पर चल पड़े. आगे जाकर यह देखा कि हीरो होंडा स्पेलेंडर बाइक पर पीछे बोरी बंधी हुई है. पुलिस ने बाइक चालक को रोकने का इशारा किया. मगर पुलिस को देखकर युवक तेजी से गाड़ी को भागने लगा. पुलिस द्वारा पीछा करने पर छगराहा के समीप जवानों ने पकड़ लिया. तलाशी लिए जाने पर बोरी में बंधे अंग्रेजी शराब की बोतल को बरामद की गई है. पूछताछ में युवक ने बताया कि इसे बिहार ले जा रहा था. पकड़ाए गए युवक की पहचान भागलपुर निवासी अरुण कुमार सिंह (30) के रुप में की गई है.

ब्रीफ खबरें

लड़की से छीना पर्स और मोबाइल फोन

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र के साकेत पुरी के पास अज्ञात अपराधी झपट्टा मार कर लड़की का पर्स और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गये. भुक्तभोगी प्रीति कुमारी है और साकेत पुरी में रहती है. इस संबंध में बताया कि बाजार से लौट रही थी. इसी बीच पीछे से दो मोटरसाइकिल सवार सामने आकर पर्स को झपट्टा मार कर लूट लिया. उसमें 1350 रुपये नगद और एक मोबाइल फोन था. घटना के बाद वह कोर्रा थाने में आवेदन दिया गया है.

47 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

कोडरमा स्टेशन पर गाड़ी संख्या 18626 के साधारण कोच से 47 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उत्पाद विभाग को सुपुर्द कर दिया गया. लोकसभा चुनाव को देखते हुए शुक्रवार को रेसुब पोस्ट के निरीक्षक प्रभारी जवाहर ने यह कार्रवाई की. व्यक्ति की पहचान निगम कुमार (18), पिता- सत्येंद्र चौधरी, प्राणपुर, तरवां, गया के रूप में की गई है. शराब की बोतलो में प्रत्येक की क्षमता 375 मिलीलीटर व कीमत 370 रुपये है.

दनुवा घाटी में 6 गाड़ियों में टक्कर, कई गंभीर

चौपारण। दनुवा घाटी में शुक्रवार को 8 घंटे के अंदर छह गाड़ियों में टक्कर होने से कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. करीब 11 बजे हथिया बाबा के आगे एक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया और पहले से पलटा हुआ कोयला गाड़ी में टक्कर मार कर फंस गया. उसी के आसपास चार गाड़ियों में टक्कर हो गयी. इसी बीच कंटेनर के पीछे आ रही एक छोटी गाड़ी आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से टक्कर मार दी और उसके पीछे से आ रहे ट्रक ने आगे छोटी गाड़ी को टक्कर मार दी.

चतरा में एक दर्जन आईईडी बरामद

चतरा। जिले के कुशमाहा जंगल से सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक दर्जन आईईडी बरामद किया. बम निरोधक दस्ते की टीम ने बरामद आईईडी को मौके पर नष्ट कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र स्थित कुशमाहा जंगल में सर्चिंग के दौरान सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने डेढ़-डेढ़ किलो के एक दर्जन आईईडी बरामद किया, जिसे बीडीएस की टीम ने मौके पर नष्ट कर दिया. इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी है.

दिवंगत सीसीएलकर्मी के घर में लूटपाट

रामगढ़। वेस्ट बोकारो थाना क्षेत्र के बड़गांव में अपराधियों ने हथियार के बल पर सीसीएल कर्मी को बंधक बना कर लाखों रुपये के जेवर सहित नकदी की लूट की घटना को अंजाम दिया. जानकारी के अनुसार लीला देवी अपने घर में अकेले थी तभी 10 से 12 की संख्या में आए अपराधियों ने घर का दरवाजा तोड़ दिया और हथियार के बल पर लीला देवी को अपने कब्जे में ले लिया और घर में लूटपाट की. इस दौरान घर के एक-एक सामान को तोड़ फोड़ दिया.

महिला से पर्स, चेन और अंगूठी की ठगी

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र के देवांगन चौक के समीप गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक महिला से उसके पर्स सोने का चेन और अंगूठी ठग लिया. इस संबंध में महिला के पति कृष्ण देव किशन ने लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है. आवेदन के अनुसार गुरुवार 6:30 बजे देवांगन चौक के समय पर स्थित आदित्य विजन के पास उनकी पत्नी पहुंची, जहां पर घटना को अंजाम दिया गया.

हजारीबाग लोकसभा सीट पर मुकाबला कड़ा, लेकिन इंडिया गठबंधन के लिए एनडीए के वोट बैंक में सेंध लगाना आसान नहीं

नामांकन के साथ ही बढ़ा चुनावी तापमान, सभी कर रहे जीत का दावा

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का चुनावी तापमान नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही बढ़ गया है. प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये दिन-रात पसीना बहा रहे हैं. किसके सिर पर ताज सजेगा इसका पता तो 4 जून को ही चलेगा, लेकिन सभी उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. राजग समर्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी मनीष जायसवाल और इंडिया गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश भाई पटेल ने एक ही दिन बुधवार को अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस मौके पर दोनों प्रत्याशियों की ओर से आयोजित जनसभाओं में भारी संख्या में लोग शामिल हुये. दोनों ओर से शक्ति प्रदर्शन किया गया और इसमें एक दूसरे को पीछे छोड़ने का दावा किया गया.

मनीष को वोट मांगने की जरूरत नहीं : भाजपा के नामांकन के वक्त आए लोगों ने बताया कि भाजपा के लाखों समर्थक बिन बुलाए झंडा लेकर आए हैं. ये मनीष जायसवाल को नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्थन देने आए हैं. लोगों ने बताया कि मोदी देश का पहला प्रधानमंत्री है जो आम जनता के लिए काम करते हैं. वह बिन मांगे गैस सिलेंडर, चूल्हा, शौचालय, नल जल योजना, प्रधानमंत्री आवास, सड़क, बिजली के अलावे कई अन्य सुविधाएं दे रहे हैं. वहीं मनीष भी अपने क्षेत्र में काम कर रहे हैं. समर्थकों ने बताया कि अगर आज उनके जैसा नेता पूरे देश में हो तो अमीर व गरीब का भेदभाव खत्म हो जाएगा. वह विकास पर विश्वास करते हैं. इसलिए हम मनीष के समर्थन में कड़ी धूप में आए हैं. ऐसे लोगों को वोट मांगने की जरूरत नहीं, बल्कि उन्हें वोट के साथ सहयोग की जरूरत है.

'जेपी पटेल ने खूब विकास किया, जीत सुनिश्चित'

वहीं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी प्रत्याशी जेपी पटेल के नामांकन के वक्त भी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे. उनके समर्थक मुन्ना सिंह, अंबा प्रसाद के अलावा कई समाजसेवी मौजूद रहे. नामांकन में शामिल समर्थकों ने बताया कि पटेल खानदानी आदमी है. वह पिता के नाम से जाने जाते हैं. उन्होंने भी क्षेत्र में खूब विकास किया है. ऐसे नेता को लोगों के बीच आना चाहिए था. इनकी जीत निश्चित है. नामांकन में कई पार्टियों के लोग शामिल थे और सभी पटेल को मदद कर रहे हैं. वहीं कई समर्थकों ने कहा कि वे मुन्ना सिंह के समर्थन में आए हैं, क्योंकि यह चुनाव मुन्ना सिंह लड़ रहे हैं. दरअसल उन्हें यह नहीं पता था कि लोकसभा चुनाव जीपी पटेल लड़ रहे हैं या मुन्ना सिंह. कई लोग तो अंबा प्रसाद को ही अपना उम्मीदवार मान रहे थे और पटेल का नाम तक उन्हें नहीं पता था. हालांकि जीत किसकी होगी यह तो जानता ही तय करेगी लेकिन इंडिया गठबंधन के लिए चुनौती आसान नहीं है, क्योंकि कम्युनिस्ट पार्टी भी अपना उम्मीदवार मैदान में उतर चुका है, जो कुशवाहा व मुस्लिम समाज के वोट पर दावा कर रहा है. वहीं समाजवादी पार्टी भी उम्मीदवार मैदान में उतार रही है और वह भी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वोट पर दावा कर रही है.

कुल 19 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

बता दें कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा से मनीष जायसवाल और इंडिया गठबंधन से जीपी पटेल के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी संजय कुमार मेहता, झारखंड पार्टी के राजकुमार कुशवाहा, श्याम बिहारी प्रजापति निर्दलीय, कुंज बिहारी निर्दलीय, निशांत कुमार सिंह पीपुल्स पार्टी, अनिरुद्ध कुमार कम्युनिस्ट पार्टी, शशि भूषण केसरी निर्दलीय, मोहम्मद मोइनुद्दीन बहुजन समाज पार्टी, मोहम्मद सिराज निर्दलीय सहित कुल 19 प्रत्याशी चनाव मैदान में हैं और सभी अपनी-अपनी जाति के वोट पर दावा कर रहे हैं.

इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी ने एक दिन में किया दर्जनों पंचायतों का दौरा

नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश के साथ छल किया: जेपी पटेल

संवाददाता। हज़ारीबाग़

लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है. शुक्रवार को उन्होंने कटकमदाग प्रखंड की अंतर्गत दर्जनों पंचायत का दौरा किया. इस दौरान डोर टू डोर कैंपेन कर लोगों के बीच कांग्रेस के न्याय पत्र के बारे में बताया. जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश के साथ छल किया है. झूठे वादे कर जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है. उन्होंने देश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जवान, किसान, युवा, महिला सभी आज परेशान हैं. जवान अग्निवीर योजना से, किसान एमएसपी नीति से, युवा बेरोजगारी से और महिला सुरक्षा कारणों से. भारत का हर वर्ग इस सरकार से परेशान है. उन्होंने कांग्रेस के मैनिफेस्टो के बारे में लोगों को बताते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार आते ही सबसे पहले इन समस्याओं का समाधान कर देश के साथ न्याय किया जाएगा. महिला आरक्षण, पहली नौकरी पक्की, अग्निवीर योजना की समाप्ति और एमएसपी की गारंटी सुनिश्चित की जायेगी.

आमजन का मिल रहा ज़ोरदार समर्थन : प्रचंड गर्मी और चिलचिलाती धूप में भी जय प्रकाश भाई पटेल को अपना समर्थन देने लोग अपने घरों से बाहर निकल आए. कोई उन्हें पानी पिला रहा था तो कोई गले लगाकर आशीर्वाद देते नजर आया. जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह, राजद जिला अध्यक्ष चरका यादव, रेणु देवी, पूर्व मुखिया उदय साव, कोमल कुमारी, सुखदेव प्रसाद, बालेश्वर महतो, रंजीत यादव, विक्की धान, उपेंद्र यादव, जयकुमार महतो, नीरज यादव, मो. अजहर आदि उपस्थित रहे.

जेपी पटेल को मिल रहा हर जाति-समुदाय का भरपूर सहयोग : अंबा

केरेडारी। क्षेत्रीय विधायक अंबा प्रसाद ने यहां आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विस्थापितों के हक, अधिकार को बचाना है तो महागठबंधन प्रत्याशी को जीत दिलाना होगी. उन्होंने कहा कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में जयप्रकाश भाई पटेल को हर जाति, समुदाय का भरपूर सहयोग मिल रहा है, आने वाली 20 मई को एकजुटता का परिचय देते हुए हाथ छाप का बटन दबाकर लोकसभा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को विजय बनाना है. वहीं महागठबंधन के सहयोगी माले नेता पैरु प्रताप ने अनुशासन में रहकर जनसंपर्क अभियान चलाने की बात कही. झामुमो नेता विनेश पासवान ने कहा कि महागठबंधन प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसका निर्वहन ईमानदारी से करूंगा. वहीं प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने महागठबंधन के घटक दलों से जनसंपर्क अभियान में शामिल होने का आह्वान किया. रविंद्र गुप्ता ने बताया कि रविवार को सुबह 6:30 बजे से प्रखंड के राजाबागी से जनसंपर्क अभियान की शुरुआत होगी जो देवरिया, बारियातू, कंडाबेर, बेलतू, हेवई, मनातू, पांडू, बेगबरी, चट्टी बरियातू, पचड़ा, किचटो, बचरा उतरी, पताल, बुंडू, सलगा, पेटो, करौली, केरेडारी गरीकला में समाप्त होगी. विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव ने महिलाओं की बढ़ चढ़कर हिस्सेदारी की बात कही.

पटेल को विजयी बनाने की रणनीति पर हुई चर्चा : इससे पहले हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल रविवार को प्रस्तावित केरेडारी एवं पिपरवार के दौरे को लेकर केरेडारी में महागठबंधन के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. इसमें मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक अंबा प्रसाद मौजूद रहीं.

पति मनीष जायसवाल के पक्ष में प्रचार में उतरीं निशा जायसवाल

- बहन लूना और देवरानी ट्विंकल ने भी झोंकी ताकत

संवाददाता। हजारीबाग

हाजरीबाग लोकसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार मनीष जायसवाल के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए उनकी धर्मपत्नी निशा जायसवाल मैदान में उतर गई हैं. निशा जायसवाल ने गुरुवार को बरही और चौपारण क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया तो शुक्रवार को जायसवाल की बहन लूना जायसवाल और देवरानी ट्विंकल जायसवाल के साथ मांडू विधानसभा क्षेत्र के विष्णुगढ़ प्रखंड के कई इलाकों का भ्रमण कर नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदाताओं तक पहुंच बनाई. निशा जायसवाल के साथ बड़ी संख्या में चल रही महिलाएं अनोखे तरीके से मतदाताओं को जागरूक भी कर रही हैं ताकि मतदान का प्रतिशत भी बढ़ाया जा सके. भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणुका साहू के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा की नेत्रियों संग निशा जायसवाल ने विष्णुगढ़ स्थित अखाड़ा चौक, कशेरा मुहल्ला, बनासो चौक, कुसुम्भा और भूताही मुरगाओ में नुक्कड़ नाटक कराया और आसपास के मतदाताओं से संपर्क साधा. उनके साथ विशेषरूप से भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणुका साहू, भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री सत्यभामा जिला मंत्री मनोरमा राणा, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रानी शुक्ला, कंचन शर्मा, इंदु देवी और विष्णुगढ़ पश्चिम की मंडल अध्यक्ष अंजू देवी सहित निशा जायसवाल की सहेली रूपा सिंह, रीना गुप्ता, मीता अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, दिप्ती अग्रवाल, मेघा अग्रवाल आदि शामिल रही.

फांसी लगाकर 22 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

हजारीबाग। मुफ़सिल थाना क्षेत्र के मासी पीढ़ी निवासी 22 वर्षीय हैप्पी कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. बताया जा रहा है कि युवक एक युवती से प्यार करता था. इसको लेकर घर में विवाद चल रहा था और वह गुरुवार रात अपने कमरे जाकर गले में रस्सी का फंदा लगाकर पंखे से लटक गया. शुक्रवार की सुबह वह नहीं उठा तो परिजन उसे उठाने के लिए कमरे में गए, जिसमें देखा कि युवक पंखे से लटका हुआ है और उसकी मौत हो गई है. इसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने बताया कि युवक नौकरी करना नहीं चाहता था और घर वाले नौकरी के लिए दबाव बना रहे थे. इसको लेकर विवाद रहता था.

पुलिस को चकमा देकर वाहन चोर फरार

देवांगना चौक पर चोर के साथ खाना खाने आया दोस्त धराया

संवाददाता। हज़ारीबाग़

कोर्रा थाना क्षेत्र के मटवारी बालाजी होटल के पास से खड़ी अपाची मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले में शुक्रवार को कोर्रा स्थित अशोक होटल में संदिग्ध चोर खाना खाने आये थे. इसी दौरान नीरज वहा कुछ सामान लेने पहुंचे थे. उन्होंने वहां एक व्यक्ति को देखा जिसकी सकल हूबहू सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर से मिल रही थी. नीरज ने मोबाइल फ़ोन से वीडियो और व्यक्ति का मिलान किया. इसके बाद उनका शक यकीन में बदल गया. इसके बाद तुरंत उसने अपने दोस्तों और कोर्रा थाना को सूचना दी. वहा भीड़ लगता देख चोर को शक हो गया और वह किसी तरह पुलिस और वहां उपस्थित भीड़ को चकमा दे फरार हो गया. हालांकि इस दौरान उसके साथ खाना खाने आये उसका दोस्त पुलिस और पब्लिक के हत्थे चढ़ गया, जहां उसकी कुटाई कर दी गयी. चोर के दोस्त ने चोर की सारी जानकारी पुलिस को दे दी है. पुलिस चोर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है.

राधा गोविंद पब्लिक स्कूल की पांचवीं कक्षा के छात्र की मौत

- छात्रावास से ग्राउंड में जाने के दौरान आर्यन अचानक गिर पड़ा था, जांच शुरू हुई

संवाददाता। रामगढ़

राधा गोविंद पब्लिक स्कूल के छात्रावास में रहने वाले पांचवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई. मौत कैसे हुई इसकी जांच डॉक्टरों और पुलिस की टीम कर रही है. घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जानकारी के अनुसार छात्रावास में रहने वाले सभी छात्र रोजाना की तरह सोकर उठे फिर उन्हें पीटी और गिनती के लिए ग्राउंड में जाने थे. छात्रावास से ग्राउंड में जाने के दौरान पांचवीं कक्षा का छात्र आर्यन अचानक गिर पड़ा. वार्डन और छात्रों ने आर्यन को उठाकर पहले झारखंड अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे दूसरे अस्पताल जाने को कहा गया. इसके बाद उसे निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने छात्र के शरीर में कोई हरकत नहीं होने की बात कही और सदर अस्पताल ले जाने को कहा. सदर अस्पताल में डॉक्टर ने छात्र को मृत घोषित कर दिया. मृतक छात्र आर्यन कुमार बसंतपुर नीम टोला, मांडू निवासी नेहरू कुमार गंझू का पुत्र था. मृतक छात्र के शव को पोस्टमार्टम हाउस के शवगृह में रखा गया है.

ग्रामीणों ने केस वापस लेने की मांग को लेकर डीसी को सौंपा आवेदन

बड़कागांव। प्रखंड के महुदी गांव में रामनवमी के अष्टमी की रोज हुए रामनवमी महुदी मार्ग विवाद दर्ज केस को लेकर शुक्रवार को पूर्व विधायक लोकनाथ महतो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय से मुलाकात कर आवेदन सौंपा है. आवेदन में नामजद सभी लोगों की गिरफ्तारी पर तत्काल रोक लगाते हुए केस को वापस लेने की मांग की गई है. इसके अलावा आवेदन में महुदी रामनवमी जुलूस विवाद मार्ग को लेकर कई बिंदुओं को रखा गया है. इसकी आवेदन की प्रतिलिपि देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह सचिव, झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, झारखंड के मुख्य सचिव, राज्य गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, आयुक्त उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल को भेजी गई है.

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग के आयोजन में कुलपति ने कहा

'रोटी दान कार्यक्रम अच्छा लगा'

संवाददाता। हजारीबाग

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग रोटी दान कार्यक्रम आयोजित कर एक महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रहा है. इससे एक तरफ जहां जरूरतमंदों को रोटी उपलब्ध हो रही है, वहीं विद्यार्थी दान करने का संस्कार सीख रहे हैं. उक्त बातें कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने कही. वह शुक्रवार को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रोटी दान कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी. कुलपति कार्यक्रम को देखकर बहुत भावुक हो गई. उन्होंने कहा कि मैं इससे पहले कभी ऐसा किसी कार्यक्रम को नहीं देखा है. मैं इस कार्यक्रम में शामिल होकर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हूं. मैं आशा करती हूं कि इस कार्यक्रम को विभाग आगे भी चलता रहेगा.

रोटी भरे तीन कंटेनर रोटी बैंक को सौंपे

विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने बताया कि 2015 से विभाग समय-समय पर हजारीबाग रोटी बैंक को रोटी दान करता रहा है. उसी रोटी को पूरी श्रद्धा के साथ दान करते हैं. इसके बाद विभाग के विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षकों ने एक-एक रोटी, रोटी बैंक के कंटेनर में दान किया. कुलपति एवं कुलसचिव डॉ मोहम्मद मोख्तार आलम ने भी अपनी तरफ से एक-एक रोटी दान की. विभागीय शिक्षक डॉ मार्गरेट लकड़ा, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ विकास कुमार, डॉ अजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय के सहायक सचिव कुमार विकास, विभाग के शोधार्थी, इंस्पायर फेलो एवं चतुर्थ एवं द्वितीय समसत्र के विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित थे. पूरे विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति एवं कुलसचिव ने रोटी भरे तीन कंटेनर रोटी बैंक के मोहम्मद खालिद को सौंपे.

दो दुकानों में लगी आग लाखों रुपये का नुकसान

रामगढ़। बरकाकाना ओपी क्षेत्र के हेहल में गुरुवार रात दो जनरल स्टोर में अचानक आग लग गई. सूचना पाकर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने तीन घंटे बाद बहुत मशक्कत से आग पर काबू पाया. आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. घटना के बाद दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया. दोनों दुकान दो भाइयों की थी. जानकारी के अनुसार देर रात दुकानों से धुआं और आग की लपटों को लोगों ने देखा. इसकी जानकारी दुकानदार ब्रह्मदेव प्रजापति को फोन पर दी. ब्रह्मदेव प्रजापति घटनास्थल पहुंचे. स्थानीय लोग पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे. वहीं मामले की सूचना पर रामगढ़ से प्रशासनिक और सीसीएल की दमकल की गाड़ी घटना स्थल पर पहुंची और लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया.

गड़बड़झाला एक बोरिंग से 25 घरों में देना था पानी, साढ़े पांच लाख की योजना की पांच साल थी गारंटी

कहीं नल नहीं तो कहीं जल नहीं, योजना हो गई पास; ठेकेदार फरार

रंजना कुमारी। हजारीबाग

नल जल योजना इन दिनों सुर्खियों में है. गांव से लेकर शहर तक इसकी खूब चर्चा हो रही है. कहीं नल नहीं तो कहीं जल नहीं, लेकिन योजना पास हो गई और ठेकेदार फरार हो गये. कहीं ठेकेदार पर आरोप लग रहा है, तो कहीं अधिकारियों को भ्रष्टाचारी बताया जा रहा है. जिले के इचाक प्रखंड के डुमरौन और नावाडीह में लगभग तीन वर्षों से नल जल योजना पर काम ठेकेदार कर रहे हैं, लेकिन वह आज तक आधा अधूरे हैं, जबकि यहां जनसंख्या के हिसाब से जलमीनार देना था. योजना की पांच साल की गारंटी भी ठेकेदार को देनी है, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी कई पंचायतों में आज भी योजना आधी-अधूरी हैं. हालांकि ये सब कागज पर चालू है. यहां तक कि पांच साल की गारंटी में बिना पानी दिए हुए अधिकारियों के कागज पर दो साल पूरा भी हो चुके हैं. बताते चलें कि इचाक प्रखंड के कई पंचायतों में नल जल योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है और विभाग ने बिना बनाए हुए कई योजनाओं को कागज पर पास कर दिया है. अधिकारी नावाडीह और डुमरौ पंचायत में 114 जलमीनार बनकर तैयार होने का दावा कर रहे हैं और उनके मुताबिक इन दोनों पंचायतों में 80 पर्सेंट जल मीनार चालू हैं. सच्चाई यह है कि इन दोनों पंचायत में 40 परसेंट जलमीनार भी चालू नहीं हैं और न ही 114 जल मीनार बनाए गए हैं. अगर 40 परसेंट जलमीनार चालू भी हैं तो इनमें सस्ती फाइबर नल और पाइप लगाया गया है जो छूते ही टूट जाता है. यहां तक कि टॉवर भी मानदंडों का पाल किये बिना खड़ा कर दिया गया. ऐसे में कभी भी बड़ी घटना भी हो सकती है, क्योंकि 20-25 फीट का टॉवर खड़ा है और एंगल कम है. इसी प्रकार सोलर प्लेट भी लगाए गए थे जो हल्की हवा में उड़ चुके हैं.

क्या कहते हैं स्थानीय ग्रामीण

वहीं ग्रामीण परमेश्वर ठाकुर, भीम कुमार, महेश राम, मनोज राम, रंजीत शर्मा, राकेश कुमार, दिनेश मेहता, राजेंद्र मेहता का कहना है कि अधिकारी अपने ऑफिस में ही बैठकर जायजा लेते हैं. उन्हें स्थल पर आकर निरीक्षण करना चाहिए. उन्हें यह नहीं पता है कि पंचायत में कितने जलमीनर चालू हैं और कितने बंद हैं. यह पूरा कमीशन का खेल है. ठेकेदार और अधिकारी की मिलीभगत से आम लोग परेशान हैं. सरकार अपने मिशन में कामयाब नहीं हो पा रही है. अधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत ग्रामीण के कारण शौचालय का लाभ भी आम लोगों को नहीं मिला. इसमें भ्रष्टाचार का पर्दाफाश भी हुआ था जिसमें कई अधिकारी और जलसहिया पर मामला दर्ज भी हुआ है.

क्या कहते हैं प्रखंड सहायक अभियंता

इस संबंध में पेयजल विभाग के इचाक प्रखंड सहायक अभियंता चंद्रिका ने पूछे जाने पर बताया कि नावाडीह और डुमरौन पंचायत में 114 जलमीनर बनाये गये हैं. इनमें 89 चालू हैं. अगर कहीं का जलमीनार चालू नहीं है तो उसको जल्द बना दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि जब से पानी दिया जाएगा उस वक्त से गारंटी चालू होगी.

रामगढ़ कॉलेज में डॉ. बलवंती मिंज बनाई गईं परीक्षा नियंत्रक

- नई परीक्षा नियंत्रक का शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने किया स्वागत

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक सह विभागाध्यक्ष डॉ. बलवंती मिंज की नियुक्ति विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की रामगढ़ महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक के रूप में हुई है. डॉ. बलवंती मिंज के परीक्षा नियंत्रक बनने पर सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी खुश नज़र आए. विशेष रूप से परीक्षा विभाग के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. शालिनी प्रकाश, दशरथ महतो, राकेश कुमार, मो. उस्मान और गौरव प्रधान ने प्रसन्नता जाहिर की.

प्राचार्य कक्ष में एक सादा समारोह आयोजित कर नई परीक्षा नियंत्रक डॉ. बलवंती मिंज का शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया. पूर्व परीक्षा नियंत्रक सह वर्तमान प्राचार्या डॉ रत्ना पांडेय ने कहा कि बलवंती मिंज एक कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका हैं. डॉ मिंज अपने काम की जिम्मेदारी बखूबी निभाती हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शनि आय भाव में है, गलत आय से बचें. नौकरी में पदोन्नति होगी. बेरोजगारी दूर होकर प्रसन्नता बनी रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. बाहरी सहयोग से कार्य होगा. नए कार्य की शुरुआत हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी. गणेश जी का पूजन करें.

वृषभ समय अच्छा है. सरकारी कार्य में गति मिलेगी. पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी संत से शुभ ज्ञान प्राप्त होगा. पुराने भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. आत्मविश्वास बढ़ता है. व्यवसाय ठीक है. चिंता और तनाव रहेगा.

मिथुन ससुराल से संबंध में सुधार होगा. साथ ही लाभ की स्थिति बनेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. अप्रत्याशित लाभ होगा. बेरोजगारी दूर होगी. सक्रिय रहना होगा. परिवार की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी.

कर्क बिना वजह विवाद हो सकता है. इससे बचना होगा.अप्रत्याशित खर्च सामने आयेंगे स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. कार्य में बाधा होगी. धन और कीर्ति की हानि हो सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

सिंह कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है. पुरानी लेनदारी वसूल होगी. काम में मन लगेगा. वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी. यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेगी. फालतू बातों पर ध्यान न दें. घर-बाहर प्रसन्नता

कन्या कार्य में सफलता मिलेगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर होगी. नेत्र व मस्तिष्क दर्द हो सकता है. व्यावसायिक कठिनाई दूर होगी. चिंता कम रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. कार्य में लगन बढ़ेगी. शिवलिंग पर जलाभिषेक करें.

तुला अपरिचित से लेन-देन में सावधानी रखें. विवाद को तूल न दें. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपनों से सहयोग नहीं मिलेगा. चिंता रहेगी. विस्तार कार्यों में देरी हो सकती है. हिम्मत रखें. नकारात्मकता बढ़ेगी. फल का दान करें.

वृश्चिक खुशी व सहयोग प्राप्त होगा. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. कोर्ट कचहरी में सफलता हासिल होगी. परिवार में आनंदोत्सव हो सकता है. कुछ दिक्कतों के साथ लाभ में वृद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा.

धनु उन्नति के प्रयास कोमल रहेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. भूमि और भवन संबंधी बाधा दूर होगी. यात्रा, निवेश और नौकरी मनोनुकूल लाभ होगा. विरोधी अनुकूल रहते हैं. उनकी तोपें धीमी रहेंगी. पीली वस्तु का दान करें.

मकर वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है. मित्र व संबंधियों से लाभ होगा. कोर्ट कचहरी के काम निबट जाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा से लाभ होगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. निवेश सोच बिचार कर ही करे, धन फंसने का योग है. यात्रा अनुकूल रहेगी. बेचैनी रहेगी. अपनों से संबंध बिगड़ सकते हैं. वाणी पर नियंत्रण रखें.किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन विदेश में बसे लोगों के लिए लाभ का समय है. निद्रा में कमी आएगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरी में काम का दबाव अधिक हो सकता है. आय में वृद्धि होगी. परहित के काम करने का मौका मिल सकता है.

एससी ने कहा- साहिबगंज में अवैध खनन की सीबीआई जांच पर रोक नहीं

रांची/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साहिबगंज जिला में सीबीआई द्वारा की जा रही अवैध खनन की जांच पर रोक लगाने से फिलहाल इंकार कर दिया है. शुक्रवार को राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है और सीबीआई को यह निर्देश दिया है कि वह अपनी जांच के बाद रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को सौंपे. इसके साथ ही अदालत ने सीबीआई को यह भी निर्देश दिया है कि कोर्ट की अनुमति के बाद ही इस मामले में चार्जशीट दाखिल की जाए. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. दरअसल राज्य सरकार ने झारखंड हाईकोर्ट द्वारा 22 फरवरी 2023 को पारित उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें साहिबगंज स्थित नींबू पहाड़ में अवैध खनन के मामले में चल रही सीबीआई की जांच पर लगी रोक हाईकोर्ट ने हटा ली थी. अब इस मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी.

अंजनी मयूरभंज लोकसभा से भी प्रत्याशी हैं

रांची। झामुमो ओडिशा विधानसभा चुनाव भी लड़ेगा. पार्टी ने पांच विधानसभा सीट से अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है. जारी सूची के अनुसार शिबू सोरेन की बड़ी बेटी अंजनी सोरेन लोकसभा और विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगी. वह मयूरभंज लोकसभा से पहले ही प्रत्याशी घोषित की जा चुकी हैं. अब उन्हें सरसकना विधानसभा से भी प्रत्याशी बनाया गया है.

ओडिशा की इन विधानसभा सीटों पर झामुमो लड़ेगा चुनाव

सरसकना- अंजनी सोरेन, रायरंगपुर-सुनराम टुडू, बंगरीपोशी-विष्णु सिंह, भोरदा-कृष्णा चंद्र दास और उदला-चक्रधर सिंह.

झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने तीन जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ की मैराथन बैठक, बोले-

वोटों के लिए मोदी मंगलसूत्र से पाकिस्तान तक पहुंच गये

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को गुमला, सिमडेगा और खूंटी जिला के कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठक की. उन्होंने कहा कि आप सभी पूरे वर्ष संगठन का काम करते हैं. पिछले पांच वर्षों से केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यों से त्रस्त जनता के बीच रहकर संघर्ष कर रहे हैं. अब समय आ गया है कि उन संघर्षों का परिणाम बूथ से जीत के रूप में निकालें. पांच वर्षों तक संगठन का निर्माण प्रखंड और बूथ स्तर पर किया गया है. आज जरूरत है कि संगठन द्वारा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय को बेहतर तरीके से बनाया जाए, ताकि चुनाव के दौरान प्रत्याशी और बूथ एजेंट के बीच सीधा संवाद अभी से लेकर मतदान के दिन तक लगातार होता रहे. मतदान के दिन तक जरूरी है कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता अपने बूथ के मतदाताओं से निरंतर संपर्क करते रहें, ताकि भाजपा द्वारा चुनाव की धारा को मोड़ने का यदि कोई भी गैर वैधानिक कार्य किया जाता है या अफवाह फैलाया जाता है, तो उससे आम लोगों को सावधान किया जा सके और उनकी सच्चाई बतायी जा सके. उन्होंने कहा कि पार्टी किसी एक को उम्मीदवार बनाती है, लेकिन चुनाव संगठन का हर कार्यकर्ता अपने-अपने मोहल्ला, वार्ड, प्रखंड में लड़ता है, ताकि पार्टी की जीत सुनिश्चित हो सके. राजग सरकार के 10 वर्षों के कुशासन से निकलने का यह सुनहरा अवसर है और हमें इसे किसी भी हाल में जाया नहीं होने देना है.

कांग्रेस प्रभारी

- पांच वर्षों तक संगठन का निर्माण बूथ स्तर पर किया गया
- कार्यकर्ता बूथ के मतदाताओं से निरंतर संपर्क करते रहें

पीएम नये शिगूफे छोड़ रहे, ताकि लोग भटकें : ठाकुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस चुनाव में हमें राहुल गांधी के विश्वास पर खरा उतरना है. उन्होंने जनता की समस्याओं के तह तक पहुंचने के लिए पूरे भारत का पैदल भ्रमण किया है और समस्याओं को खत्म करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना को कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया गया है. प्रधानमंत्री मोदी रोज नये शिगूफे छोड़ रहे हैं, ताकि लोग भटक जायें. मंगलसूत्र,आभूषण, मुसलमान, मटन, भैंस के बाद चुनाव में पाकिस्तान की एंट्री कराई जा रही है, ताकि वोटों का ध्रुवीकरण किया जा सके. मतदान के दो चरणों में जनता ने पूरे धैर्य के साथ मतदान किया है. अभी तक इनके बहकावे में नहीं आई है, जिससे यह बौखला चुके हैं.आप अपने-अपने क्षेत्र में पूरी संवेदनशीलता के साथ उनकी गतिविधियों पर नजर रखें.

फर्जी मुकदमे कर हेमंत को जेल भेजा गया : बंधु

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि पूरे देश में भाजपा के मनमर्जी चल रही है. नेताओं पर फर्जी मुकदमे किये जा रहे हैं. फर्जी मुकदमों के बल पर आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया है. देश का संविधान खतरे में है. भाजपा के नेता संविधान बदलने की बात कर रहे हैं. यदि भाजपा सत्ता में आई, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा आदिवासियों को भुगतना पड़ेगा. क्योंकि अपने पूंजीपति दोस्तों के विकास के लिए जंगल की जमीनों को भी उन्हें देने से नहीं हिचकेंगे और इसके लिए संविधान बदलकर भाजपा ऐसा प्रावधान भी कर सकती है. इससे आदिवासी समुदाय जंगलों से पलायन करने को मजबूर हो जाएगा. मौके पर लोहरदगा प्रत्याशी सुखदेव भगत, प्रदीप कुमार बलमुचू सहित कई नेताओं ने अपनी बातें रखीं. बैठक में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, नमन विक्सल कोंगाड़ी,भूषण बाड़ा, प्रदीप तुलस्यान, मानस सिन्हा, एआईसीसी के मीडिया को-ऑर्डिनेटर ज्योति सिंह, रियाज अंसारी, चैतू उरांव, डेविड तिर्की, रवि मिश्रा सहित सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे.

मोदी पूरे देश में घूम-घूम कर झूठ बोल रहे हैं : डॉ रामेश्वर उरांव

वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि मोदी सरकार के मंत्री पूरे देश में घूम-घूम कर झूठ बोल रहे हैं. वे नहीं चाहते हैं कि इस देश में आदिवासियों व दलितों का उत्थान हो. आरएसएस के एजेंडे को पूरा करने में मोदी सरकार लगी हुई है. आरएसएस के एजेंडे में ही लोकतांत्रिक और आरक्षण व्यवस्था को समाप्त करना है. देश के लोगों को कांग्रेस ने समानता के अधिकार का अवसर प्रदान किया है और उस व्यवस्था को बर्बाद कर भाजपा पुनः पुरानी वर्ण व्यवस्था लागू करना चाहती है.

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने किया दावा-सांसद संजय सेठ ने विकास के कई काम किये

सांसद के प्रयास से वंदे भारत का परिचालन संभव

संवाददाता। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष और रांची के वर्तमान सांसद संजय सेठ द्वारा पिछले पांच वर्षों में किये गये विकास कार्यों पर चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने संतोष व्यक्त किया. किशोर मंत्री ने कहा कि सांसद द्वारा सामाजिक विकास से लेकर, स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयास किये गये हैं. विगत वर्षों में सांसद ने लोकसभा में अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई है. सवालों के मामले में भी सांसद सक्रिय रहे हैं.

क्षेत्र के मुद्दों को उन्होंने मुखरता से लोकसभा में रखा है. यह भी प्रसन्नता का विषय है कि हमारे सांसद को दादासाहेब फाल्के संस्थान द्वारा बेस्ट आइकॉन एमपी झारखंड के रूप में चयनित किया गया. सांसद संजय सेठ ने पुनः रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया है. चैंबर अध्यक्ष मंत्री ने कहा कि सांसद संजय सेठ के प्रयास से रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण, बडगाईं में वाटर ट्रिटमेंट प्लांट का निर्माण, झिरी में गेल इंडिया के सहयोग से 300 टन के कचरा निस्तारण प्लांट का निर्माण, तुपुदाना में एसटीपी प्लांट का निर्माण, रांची आउटर रिंग रोड के लिए बजटीय स्वीकृति, रांची एयरपोर्ट पर कोल्ड स्टोरेज और तीन नये एयरोब्रिज का निर्माण, पांच साल से अधिक पुरानी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का प्रयास, रांची-हटिया रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, नयासराय में आरओबी का निर्माण, मेसरा में नये रेलवे स्टेशन का निर्माण, आनंद विहार की तर्ज पर पिस्का नगड़ी रेलवे स्टेशन का विकास, सांसद खेल महोत्सव का आयोजन और रांची से वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन संभव हो सका है. सांसद सेठ ने एसे ही कई विकास के कार्य कराये हैं, जो रांची के लिए उदाहरण हैं.

सांसद संजय सेठ द्वारा शुरू किये गये बुक बैंक के माध्यम से जहां लाखों जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध हो रही हैं, वहीं ट्वॉय बैंक के माध्यम से निर्धन बच्चों को खिलौने भी उपलब्ध हो रहे हैं. हमारे लिए गर्व का विषय है कि रांची के वर्तमान सांसद हमारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष भी हैं और वे शुरू से ही सामाजिक-धार्मिक कार्यों के साथ ही उद्योग-व्यापार के विकास के लिए कार्य करते रहे हैं. सांसद के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि रांची-बोकारो एक्सप्रेस वे परियोजना और कोल इंडिया के सीएसआर से लगभग 68 करोड़ की लागत से पुस्तकालय का निर्माण कार्य आरंभ हुआ है.

बीएलओ के कार्यों की समीक्षा करें पदाधिकारी : रवि कुमार

संवाददाता। रांची

शुक्रवार को निर्वाचन सदन से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पांचवें और छठे चरण के मतदान से संबंधित जिला खूंटी, सरायकेला-खरसावां, रांची, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, पलामू, सिमडेगा और लोहरदगा में चल रहे स्वीप कार्यक्रमों की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि हर मतदाता तक पहुंचते हुए वोटर गाइड व वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण सुनिश्चित कराएं. विगत के मतदान में किन कारणों से मतदान कम हुए थे, उसका निराकरण करते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने का कार्य करें. पदाधिकारी केवल डेटा पर नहीं, मौके पर जाकर बीएलओ के कार्यों की समीक्षा करें. उन्होंने कहा कि टारगेटेड स्वीप एक्टिविटी से मतदाताओं को जागरूक करने से वोटिंग प्रतिशत बढ़ेगा. पदाधिकारी मतदाता सहभागिता के लिए कोई कसर नहीं छोड़ें. पदाधिकारी कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण करें और संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करते हुए मतदान के लिए प्रेरित करना सुनिश्चित कराएं. वहीं इंटर पर्सनल कम्युनिकेशन से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करें. ऐसी पहल से मतदान प्रतिशत बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों को इस तरह तैयार करें कि लगे वह मतदाताओं को मतदान के लिए पुकार रहा हो. इससे आगे कहा कि कम मतदान वाले क्षेत्रों में प्रत्येक घरों तक पहुंच बनाते हुए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें. कोई भी मतदाता मतदान करने से नहीं छूटे. इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर मूर्त रूप दें. रांची के बुंडू में कम मतदान वाले मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाकर मतदाताओं को जागरूक करने का निर्देश दिया.

चैनपुर में हाइवा और कमांडर की टक्कर में चालक की मौत

संवाददाता। मेदिनीनगर

आक्रोशित ग्रामीणों ने फूंक डाले सात वाहन

जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को एक हाइवा और कमांडर की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई है. इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सात हाइवा को आग के हवाले कर दिया है. मृतक की पहचान फिरोज अंसारी पिता हाजी फारूक अंसारी के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक, चैनपुर थाना क्षेत्र के बलथरवा के करीब अंधारीढोढा के समीप शुक्रवार को शाम करीब 6:45 बजे हाइवा की कमांडर से टक्कर हो गई. इस घटना में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में कमांडर गाड़ी को चलाने वाला 25 वर्षीय युवक फिरोज अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई. इस दुर्घटना के बाद हाइवा चालक तुरंत गाड़ी छोड़ कर घटनास्थल से फरार हो गया. बताया जा रहा है युवक रामगढ़ निवासी फारूक अंसारी का पुत्र है. मृतक फिरोज अंसारी नेउरा से रामगढ़ अपने घर की ओर जा रहा था कि तब हादसे का शिकार हो गया. इस कमांडर में कई सवारियां सवार थी जिन्हें गंभीर चोट आई है. इस सड़क हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने सात हाइवा को आग के हवाले कर दिया. सभी वाहन धू-धू कर जलने लगे. घटना की सूचना मिलने के बाद चैनपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को संभालने का प्रयास कर रही है.

पेज 01 का शेष...

संविधान के साथ खिलवाड़ नहीं...

आदिवासियों का विकास पहली प्राथमिकता है : मोदी ने कहा कि हमारे लिए आदिवासियों का विकास पहली प्राथमिकता है.आदिवासी समाज के विकास के लिए अलग जनजातीय मंत्रालय भाजपा ने ही बनाया, अटल जी ने बनाया.आज आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा एकलव्य स्कूल बनवा रही है. ये आपका बेटा मोदी दिल्ली में बैठा है, जो आपका दर्द जानता है. इसलिए मैंने कहा- चाहे डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, वैज्ञानिक हो, वह अपनी भाषा में पढ़ेगा तो वो भी डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनेगा. पिछले 10 वर्षों में मोदी ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए मकान, बिजली, पानी और गैस सिलेंडर जैसी सुविधाएं दी हैं. हमारे प्रयास से झारखंड में 18 लाख लोगों को पक्के घर मिले हैं. ढाई करोड़ से ज्यादा लोगों को यहां हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है, ताकि गरीब के घर का बच्चा भूखा न सोये.

ये धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं : अब कांग्रेस की नजर एससी, एसटी, आदिवासी और ओबीसी के आरक्षण पर डाका डालने पर है. कांग्रेस को गुस्सा इसलिए है, क्योंकि आदिवासी, दलित, गरीब और ओबीसी भाजपा का समर्थन करते हैं. कांग्रेस आपके आरक्षण पर डाका डालकर मुसलमानों को देना चाहती है. ये धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है.

हमने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की है : सिंहभूम और झारखंड की धरती, आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है, लेकिन कांग्रेस ने आदिवासियों के बलिदान को कभी सम्मान नहीं दिया. कांग्रेस आजादी का पूरा श्रेय केवल एक परिवार को देना चाहती है, लेकिन ये भाजपा है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को एक और पहचान दी.इस दिन से हमने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की है. हम देशभर में जनजातीय गौरव के लिए जनजातीय म्यूजियम बना रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को आदिवासियों के इतिहास का सम्मान पसंद नहीं है.

मणिपुर पर सोचने की किसे...

हम एक बार फिर तोरबुंग और फौगाचाओ के किसानों, दिहाड़ी मजदूरों पर हुए नुकसान और अत्याचारों को याद करते हैं, जिन पर चुराचांदपुर की एक सशस्त्र भीड़ ने बिना उकसावे के हमला किया था. महिलाओं ने साइकिलों पर तख्तियां लखा रखी थीं जिस पर लिखा था, हम शांति चाहते हैं, अलग प्रशासन नहीं, क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करें. राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों और खुमुजाम्बा मेइती लेईकाई पट्टादार एसोसिएशन ने भी इंफाल ईस्ट जिले के अकामापत में हिंसा के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया. पिछले साल तीन मई को जातीय झड़पें शुरू होने के बाद से राज्य में 219 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग घरों से विस्थापित हो गए हैं. यह हिंसा तब हुई जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की स्थिति की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में जनजाति एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था.

521 किलो अफीम-डोडा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

लातेहार। लातेहार पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. बरियातू थाना क्षेत्र के श्रीसमाध गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 521 किलो अफीम-डोडा बरामद किया है. साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है. बरामद अफीम-डोडा का बाजार मूल्य करीब 81 लाख रुपये है. इसकी जानकारी बालुमाथ एसडीपीओ आशुतोष सत्यम ने प्रेस वार्ता में दी. आशुतोष सत्यम ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि बारियातू थाना क्षेत्र के सिबला गांव का गोल्डेन नामक व्यक्ति इस गिरोह का सरगना है. इस गिरोह में महेंद्र गंझू और गणेश गंझू सहित कई शामिल हैं.

बालू का अवैध उठाव बंद कराया जाएगा

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। लातेहार

शहर के गिजनियाटांड़ में औरंगा नदी के किनारे बने पंप हाउस के पास से ट्रैक्टरों से बालू का अवैध उठाव करने की खबर शुभम संदेश ने अपने एक मई के अंक में प्रकाशित की थी. खबर प्रकाशित होने के बाद नगर प्रशासक राजीव रंजन ने इस पर संज्ञान लिया और गिजनियाटांड़ जाकर पंप हाउस एवं औरंगा नदी तट का निरीक्षण किया. उन्होंने कहा कि इंटक वेल के आसपास से बालू का उठाव किये जाने से जल स्तर काफी नीचे चला जा रहा है. उन्होंने इसे गंभीर बताया. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अवैध बालू का उठाव को रोकने के लिए वे संबंधित विभाग से पत्राचार करेंगे. रंजन ने आगे कहा कि जहां पर इंटेक वेल है वहां पानी ड्राई हो चुका है. उन्होंने पंप हाउस का निरीक्षण कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये.

मौके पर सिटी मैनेजर राजकुमार वर्मा व कनीय अभियंता संदीप बेदिया मौजूद थे. नगर प्रशासक रंजन ने जलापूर्ति किये जाने वाले पानी को बरबाद नहीं करने की अपील नगरवासियों से की. उन्होंने कहा कि जितना जरूरी हो उतना ही पानी लें. पड़ रही प्रचंड गरमी के कारण औरंगा नदी का जल स्तर काफी नीचे चला गया है, इस कारण लक्ष्य के अनुरूप पानी का स्टोर नहीं किया जा सक रहा है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में सुबह और शाम पेयजल की आपूर्ति की जा रही है. लेकिन गरमी को देखते हुए सिर्फ एक समय पेयजल की आपूर्ति की जा सकती है. उन्होंने अपने अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अधिष्ठापन करने की भी अपील की ताकि जल स्तर को मेंटेन हो सके.

शपथ पत्र

प्रारूप C - 1

(अभ्यर्थी के द्वारा समाचार पत्रों, दूरदर्शन में प्रकाशित करने हेतु)

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर - 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता : **बबीता कच्छप पता - गडामेड़तिया,पो. गड़ामेड़तिया, थाना चितरी, जिला - डुंगरपुर, राजस्थान - 314030**

राजनीतिक दल का नाम : **भारत आदिवासी पार्टी**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें)

निर्वाचन का नाम : **लोकसभा**

* निर्वाचन क्षेत्र का नाम : **011 खूंटी**

मैं **बबीता कच्छप** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के सम्बंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं / करती हूं :

(A) लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा(ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	सी.जे.एम. खूँटी	खूँटी थाना कांड सं 143/2017	लंबित	धारा 147, 148, 149, 341, 323, 327, 353, 504, 506, 120(B) I.P.C.
2.	सत्र न्यायाधीश व्यारा	S.C. 18/21	लंबित	धारा 121 (A), 124(A) 153(A), 120(B)I.P.C

(B) दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियाँ)	कार्यालय(यों) और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* राज्य परिषद के निर्वाचन या विधायकों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन की स्थिति में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

ह./- **बबीता कच्छप**

शपथ पत्र

कार्यपालक दण्डाधिकारी, रामगढ़

मै फगन देवी (FAGAN DEVI) पति छठू साव उम्र लगभग 65 वर्ष, धर्म-हिन्दू,पेशा-गृहिणी, राष्ट्रीयता-भारतीय, निवास स्थान ग्राम-पोचरा, वार्ड नं०-07, पो०- बरकाकाना, थाना-पतरातु जिला-रामगढ़ (झारखण्ड) शपथ पूर्वक निम्नलिखित ब्यान करती हूँ कि

1. यह कि, मेरा सही व वास्तविक नाम फगन देवी (FAGAN DEVI) है जो मेरे आधार कार्ड स-2834 9481 7108 एवं पैन कार्ड सं-JOKPD4645P में दर्ज है।
2. यह कि, भारतीय डाकघर बरकाकाना के बचत खाता सं०-6345105987 में मेरा नाम फोगनी देवी (PHOGNEE DEVI) दर्ज है।
3. यह कि, भारतीय डाकघर बरकाकाना के RD खाता स०-6345194512 में तथा भारतीय डाकघर रामगढ़ के बचत खाता सं०-3069984380 में मेरा नाम फोगनी देवी(FOGANI DEVI) दर्ज है.
4. यह कि, फगन देवी (FAGAN DEVI), फोगनी देवी (PHOGNEE DEVI) एवं फोगनी देवी (FOGANI DEVI) तीनों नाम एक ही महिला का है जो मैं स्वयं हूं।
5. यह, कि, भारतीय डाकघर बरकाकाना के बचत खाता सं०-6345105987 में तथा RD खाता स.-6345194512 में तथा डाकघर रामगढ़ बचत खाता सं.-3069984380 में सुधार कर मेरा सही नाम फगन देवी (FAGAN DEVI) दर्ज कर दिया जाय।
6. यह की यह शपथ पत्र मैं संबधित विभाग के सक्षम पदाधिकारी को नाम सुधार के लिए देने हेतू बना रही हूं।
7. यह कि उपरोक्त कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास में सत्य व सही है।

शपथ पत्र सं. 4780
दिनांक 24.04.2024

चिंताजनक यथार्थ

एक लोकगायिका ने बुद्धिघोटाला शब्द का प्रयोग किया है. यह बेहद संगीन आरोप है, लेकिन आज के अधिकांश युवाओं का सच भी है. पिछले करीब दस वर्षों से भारत में वाट्सएप यूनिवर्सिटी के तो खूब चर्चे होते आये हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता था कि इसके समांतर ही देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के जरिये भी ज्ञानगंगाएं प्रवाहित हो रही हैं, जो युवाओं को उसी तरह से दीक्षित कर रहे हैं जैसे कि वाट्सएप विश्वविद्यालय. इसका एक उदाहरण दिल्ली में दिखलाई दिया, जब देश की राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा के एक निजी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया. इस विश्वविद्यालय में पल्लवित हो रही प्रतिभाओं के बारे में शायद ही लोगों को पता चल पाता, लेकिन एक न्यूज़ चैनल के पत्रकार ने इस प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के ज्ञान की जांच कर ली, जो विरोध प्रदर्शन करने के लिए बुधवार को कांग्रेस के मुख्यालय की ओर जा रहे थे. आश्चर्य की यह बात सामने आई कि प्रदर्शन करने जा रहे छात्रों में से कोई भी यह नहीं समझा पाया कि वे प्रदर्शन क्यों कर रहे थे. और तो और, उनके हाथों में जो तख्तियां थीं, उनका अर्थ बतलाना तो दूर, वे उसे पढ़ तक नहीं पा रहे थे. जब पत्रकार ने युवाओं के हाथों में लगी तख्तियों पर सवाल करने शुरू किये तो पता चला कि उन्हें पता तक नहीं था कि किन मुद्दों को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्हें केवल यह पता था कि वे कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के समर्थन में हैं. छात्र जो तख्तियां हाथों में लिए हुए थे, उन पर लगभग वे ही नारे लिखे हुए थे जो भाजपा के होते हैं. इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी. इस पर जब रिपोर्टर ने प्रश्न किये तो छात्र विषय से पूर्णतः अनभिज्ञ साबित हुए. साफ था कि उनके हाथों में ये तख्तियां पकड़ाई गयी थीं. अब यह शोध का विषय हो सकता है कि आखिर उन्हें ये नारे लिखकर किसने दिये और छात्रों से इस प्रकार का प्रदर्शन करवाने का औचित्य क्या था. फिर, क्या छात्रों की खुद की समझ इतनी भी नहीं है कि वे किसी के उकसाने पर या कहने पर ऐसा प्रदर्शन करने चले आये. निजी यूनिवर्सिटी में फीस, अधोसंरचना एवं सुविधाओं को देखें तो पता चलता है कि उसमें अच्छे-खासे खाते-पीते लोगों के बच्चे ही पढ़ सकते हैं. अगर ऐसे शिक्षण संस्थान में पढ़ने वालों की राजनैतिक समझ ऐसी हो तो अर्द्ध शिक्षित युवाओं को बहका पाना कितना आसान है, यह भी इस प्रदर्शन को देखकर समझा जा सकता है. छात्रों की राजनीति में भागीदारी में कोई बुराई नहीं है, बल्कि राजनीति में युवा शक्ति का सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है. देश में पहले भी युवाओं व छात्रों द्वारा अनेक आंदोलन किये गये हैं, जो देश के लिए परिवर्तनकारी साबित हुए हैं. अगर छात्रों ने स्वतःस्फूर्त यह प्रदर्शन किया होता तो उन्हें निश्चित ही विषय की पूरी जानकारी होती तथा वे उन तमाम विषयों पर अधिकारपूर्वक बात करने के काबिल होते.

> छात्र जो तख्तियां हाथों में लिए हुए थे, उन पर लगभग वे ही नारे लिखे हुए थे जो भाजपा के होते हैं. इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी.

सुभाषित

अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम्।
अधनस्य कुतो मित्रं अमित्रस्य कुतो सुखम्॥

आलसी को विद्या कहां? (आलसी व्यक्ति विद्या प्राप्ति नहीं कर सकता.)
विद्याहीन को धन कहां? (विद्याहीन व्यक्ति धन नहीं कमा सकता.)
धनहीन को मित्र कहां? (धन के बिना मित्र की प्राप्ति नहीं हो सकती.)
मित्रहीन को सुख कहां? (मित्र के बिना सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती.)

चुनाव के पहले इस्तीफा दिया क्या

नैतिकता की गुहार यहां भी मचनी चाहिए न! संविधान इस विषय पर भले ही मौन हो, लेकिन स्पीकर सब देख रहे हैं न! सवाल यह भी है कि चुनाव लड़नेवाले सांसदों को भी उक्त अवधि का वेतनादि लाभ क्यों मिलना चाहिए? फर्ज करिये कि दूसरे दल से चुनाव लड़ रहे एमएलए हार जाते हैं तो क्या वे अपने वर्तमान पद को इन्जॉय करेंगे, इस्तीफा करेंगे या उन पर एंटी डिफेक्शन का मामला चलाया जाएगा? लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के पांच महीने के अंदर झारखंड विधानसभा के चुनाव की आचार संहिता लागू हो जाएगी.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

जिन लोगों को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल भेजे जाने के बावजूद इस्तीफा नहीं देने पर आपत्ति है, उनका ही अन्य राज्यों में रवैया बदला हुआ है. केजरीवाल के कदमों की आलोचना नैतिकता के नाम पर की जा रही है, क्योंकि कोई ऐसा स्पष्ट प्रावधान नहीं है कि मुख्यमंत्री जेल से अपना सिक्का चला सकता है या नहीं. जब संविधान लिखा जा रहा था, तब नैतिकता और आदर्श का जुग-जमाना था. जितने बलिदानों, त्याग-तपस्या और आंदोलनों से संविधान बनाने का अवसर आया था, लोगों ने सोचा ही न होगा कि वह जमाना भी आएगा, जब राज पुरुषों को आपराधिक मामलों में जेल जाना पड़ेगा. केजरीवाल की गिरफ्तारी के 11 दिन पहले 16 मार्च को देश में चुनाव की घोषणा की जा चुकी थी. इस कारण यह राजनीतिक मुद्दा बन गया. क्या पता, यह राजनीतिक विषय हो भी, क्योंकि युद्ध और प्रेम में हर कदम जायज माना जाता है. यूं, नैतिकता बेचारी 22 अप्रैल को सूरत में और 29 अप्रैल को इंदौर में किसी कोने में जा छिपी, जब दल विशेष के प्रत्याशी इस्तीफा कर दूसरे दल की गोद में जा गिरे, ताकि प्रतिद्वंद्वी का मार्ग आसान हो जाय. ऐसे विलक्षण इस्तीफों का अर्थ निकालते रहिए.

दूसरा पक्ष देखिए जो कुछ-कुछ दिल्ली मामले जैसा नैतिकता के ताने-बाने में लिपटा हुआ है. केवल 14 संसदीय सीटों वाले झारखंड में अबतक 11 विधायक प्रत्याशी बनाये गये हैं. इनमें मनीष जायसवाल, ढुलू महतो और सीता सोरेन एनडीए पक्ष के हैं, जबकि समीर मोहन्ती, जोबा मांझी, विनोद कुमार सिंह, जेपी भाई पटेल, प्रदीप यादव, नलिन सोरेन और मथुरा प्रसाद महतो इंडिया ब्लॉक के हैं. चमरा लिंडा बागी बनकर खड़े हैं. इनमें से सीता सोरेन ने 19 मार्च को विधायक पद से मार्फत मेल स्पीकर को इस्तीफा भेजा, जिसकी वैधता पर सवाल बना हुआ है. अभी भी वक्त है, सांसद चुने जाने की ललक में कुछ और विधायक दांव खेल सकते हैं. एक विधानसभा क्षेत्र गांडेय में उपचुनाव हो रहा है. चूंकि इस सीट पर 31 जनवरी तक मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी प्रत्याशी हैं, इसलिए इसका महत्व बढ़ा हुआ है. जिन विधायकों ने दीगर दलों से अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल किया है, गंभीर सवाल उन पर है. जब कोई सरकारी कर्मी चुनाव मैदान में उतरता है तो उसको अपना पद त्यागने की बाध्यता होती है. दूसरी ओर जब किसी एक सदन का सदस्य, दूसरे सदन के चुनाव में किस्मत आजमाता है तो उस पर यह बाध्यता क्यों नहीं लागू की जाती? भले ही संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं है, लेकिन विधायक, सांसद भी तो तनख्वाह पाते हैं, टीए-डीए उठाते हैं, पारिवारिक पेंशन लेते हैं और इसके अलावा भी अनेक सुविधाओं का उपभोग करते हैं. चुनाव लड़ना निहायत व्यक्तिगत या दलीय मामला है और इस दौरान भी मैदान में जमे माननीय को वेतनादि सुविधाएं मिलती हैं. इस समयावधि में उन पर यह खर्च क्यों किया जाय? बाध्यता हो कि दूसरे सदन के चुनाव में जाने से पहले माननीय इस्तीफा करें तो शुचिता पदर्शित होगी. हम देख रहे हैं, कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा भाजपा की प्रत्याशी बनाई गई हैं और भाजपा विधायक जेपी भाई पटेल कांग्रेस प्रत्याशी हैं, झामुमो विधायक सीता सोरेन भाजपा प्रत्याशी हैं, झामुमो विधायक चमरा लिंडा निर्दलीय प्रत्याशी हैं और एंटी डिफेक्शन का केस झेल रहे प्रदीप यादव कांग्रेस प्रत्याशी हैं. नैतिकता की गुहार यहां भी मचनी चाहिए न! संविधान इस विषय पर भले ही मौन हो, लेकिन स्पीकर सब देख रहे हैं न!

सवाल यह भी है कि चुनाव लड़नेवाले सांसदों को भी उक्त अवधि का वेतनादि लाभ क्यों मिलना चाहिए? फर्ज करिये कि दूसरे दल से चुनाव लड़ रहे एमएलए हार जाते हैं तो क्या वे अपने वर्तमान पद को इन्जॉय करेंगे, इस्तीफा करेंगे या उन पर एंटी डिफेक्शन का मामला चलाया जाएगा? लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के पांच महीने के अंदर झारखंड विधानसभा के चुनाव की आचार संहिता लागू हो जाएगी. ऐसे में आशंका बनती है कि कुछ महानुभाव न तो खुद कोई रिस्क उठाएंगे, न ही उन पर एंटी डिफेक्शन आरोपित किया जाएगा. बहुत हुआ तो संबंधित दल कुनमुना-भुनभुनाकर उनके शक्ति-सामर्थ्य के अनुसार चुनावी टिकट दे सकते हैं. शक्ति-सामर्थ्य कहें तो धनबल, जनबल और किंचित बाहुबल भी. 2019 में झारखंड विधानसभा के चुनाव के तीन-चार महीने पहले से कई विधायकों ने पाला बदल प्रारंभ कर दिया था. उस वर्ष भी अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव हुआ था, जिसमें एनडी अलायन्स ने तकरीबन 63 विधानसभा क्षेत्रों में अपना परचम फहराते हुए राज्य की 12 लोकसभा सीटें जीत ली थीं. संभवतः इस परिणाम को देखकर कई विधायकों ने दल-बदल किया था, लेकिन न तो किसी दल ने इस पर ध्यान दिया, न ही तत्कालीन स्पीकर ने कोई जहमत उठाई. दल-बदल मामले में स्पीकर स्वतः संज्ञान लेने के सक्षम प्राधिकार हैं.

परिस्थितियां बता रही हैं कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था विरोधाभासों से भरी हुई है. इलेक्टेड लोकसेवकों के लिए कुछ और कायदा-कानून और सेलेक्टेड लोकसेवकों के लिए कुछ और. इलेक्टेड लोकसेवक प्रजातंत्र के आधुनिक राजा-महाराजा हैं, सेलेक्टेड लोकसेवक उनके अधीनस्थ. इन लोगों को आराम कुर्सी मुहैया करानेवाली प्रजा तो बेचारी प्रजा है. पांच साल में उसी प्रजा को अधिकार मिलता है कि वह लोक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए जिसे चाहे लोकसेवक चुनकर महिमामंडित करे. प्रजातंत्र और लोकतंत्र की प्रजा और लोक में अंतर है. संयोग से हम लोकतांत्रिक चुनावी दौर से गुजर रहे हैं. हमें वोट डालने की नैतिकता दिखानी चाहिए.

• बोधि-वृक्ष सुज़

स्वाधीन दृष्टि

प्रायः ऐसा होता है कि हम जो कुछ देखते हैं, समझते हैं, वे वैसा ही नहीं होते, जैसा कि दिखायी पड़ते हैं. उदाहरण के लिए हमारी आंखें देखती और महसूसती हैं कि पृथ्वी सपाट मैदान जैसा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि पृथ्वी आकार में गोल है. इसी प्रकार आकाश के तारे अत्यंत छोटे दिखायी पड़ते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि वे आकार में पृथ्वी से भी कई हजार गुना बड़े हैं. इसी प्रकार संसार में बहुत ऐसी चीजें हैं, जो दिखायी तो कुछ पड़ता है, लेकिन वास्तव में वह वैसा नहीं होता. वास्तविकता को समझने के लिए सम्यक् ज्ञान का होना आवश्यक है. उसके अभाव में मनुष्य सदा से ही भ्रमित होता आया है और आगे भी होता रहेगा. एक जौहरी के निधन के बाद उसका परिवार संकट में पड़ गया. खाने के भी लाले पड़ गए. एक दिन उसकी पत्नी ने अपने बेटे को नीलम का एक हार देकर कहा- ₹बेटा, इसे अपने चाचा की दुकान पर ले जाओ. कहना इसे बेचकर कुछ रुपये दे दो. कुछ दिनों तक तो घर-परिवार चलेगा.₹ बेटा वह हार लेकर चाचा जी के पास गया. चाचा ने हार को अच्छी तरह से देख परखकर कहा- ₹बेटा, मां से कहना कि अभी बाजार बहुत मंदा है. थोड़ा रुककर बेचना, अच्छे दाम मिलेंगे.₹ उसे थोड़े से रुपये देकर कहा कि तुम कल से दुकान पर आकर बैठना. अगले दिन से वह लड़का रोज दुकान पर जाने लगा और वहां हीरों की परख का काम सीखने लगा. एक दिन वह बड़ा पारखी बन गया. लोग दूर-दूर से अपने हीरे की परख कराने आने लगे. एक दिन उसके चाचा ने कहा, बेटा अपनी मां से वह हार लेकर आना और कहना कि अब बाजार बहुत तेज है, उसके अच्छे दाम मिल जाएंगे. मां से हार लेकर उसने परखा तो पाया कि वह तो नकली है. वह उसे घर पर ही छोड़ कर दुकान लौट आया. चाचा ने पूछा, हार नहीं लाए? उसने कहा, वह तो नकली था. तब चाचा ने कहा, जब तुम पहली बार हार लेकर आये थे, तब मैं उसे नकली बता देता तो तुम सोचते कि आज हम पर बुरा वक्त आया तो चाचा हमारी चीज को भी नकली बताने लगे. तुम्हारे ऐसा सोचने से मुझे अपराध बोध होता. आज जब तुम्हें खुद ज्ञान हो गया तो पता चल गया कि हार सचमुच नकली है. सच यह है कि सम्यक् ज्ञान के अभाव में इस संसार में हम जो भी सोचते, देखते और जानते हैं, सब मिथ्या है.

क्या उत्तर प्रदेश में होगा चुनावी उलटफेर

• सियासत

योगेंद्र यादव

इस चुनाव में भाजपा की सफलता उत्तर प्रदेश पर निर्भर करती है. सिर्फ इसलिए नहीं कि उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक 80 संसदीय सीटें हैं और भाजपा के अधिकतम सांसद यहीं से आते हैं. पिछले दो लोकसभा चुनावों में यहां से भाजपा ने 71 और 62 सीटों पर अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर देश की सत्ता पर दावेदारी ठोकी थी. उत्तर प्रदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिन्दी पट्टी में यही एकमात्र प्रदेश है, जहां भाजपा और कहीं भी हुए घाटे की भरपाई कर सकती है. बाकी सब हिन्दी प्रदेशों में तो भाजपा ने लगभग सभी सीटें जीती थीं, इसलिए और ऊपर जाने की गुंजाइश नहीं है. पिछले एक-दो महीने से एक सर्वे के आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि इस बार तो भाजपा अपने पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ देगी, 70 पार और यहां तक कि पूरे 80 के दावे किए जा रहे हैं. इन दावों की जांच करने के लिए हम कुछ साथियों ने दो चरणों में उत्तर प्रदेश के 15 संसदीय क्षेत्रों की यात्रा की. पहले चरण में अप्रैल के पहले हफ्ते में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, कैराना और सहारनपुर तथा अप्रैल के तीसरे हफ्ते में बाराबंकी, मोहनलालगंज, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी तक गांवों की खाक छानी. इस पूरे क्षेत्र में घूमने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस बार उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा उलटफेर होने जा रहा है. हम 5-6 व्यक्ति एक साथ गाड़ी में बैठकर सुबह से देर शाम तक गांव-देहात में घूमते थे और साधारण लोगों से पूछा कि उनका मत क्या है, पिछली बार कहां था और इस बार किसे जाएगा. हमारे इस सफर से उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, पूर्वांचल के बिहार से सटे जिले और प्रदेश के बड़े शहर अछूते रहे. प्रदेश के सैकड़ों साधारण वोटरों से हुई इस बातचीत के आधार पर एक बात तो बिल्कुल साफ है कि उत्तर प्रदेश में इस चुनाव में परिवर्तन की हवा है. प्रधानमंत्री मोदी की अंधभक्ति बहुत कम हो गई है, लेकिन एक सामान्य वोटर में उनके प्रति अभी गुस्सा नहीं है. एक दबी छुपी-सी निराशा है, उससे भी ज्यादा थकान है. अब मोदी का नाम लेने भर से बाकी सब मुद्दों पर चर्चा रुक नहीं जाती. एक साधारण वोटर कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई पांच किलो राशन की योजना का श्रेय मोदी जी को देता है, लेकिन इस बार सिर्फ उनके नाम पर वोट नहीं पड़ेगा. उत्तर प्रदेश के गांवों में मोदी की तुलना में योगी ज्यादा लोकप्रिय हैं, उन्हें गुंडागर्दी खत्म करने का श्रेय मिलता है. साथ ही योगी के समर्थक यह आशंका भी जाहिर करते हैं कि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया की तरह उनका पत्ता भी काटा जा सकता है. कहते हैं कि लोकसभा का चुनाव योगी जी का नहीं है. उधर आम जनता में भाजपा के अधिकांश सांसदों और स्थानीय नेताओं के खिलाफ बहुत गुस्सा है और अनेक वोटर इस चुनाव में वोट का इस्तेमाल उन्हें सबक सिखाने के लिए करेंगे. यह चुनाव मोदी से ज्यादा मुद्दों का चुनाव होता जा रहा है. हर वोटर के मन में महंगाई और बेरोजगारी है. ग्रामीण जनता अपनी आर्थिक स्थिति से त्रस्त है. कई लोग याद करते हैं कि नोटबंदी या फिर लॉकडाऊन के समय से उनकी स्थिति सुधरी नहीं है. अयोध्या के राम मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा का मामला लोग अपने आप नहीं उठाते, वोट के संदर्भ में उसका जिक्र नहीं करते. अनेक लोगों ने कहा कि परिवर्तन होना चाहिए, चूंकि अगर तीसरी बार फिर मोदी जी आ गए, तब तो तानाशाही शुरू हो जाएगी. एक साधारण ग्रामीण ने समझाया कि जब किसी को पहली बार प्रधान चुनते हैं तो वह संभल कर सही काम करता है. अगर दूसरा मौक़ा मिले तो चोरी चकारी सीख जाता है, अगर तीसरी बार वही प्रधान बन जाए तो हमारे सिर पर बैठकर डंडा चलाता है. यानी 70 तो छोड़िए, भाजपा के लिए 60 सीटें बचाना भी नामुमकिन लगता है. अगर 2019 में भाजपा को जितने वोट मिले थे उसका छठवां हिस्सा भी छिटक कर सपा और कांग्रेस को मिल गया तो भाजपा 50 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी. वैसे अभी सिर्फ 16 सीटों में वोट पड़े हैं और स्थिति बदल सकती है. फिलहाल तो हर दिन स्थिति भाजपा के लिए विकट होती दिखाई दे रही है. चुनाव के पहले दोनों चरणों में उत्तर प्रदेश में मतदान में कोई 6 प्रतिशत की गिरावट भी इसी तरफ इशारा कर रही है. सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर भाजपा को उत्तर प्रदेश में घाटा होता है, तो वह बाकी देश में हुए नुकसान की भरपाई कहां से करेगी? 400 पार के जुमले को भूल भी जाएं तो भाजपा 272 का जादुई आंकड़ा कैसे पार करेगी?

> कहते हैं कि लोकसभा का चुनाव योगी जी का नहीं है. उधर आम जनता में भाजपा के अधिकांश सांसदों और स्थानीय नेताओं के खिलाफ बहुत गुस्सा है और अनेक वोटर इस चुनाव में वोट का इस्तेमाल उन्हें सबक सिखाने के लिए करेंगे. यह चुनाव मोदी से ज्यादा मुद्दों का चुनाव होता जा रहा है. हर वोटर के मन में महंगाई और बेरोजगारी है.

ड्रैगन के लगातार बढ़ते वर्चस्व की चुनौती

• देशांतर

केएस तोमर

हाल ही में चीन समर्थक, मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू की भारी जीत भारत के लिए एक बड़ा झटका है. इस जनादेश के मायने यह भी हैं कि मालदीव की जनता भी चीन की ओर अपने राष्ट्रपति के राजनीतिक झुकाव का समर्थन कर रही है. इसके साथ ही, मुइज्जू ड्रैगन की सैन्य उपस्थिति के लिए जगह बनाने को अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लागू करने के लिए तैयार है. कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुइज्जू बेशक सफल राजनेता हैं, लेकिन भूल रहे हैं कि कूटनीति में चरम स्थिति आत्मघाती भी हो सकती है. बहरहाल, चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति के मकसद से मालदीव को लुभाने को उत्सुक है. सुरक्षा बलों को मुफ्त प्रशिक्षण देने के अलावा बीते मार्च में मालदीव और चीन द्वारा गैर-घातक हथियारों के लिए हस्ताक्षरित 'सैन्य सहायता' समझौते से स्पष्ट है, मुइज्जू की हालिया जीत उन्हें भारत विरोधी रुख अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती है. बदले परिदृश्य में भारत को अपनी नीतियों में बदलाव कर मुइज्जू की गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा, क्योंकि मुइज्जू ने तो 'इंडिया आउट' अभियान पर ही चुनाव जीता था. हाल ही में उन्होंने चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया, जिसमें उनकी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 93 में से 66 सीटों पर कब्जा कर लिया. जो चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है. बहरहाल, भारत के लिए ये अच्छे संकेत नहीं कि मालदीव से अपने सैनिकों को वापस लाना पड़ रहा है. भारत ने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के मुइज्जू के फैसले पर सहमति व्यक्त की थी. उनके स्थान पर सिविल तकनीकी कर्मियों को नियुक्त किया गया है. दूसरी ओर, नेपाल में भी चीन समर्थक विचारधारा वाले कम्युनिस्टों का शासन है. सरकार बदलने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली और वर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच नया गठबंधन हो जाने की संभावना के चलते भारत के साथ आपसी संबंधों में असंतुलन पैदा हो सकता है. लेकिन भारत को पड़ोसी देश भूटान के साथ फिलहाल कोई समस्या नहीं है, जबकि म्यांमार चुनौतियां पैदा कर सकता है. क्योंकि सैन्य शासक अपनी पकड़ ढीली कर रहे हैं और दुनिया को उम्मीद है कि भारत अपदस्थ आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़ा रहेगा. चीन इस क्षेत्र में अपने संबंधों का विस्तार करने में आगे बढ़ रहा है. क्षेत्र में पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर एक नजर डालें तो हमारे पड़ोसी को चीन को अपने पाले में लाने के लिए सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है और इसका ताजा उदाहरण नेपाल है. सरकार बदलने के बाद, नेपाल का कम्युनिस्ट शासन वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी 'ऋण नीति' के जाल में फंस रहा हैं जो खतरनाक है. वहीं पाकिस्तान के मामले में आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने पाक को 23 अरब डॉलर का भारी कर्ज दिया है, जिसमें वे 10 अरब डॉलर भी शामिल हैं, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के निमित्त काम करने वाले वाणिज्यिक बैंकों और अन्य ऋणदाताओं का बकाया है. इसका मतलब है कि पाकिस्तान कभी भी इस ऋण से बाहर नहीं आ सकता है. विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है. श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफ के 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की. चीन मदद से पीछे हट गया था. चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है. भारत को बांग्लादेश के साथ भी कोई समस्या नहीं है, जिसने गत 23 नवंबर, 2023 को भारत को अपने पड़ोस का सबसे बड़ा विकास भागीदार बताया था, जब दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने तीन भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन किया था. कुछ पूर्व राजनयिकों का मानना है कि यदि चीन हमारे पड़ोसियों को हमसे दूर करने में सफल हो जाता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी प्रभावित होगा, क्योंकि इससे सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा होगी. वहीं चीन की ऋण नीति उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद कर देगी. चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए मालदीव और नेपाल के साथ भारत और अमेरिका को नयी रणनीति व लचीलेपन से कदम उठाने होंगे, वरना भारत सीधे तौर पर प्रभावित होगा.

> विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है. श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफ के 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की. चीन मदद से पीछे हट गया था. चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है.

मीडिया में अन्यत्र

मुद्रास्फीति के अनुमानों का प्रबंधन

भारत में खाद्य और ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव अस्वाभाविक नहीं है. खाद्य कीमतों का निरंतर बना रहने वाला दबाव हेडलाइन मुद्रास्फीति को ऊंचे स्तर पर बनाए रखता है. ऐसे में यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि ऐसी कीमतों का झटका किस प्रकार मुद्रास्फीतिक नतीजों के प्रबंधन की राह में रोड़ा बन सकता है. मुद्रास्फीति संबंधी नतीजे अपेक्षाकृत अनुकूल हो चुके हैं और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति का अनुमान है कि चालू वर्ष में मुद्रास्फीति की दर औसतन 4.5 फीसदी रह सकती है. इस स्थिति में भी यह 4 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर रहेगी. यह सही है कि मौद्रिक सख्ती और कच्चे माल की लागत में कमी के कारण कोर मुद्रास्फीति की दर चार फीसदी से कम हुई है, लेकिन खाद्य कीमतों के क्षेत्र में बार-बार बनने वाला दबाव हेडलाइन मुद्रास्फीति दर को कोर स्तर तक पहुंचने से रोकता है. दिसंबर के 5.7 फीसदी के स्तर से गिरावट के बावजूद हेडलाइन मुद्रास्फीति की दर जनवरी-फरवरी 2024 में 5.1 फीसदी रही. जनवरी में गिरावट के बाद खाद्य मुद्रास्फीति की दर फरवरी में 7.8 फीसदी तक जा पहुंची. ऐसा प्राथमिक रूप से सब्जियों, अंडों, मांस और मछलियों की कीमतों की बदौलत हुआ. मौद्रिक नीति के नजरिये से देखें तो यह समझना आवश्यक है कि कैसे खाद्य या ईंधन मुद्रास्फीति की कीमतों का दबाव समग्र मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकता है. रिजर्व बैंक अर्थशास्त्रियों के एक शोध आलेख में इस बात की पड़ताल की गई है कि खाद्य और ईंधन की हेडलाइन और कोर मुद्रास्फीति का दूसरा दौर भारत में किस तरह का असर डालेगा. हेडलाइन और खाद्य मुद्रास्फीति की दरों की गति जहां परस्पर संबद्ध है, वहीं इस बात के भी प्रमाण हैं कि घरेलू मुद्रास्फीति के अनुमानों तथा खाद्य मुद्रास्फीति के बीच भी गहरा संबंध है. इसका कोर मुद्रास्फीति की दर के व्यवहार पर असर पड़ता है, जो काफी हद तक आम परिवारों के मुद्रास्फीति संबंधी अनुमानों से संचालित होती है.रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने यह भी पाया कि निकट भविष्य में कोर और हेडलाइन मुद्रास्फीति में समरूपता आ सकती है. इससे संकेत मिलता है कि गैर कोर घटकों से लेकर कोर मुद्रास्फीति तक झटके का प्रसार हो सकता है. सन् 1990 के दशक के 0.37 फीसदी के उच्चतम स्तर से खाद्य मुद्रास्फीति में एक फीसदी की प्रतिक्रिया तबसे लगातार कम हो रही है. 2023-24 की तीसरी तिमाही तक यह प्रतिक्रिया 0.14 फीसदी थी. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उपहास/परिहास

संसार में जितने भी प्राणी हैं, उनमें मनुष्य ही ऐसा प्राणी है, जो हंस सकता है, मुस्करा सकता है, दूसरों को भी हंसा सकता है, मुस्कराने की प्रेरणा दे सकता है. हंसने-हंसाने के कई बहाने होते हैं. इसके लिए हम चुटकुलों का सहारा लेते हैं, हास-परिहास, उपहास करते हैं. हंसी, मजाक, दिल्लगी करते हैं. हंसने-हंसाने के प्रमुख बहाने हैं परिहास और उपहास. ये दोनों शब्द संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा पुल्लिंग हैं. अर्थ के दृष्टिकोण से दोनों समान ही हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार किसी की कमजोरियों को सामने लाने या उसे सबकी दृष्टि में गिराने वाली हंसी को उपहास कहा जाता है. उपहास का मतलब व्यंग्यात्मक हंसी, मजाक और दिल्लगी भी होता है. वहीं परिहास का अर्थ है उपहास, हास्योक्ति, व्यंग्यपूर्ण हंसी, मजाक, दिल्लगी, ईर्ष्या, डाह. इसके बावजूद भाव और वाक्य प्रयोग के दृष्टिकोण से दोनों में अंतर भी है. न तो हर परिहास उपहास होता है और न ही हर उपहास परिहास. उपहास किसी को नीचा दिखाने के लिए अभद्र तरीक़े से किसी व्यक्ति विशेष की खिल्ली उड़ाना होता है, जबकि परिहास आपस में स्नेहिल और मित्रवत हो कर बिना किसी को शर्मिंदा किए हंसी मज़ाक़ करना है. उपहास का अर्थ है किसी की कमज़ोरी या कमी के कारण उसका मज़ाक़ उड़ाना, जो हर दृष्टि से ग़लत ही नहीं, अनैतिक भी है! परिहास का मतलब है मिलजुल कर सहज स्वभाव हंसना या केवल हंसाने के इरादे से मज़ाक़ करना. जैसे चुटकुले सुनाकर या कोई और मजाकिया बात कर के मिलकर हंसना या प्रसन्न होना. यह करना आमतौर से अच्छा होता है क्योंकि इससे मनोरंजन भी होता है. परिहास का तात्पर्य उस अवस्था से है जब दो या अधिक व्यक्ति वातावरण को हल्का बनाने के लिए आपस में हंसी-मज़ाक कर लिया करते हैं, जिससे माहौल खुशनुमा बन जाता है. उपहास का तात्पर्य उस अवस्था से है, जिसमें किसी को नीचा या अपमानित करने की भावना छिपी होती है.

चुनाव पर्व में आयी दाना मांझी की याद

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

भई दाना मांझी, नमस्कार. उम्मीद है कि अगले चुनावों तक तुम सुकशल रहोगे. रहना भी चाहिए आखिर वर्तमान में चुनाव का लोकपर्व चल रहा है. इसलिए तुम्हारी याद आ रही है. लोग आम की गुठली खाकर आराम से जी सकते हैं. यह तुमपर भी लागू होता है. गंभीरता से विचार करने पर तुम्हारी गलतियां सामने आती हैं. अस्पताल ने तो वही किया जिसके लिए वह जाना जाता है. उसने तुम्हारी पत्नी का नाम भी रजिस्टर में दर्ज कर लिया होगा. उन्हें नाम रजिस्टर में दर्ज करने के एवज में करोड़ों रुपये मिल जाते हैं. यह न समझना कि मैं अस्पतालों की निंदा कर रहा हूं. अस्पताल का काम पोस्टमार्टम करना है. वह जिंदा आदमी को भी मुर्दा मानकर उसके ऑफिसियली डेड होने का इंतजार करते हैं, ताकि सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में पोस्टमार्टम किया जा सके. वहां डॉक्टर नाम की मशीनें होती हैं, जिनका काम मरने के बाद बयान देना होता है. उन्होंने तुम्हारे मामले में भी बयान दिया कि भई गाड़ी के इंतजाम होने तक दाना रुका ही नहीं. बात भी सही है. पहली बात तो तुम्हारी पत्नी को गाड़ी के इंतजाम होने के बाद ही मरना चाहिए था. डॉक्टर आते, कहते, गाड़ी का इंतजाम हो गया तो अपने प्राण छोड़ देती. अस्पताल की गलती तो नहीं दिखती. तुम्हारा दूसरा आरोप कि अस्पताल ने तुमसे सारे पैसे ले लिये. प्रथम दृष्टया यह गलत लगता है, क्योंकि तुम्हारे बदन पर कपड़ा है. तुम्हारी पत्नी भी कपड़ों में लिपटी है. तुम्हारी दस साल की बेटी के पांव में एक स्लीपर है. प्राप्त सबूतों से यह साफ हो जाता है कि सरकारी अस्पताल अभी भी संवेदनशील हैं. उनकी मानवता जिंदा है. तुम्हारी पत्नी ने मरकर एक बार फिर इस बहस का हवा दे दी कि आदिवासी वाकई गरीब ही होते हैं. उन्हें जंगलों में रहने और आम की गुठलियां खाने का शौक नहीं होता. सरकार बेचारी तो जानती ही है लेकिन क्या करे. आदिवासियों के नाम पर तो वोट मिलते नहीं हैं. वोट तो मिलते हैं गाय, तिरंगा, और राम के नाम पर. बहरहाल, सत्तर साल के बाद एक आदमी की जेब में उसकी पत्नी के अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं हैं तो यह उसकी गलती है. यदि वह गरीब है तो उसने शादी क्यों की ? वह वोटर है वोटर की तरह रहे. आदमी बनने की कोशिश न करे. यही सिस्टम के साथ बगावत माना जाता है. सिस्टम के साथ बगावत करने का अर्थ है कि माओवादियों की सूची में नाम दर्ज हो जायेगा. आदिवासी गरीब हो तो स्वाभाविक है. वह भूख से मरे तो नेचुरल है. वह बारह किलोमीटर अपनी पत्नी की लाश लेकर चले तो दुस्साहसी है. यह दुस्साहस ,टीवी न्यूज के लिए, समाचार बेचने के लिए, साहित्यिक सामग्री के लिए और चुनाव प्रचार के लिए तो ठीक है, लेकिन सिस्टम के खिलाफ खड़ा होने की बात गलत है. सिस्टम आज न कल तो सुधर ही जायेगा.

हस्ताक्षर

राजनीति और सितारों के बढ़ते सरोकार

आजादी की लड़ाई में अभिनेताओं की कोई सीधी भूमिका नहीं देखी गई. आजादी के तुरंत बाद भी दलगत राजनीति में नेताओं की सक्रियता न के बराबर थी. आज सक्रिय राजनीति में शामिल होने के लिए अभिनेताओं-अभिनेत्रियों की कतार लगी है. क्यों अचानक कलाकारों के मन में 'देश सेवा' की हिलोरें उठने लगी? हस्ताक्षर में इसी मसले पर विमर्श कर रहे वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार विनोद अनुपम...

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

सिनेमा उस समय भी था, लेकिन न तो गांधी जी के साथ और न ही भगत सिंह के साथ आजादी की लड़ाई में अभिनेताओं की कोई सीधी भूमिका देखी जा सकी थी. हां, यह जरूर है कि दादा साहब फाल्के, बाबू राव पेंटर, विजय भटट्, वी. शांताराम जैसे फिल्मकारों ने राजनीतिक रूप से सचेत फिल्मों का निर्माण किया और अपनी विधा से स्वाधीनता आंदोलन को भरसक सहयोग पहुंचाने की कोशिश की. 'भक्त विदुर' उस समय कोई अकेली फिल्म नहीं थी, जिस पर अंग्रेजी सरकार ने इस आधार पर रोक लगा दिया था कि 'भक्त विदुर' को गांधी के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो एक तरह से 'राजद्रोह' है. प्रेमचंद की कहानी पर बनी 'मिल मजदूर' कोई अकेली फिल्म नहीं थी जो अपनी क्रांतिकारी विचारधारा के कारण रोक दी गई. आजादी के दौर में हिन्दी फिल्मकारों की यह सामान्य परम्परा थी जिसका निर्वाह हम वी. शांताराम की 'दुनिया ना माने' (1937), 'आजादी' (1939), 'पड़ोसी' (1941), 'दहेज' जैसी फिल्मों के रूप में आज भी याद करते हैं.

इसी राजनीतिक चेतना का विस्तार आजादी के बाद भी देखा जा सकता है. तुरंत मिली आजादी के उत्साह, विकास की पुरजोर आशाएं बंधाते नेहरू के स्वप्निल नेतृत्व और अपनी विधा के प्रति ईमानदार लगन से फिल्मकारों ने उस समय काफी अच्छी और महत्वपूर्ण फिल्में दीं, पूरे सकारात्मक सोच के साथ. एक ओर 'नया दौर', 'लीडर' तथा दूसरी ओर 'आवारा', 'जिस देश में गंगा बहती है' बन रही थीं गुरुदत्त 'प्यासा' जैसी फिल्में बनाकर उस पीढ़ी को निराशा के प्रति भी सचेत कर रहे थे. लेकिन उस समय भी दलगत राजनीति में अभिनेताओं की सक्रियता न के बराबर थी, सिवा इसके कि कलाकार कोटे से राज्य सभा में पृथ्वीराज कपूर का मनोनयन हो सका था और एक आयोजन में पं. नेहरू प्रदीप का लिखा और लता मंगेशकर का गाया 'ऐ मेरे वतन के लोगों..' सुनकर रोने लगे थे.

आज जब सक्रिय राजनीति में शामिल होने के लिए अभिनेताओं-अभिनेत्रियों की कतार लगी है, यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि अचानक कौन सा परिवर्तन आ गया! क्यों अचानक कलाकारों के मन में 'देश सेवा' की हिलोरें उठने लगी? एक अद्भुत विरोधाभास यह भी है कि आज जब अधिकांश फिल्में समय, समाज और सोउद्देश्यता से एक दम विपरीत बन रही है. सिनेमा का एकमात्र उद्देश्य संस्कृति एवं समाज का विखंडन दिखाना ही हो गया है, और कलाकारों की ओर से ही नहीं, फिल्मविधा से जुड़े किसी व्यक्ति की ओर से कोई आपत्ति भी व्यक्त नहीं की जा रही है. ऐसे में संसदीय राजनीति के प्रति उनका लगाव और संसदीय पार्टियों के प्रति अतिरिक्त झुकाव दोनों ही ढेर सारे निहितार्थों की ओर इशारा करते लगते हैं.

वास्तव में सिनेमा और राजनीतिक पार्टियों में कोई सीधा सरोकार नहीं रहने के बावजूद दोनों के स्वभाव में आश्चर्यजनक समानता देखी जा सकती है. आजादी के बाद शुरुआती दौर में जब राजनीतिक पार्टियां अपनी जनता के प्रति जवाबदेह थी, तो सिनेमा भी उसी तेवर के साथ सामने आ रहा था. एक तरफ राजनीतिक पार्टियों में पटेल और लोहिया थे तो दूसरी तरफ राजकपूर और वी. शांताराम. दोनों के समानुपातिक तेवर पर गौर इसी से किया जा सकता है कि बाद के दिनों में जैसे- जैसे पार्टियों ने जन सरोकारों से अपना मुंह फेरना शुरू किया, सिनेमा भी आम जनता से दूर होती चली गई.

गौरतलब है कि जब तक दोनों जनता के प्रति जवाब देह रहे, अपनी-अपनी पहचान के साथ संतुष्ट ही नहीं, उसकी बेहतरी में भी जुटे रहे. लेकिन जैसे-जैसे राजनीतिक पार्टियों और सिनेमा जनता से दूर होते गए उनकी निकटता बढ़ती चली गई. आज भारतीय सिनेमा में ऐसे कलाकार को ढूंढना मुश्किल है जो किसी न किसी राजनीतिक पार्टियों की नैया पर सांसद, भूतपूर्व सांसद या फिर भावी सांसद के रूप में सवार नहीं है. उसी तरह ऐसी राजनीतिक पार्टियां ढूढना कठिन है जो फिल्मी सितारे के माध्यम से अपनी छवि निखारने की कोशिश में नहीं जुटी है. क्या संविधान निर्माताओं ने लोकतंत्र की इस नियति के बारे में भी कभी सोचा होगा?

क्या अदा, क्या जलवे दिल धड़काती पाक हसीनाएं

पाकिस्तान की खूबसूरत अदाकारा माहिरा खान इन दिनों चर्चा में हैं. इनकी कातिलाना अदाओं वाली तस्वीरें वायरल हो रही हैं. दरअसल पिछले दिनों दुबई में आयोजित ईएमआई गाला अवार्ड्स में माहिरा शरीक हुई थीं. इवेंट में जो उनका लुक था, फैंस उसके दीवाने हुए जा रहे. वहीं हीरामंडी, द डायमंड बाजार के लॉस एंजिल्स प्रीमियर के दौरान संजय लीला भंसाली ने भी माहिरा का जिक्र किया और कहा कि वह इस वेबसीरीज के लिए उनकी फर्स्ट च्वॉइस थीं. चर्चा में तो इन दिनों पाकिस्तानी मॉडल व एक्ट्रेस मरीहा सफदर भी हैं . मरीहा ने पाकिस्तानी टीवी शो में एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड के सह कलाकारों की चर्चा करते हुए नरगिस को जलनखोर और घमंडी करार दिया था. बहरहाल, माहिरा और मरीहा ही नहीं, पाकिस्तान की कई हसीना अपनी अदा और खूबसूरती से बॉलीवुड में चहकती-महकती रही हैं. पाकिस्तान से बॉलीवुड आकर फैंस के दिल की धड़कन बढ़ाने वाली ऐसी ही कुछ अदाकारा की करें आज बात...

मावरा होकेन

मावरा होकेन ने फिल्म 'सनम तेरी कसम' से भारतीय सिनेमा में कदम रखा था. इस फिल्म में उनका एक किसिंग सीन था जिसने दोनों देशों में आग सी लगा दी थी. मावरा रातोंरात बॉलीवुड में छा गई थीं. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म हिट हुई. हर्षवर्धन राणे के साथ उनकी जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया था. पॉपुलैरिटी मिलने के बाद अचानक मावरा बॉलीवुड ही नहीं, पाकिस्तानी सिनेमा से भी गायब सी हो गई थीं. कई सालों बाद एक शो में बातचीत के दौरान मावरा ने अपने इंडस्ट्री से गायब होने की वजह अपनी पढ़ाई बताई और कहा कि एक्टिंग करियर के साथ पढ़ाई पूरी कर पाना मेरे लिए जरा मुश्किल काम रहा. बता दें कि मावरा ने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से लॉ डिग्री लिया है. उनका सरनेम थोड़ा अलग सा लगता है. दरअसल जब वे सातवीं क्लास की छात्रा थीं, उस दौरान उन्होंने अपना सरनेम हुसैन से बदलकर होकेन कर लिया था. मावरा हुसैन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत पाकिस्तान में भी साल 2011 के दौरान सीरियल खिचड़ी सालसा से की थी. इसके बाद उन्होंने लव के चक्कर में, कंट्री लव, मेरे हुजूर, एक तमन्ना लहासिल सी, यहां प्यार नहीं है, निखर गए गुलाब सारे, मैं गुनहगार नहीं, हल्की सी ख्वाहिश और मेरे हरजाई समेत तमाम सीरियल्स में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाया है.

माहिरा खान

हॉट व ग्लैमरस नजर आने वाली माहिरा पाकिस्तान की सुपर स्टार हैं तो बॉलीवुड में भी दखल रखती हैं. उन्होंने बॉलीवुड में शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' (2016) से डेब्यू किया था. शाहरुख के साथ माहिरा की जोड़ी को फैंस ने पसंद भी किया. हालांकि, इस फिल्म के बाद वह बॉलीवुड में नजर नहीं आईं, क्योंकि साल 2016 में उड़ी अटैक के बाद पाकिस्तानी सेलेब्स को भारत में बैन कर दिया गया था. हाल ही दुबई में एक म्यूजिक कंसर्ट में माहिरा अगली पंक्ति में बैठी थीं और गायक अरिजीत सिंह उन्हें पहचान नहीं पाए. रोचक यह था कि अरिजीत रईस फिल्म का वही गाना गा रहे थे जिसे महिरा पर फिल्माया गया था- जालिमा...जब अरिजीत को यह बात पता चली कि माहिरा सामने बैठी हैं और वे पहचान नहीं पाए तो उन्होंने सरेआम उनसे माफी मांगी. माहिरा इसपर बेहद खूबसूरती से मुस्कुरा दीं. यह वीडियो भी इंटरनेट पर खूब घूम रहा.

सजल अली

मॉम फिल्म (2017) में श्रीदेवी की बेटी का किरदार निभाने वाली पाकिस्तानी अभिनेत्री सजल अली का किरदार काफी पसंद किया गया था और सजल भी बॉलीवुड में अपनी पहचान और बनाने को इच्छुक थीं, लेकिन भारत पाक के रिश्ते में आया तनाव उनकी इच्छा पूरी होने में बाधक रहा. पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था- यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम कलाकार दोनों देशों के तनाव में फंस जाते हैं. इससे हमारे काम पर असर पड़ता है. जब मैंने बॉलीवुड में काम किया तो मुझे बहुत प्यार और रिस्पेक्ट मिली, जो आज तक मेरे दिल के बेहद करीब है. कला और कलाकार के बीच राजनीति नहीं आनी चाहिए. मैं फिर से भारत में काम करना चाहूंगी. लेकिन मुझे नहीं पता है कि ऐसा कब होगा! ये दीवार जो इंडिया और पाकिस्तान के बीच बनी हैं, वो खत्म हो जाए.' इसी इंटरव्यू में उन्होंने श्रीदेवी को भी शिद्दत से याद किया और कहा कि उनसे हमारा बस काम भर का रिश्ता नहीं था, वे बिल्कुल मां की तरह थीं. दुर्भाग्य से बहुत जल्दी हमें छोड़ कर चली गईं.

इंस्ट्राग्राम पर सजल को एक करोड़ से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. फिल्म 'व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट?' से सजल ने हॉलीवुड डेब्यू किया. पिछले दिनों इस लिए भी चर्चा में रहीं क्योंकि पाकिस्तानी सेना के एक सेवा निवृत अधिकारी ने उनपर हनीट्रैप के गंभीर आरोप लगाए. शादीशुदा जिंदगी में खटपट को लेकर भी उनकी चर्चा होती रही है. इंस्ट्रा से जब उन्होंने पति अहद रजा मीर का नाम हटाया तो फैंस चौंक गए.

वीना मलिक

पाकिस्तान की बोल्ड एक्ट्रेस वीना मलिक ने बॉलीवुड में भी काफी सुर्खियां बटोरी और भारत में भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. बिग बॉस सीजन 4 में भी जब हिस्सा लिया तो अमीषा पटेल के भाई अश्मित पटेल के साथ उनकी नजदिकियों ने शो की टीआरपी को आसमान में उछाला. एफएचएम मैगजीन के कवर पेज पर उनकी बोल्ड तस्वीरों पर आज भी चर्चा होती है. पाकिस्तानी फिल्म 'तेरे मेरे प्यार में' से करियर की शुरुआत की थी और उसके बाद 'ये दिल आपका हुआ', 'कोई तुझ सा कहां', 'क्यों तुमसे प्यार इतना है' 'कभी प्यार न करना', जैसी कई फिल्मों में नजर आईं. साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'दाल में कुछ काला है' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था. इसके बाद वह जिंदगी '50-50', 'वे सुपरमॉडल', 'मुंबई केएम थ्री डी में नजर आई थीं. इसके अलावा, अभिनेत्री ने फिल्म 'तेरे नाल लव हो गया' में आइटम नंबर भी किया था. वीना ने साउथ फिल्म ननग्ना सित्यम में काम किया था. हालांकि, लंबे समय से वीना किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं लेकिन वह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं. वह अक्सर इंस्टाग्राम पर अपने फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. इसके अलावा, वह ब्रांड प्रमोशन करती दिखती हैं. वीना व्यक्तिगत जीवन के कारण भी सुर्खियों में रहती हैं. साल 2013 में उन्होंने बिजनेसमैन असद बशीर खान से शादी की थी. दो बच्चों के जन्म के बाद साल 2018 में अभिनेत्री ने अपने पति से तलाक ले लिया.

मई में ओटीटी पर एंटरटेनमेंट का फुल डोज

मई के महीने में कई सीरीज और फिल्में ओटीटी पर रिलीज हो चुकी हैं और आगे पूरे महीने होने वाली हैं. महीने की शुरुआत संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' से हुई. 1 मई को 'हीरामंडी' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है. शैतान सिनेमाघर में रिलीज होने के बाद अब 3 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुईं. वेब सीरीज 'द ब्रोकन न्यूज' का दूसरा सीजन 2 भी 3 मई को जी5 पर रिलीज हुआ. आइए, मई महीने में रिलीज हो रहे दूसरे सीरीज और फिल्म की करें बात-

- **'मंजुम्मेल बॉयज'**

मंजुम्मेल ब्वॉयज 20 करोड़ में बनी मलयालम सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है, जो इसी साल 22 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुई थी. ग्रुप फ्रेंड्स की कोची से तमिलनाडु के कोडाइकनाल ट्रिप में सर्वाइवल की कहानी है. असल घटनाओं पर आधारित इस फिल्म ने 34 दिनों में वर्ल्डवाइड 215 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जबकि देश में इसने 121 करोड़ रुपये से अधिक का नेट कलेक्शन किया है. अब 5 मई को मूवी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है. ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी. इसके निर्देशक चिदंबरम हैं, वहीं सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, बालू वर्गीस, आदि ने अदाकारी की है.

- **'योद्धा'**

पुष्कर ओझा और सागर आम्ब्रे निर्देशित फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म में एक फौजी का रोल निभाया. सिनेमाघरों में फिल्म ने कोई कमाल नहीं दिखाया. फिल्म 'योद्धा' का बजट 55 करोड़ रुपये का था. फिल्म ने महज 33 करोड़ रुपये का ही कारोबार किया था. फिल्म में राशि खन्ना और दिशा पटानी ने भी रोल कियाथा. ये फिल्म 15 मई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी.

- **'मडगांव एक्सप्रेस'**

'मडगांव एक्सप्रेस' की कहानी तीन दोस्तों (दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी) की है. ये तीनों गोवा जाने का प्लान बनाते हैं, लेकिन जिंदगी की उधेड़बुन में वह कभी पूरा नहीं हो पाता. समय के साथ तीनों अपनी जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं. जब वापस एक दूसरे से कनेक्ट करते हैं, तो एक दूसरे को अपनी-अपनी जिंदगी के बारे में काफी कुछ बताते हैं. इसके बाद इनके साथ कुछ इंसीडेंट होते हैं, जिसमें कॉमेडी का तड़का कूट-कूट कर भरा गया है. बॉक्स ऑफिस पर 22 मार्च को रिलीज हुई यह फिल्म अब17 मई को हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी.

- **'अनदेखी सीजन 3'**

अनदेखी 3 में पापा जी का नया अवतार देखने को मिलने वाला है. सोनी लिव ने पिछले दिनों इसका ट्रेलर जारी किया था, जिसमें कई दिलचस्प खुलासे देखने को मिले थे. अनदेखी 3 में हर्ष छाया, दिब्येंदु भट्टाचार्य, सूर्या शर्मा, अंकुर राठी, ऐन जोया, आंचल सिंह, शिवांगी सिंह और वरुण बडोला के साथ कई अन्य कलाकार भी दिखाई देने वाले हैं. यह सीरीज सोनी लिव एप पर 10 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है.

- **अदुजीविथम- द गोट लाइफ**

अदुजीविथम एक ऐसे भारतीय निवासी नजीब मुहम्मद को घर वापस भेजने की कहानी है, जो पैसा कमाने के लिए सऊदी जाता है, लेकिन वहां जाकर उसे बकरियों को चारा डालते हुए एक गुलाम की तरह जीवन जीना पड़ता है. मलयालम भाषा में बनी ये फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 10 मई को रिलीज होगी. इसके निर्देशक ब्लेससी हैं और पृथ्वीराज सुकुमारन, जिमी जीन-लुईस, अमला पॉल और शोभा महान ने अदाकारी की है.

- **स्वातंत्र्यवीर सावरकर**

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की जिंदगी पर बनी फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' भी मई के महीने में ही जी फाइव ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी.

ओरी! सच बताओ, दोनों में है प्यार क्या?

सोशल मीडिया सेंसेशन ओरहान अवात्रामणि उर्फ ओरी को अक्सर बी-टाउन के स्टार्स के साथ पार्टी करते और उनकी तस्वीरों को शेयर करते नजर आते हैं. ओरी सेलेब किड्स के भी फेवरेट हैं. हाल ही में, उन्हें काजोल-अजय देवगन की बेटी न्यासा और अक्षय कुमार के बेटे आरव के साथ पार्टी करते हुए देखा गया. जहां न्यासा एक शिमरी ब्लैक कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थी, वहीं दूसरी ओर आरव ब्लैक बो के साथ व्हाइट शर्ट में काफी जच रहे थे. इस तस्वीर के सामने आने के बाद एक बार फिर चर्चा चल पड़ी कि क्या आरव को न्यासा को डेट कर रहे?

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

हार से टोटेनहम की उम्मीदों को झटका

लंदन। चेलसी के हाथों 2-0 से मिली हार के साथ टोटेनहम की चैंपियंस लीग फुटबॉल के लिये क्वालीफाई करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा. प्रीमियर लीग में टोटेनहम की यह चार दिन में दूसरी हार थी. उसे आर्सनल ने रविवार को 3-2 से हराया था. इंग्लैंड को अगले सत्र में चैंपियंस लीग में चार ही कोटा स्थान मिलेंगे. टोटेनहम तालिका में पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर काबिज एस्टोन विला उससे सात अंक आगे है.

स्वियातेक मैड्रिड ओपन फाइनल में

मैड्रिड। इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना एरिना सबालेंका से होगा. शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने कीस को 6-1, 6-3 से मात दी. अब वह सबालेंका से खेलेंगी जिन्होंने चौथी रैंकिंग वाली एलेना रिबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 से हराया है. पुरुष वर्ग में दानिल मेदवेदेव 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका से पहला सेट 4-6 से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल मैच से रिटायर हो गए. उन्हें दाहिने पैर में चोट लगी थी और उपचार भी लेना पड़ा. लेहेका का सामना अब 35वीं रैंकिंग वाले फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा.

तीन देशों के खिलाफ 7 टेस्ट खेलेगा पाक

लाहौर। पाकिस्तान अगस्त 2024 से जनवरी 2025 के बीच इंग्लैंड, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र के तहत सात टेस्ट खेलेगा. पाकिस्तान में इंग्लैंड की टीम दो और बांग्लादेश तीन टेस्ट खेलेगी. इसके बाद पाकिस्तानी टीम दक्षिण अफ्रीका में तीन टी-20, तीन वनडे और दो टेस्ट खेलेगी. पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि डरबन, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग में 10 से 14 दिसंबर के बीच टी20 मैच होंगे जबकि वनडे मैच 17 से 22 तक पार्ल, केपटाउन और जोहानिसबर्ग में खेले जायेंगे. टेस्ट मैच सेंचुरियन (26 से 30 दिसंबर) और केपटाउन (तीन से सात जनवरी) में खेले जायेंगे.

एक दूसरे के प्रेरणास्रोत होंगे शुभंकर- गगनजीत

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटे शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर को उम्मीद है कि खेलों के सबसे बड़े महासमर में गोल्फ के पदार्पण पर वे एक दूसरे का दबाव और तनाव कम करने में सहायक साबित होंगे. शर्मा व भुल्लर अंतरराष्ट्रीय गोल्फ रैंकिंग में क्रमशः 47वें और 52वें स्थान पर हैं और 1 अगस्त से शुरू हो रही ओलंपिक गोल्फ स्पर्धा के लिये शीर्ष 60 में होने की वजह से क्वालीफाई कर लेंगे. ये दोनों खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना में शामिल हैं. बीजिंग में वोल्वो चाइना ओपन खेल रहे शर्मा ने कहा, 'टॉप्स से योग्य खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर खेलने का मौका मिलता है. मुझे अपने अनुभव के दम पर ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है.' उन्होंने भुल्लर के बारे में कहा, 'गगन एक चैंपियन गोल्फर है और मैं उसका काफी सम्मान करता हूं. उसमें जीत की ललक है और हम एक दूसरे के मददगार साबित होकर पेरिस में भारत का परचम लहरायेंगे.'

प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखने के लिये आज हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी

आरसीबी और गुजरात के लिये करो या मरो का मुकाबला

एजेंसी। बेंगलुरू

समीकरणों के आधार पर अभी भी प्लेआफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस को अपनी थोड़ी बहुत उम्मीदें भी कायम रखने के लिये शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू दस मैचों में छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे है जबकि टाइटंस दस मैचों में आठ अंक लेकर आठवें स्थान पर है. चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स (10 अंक) की पिछले मैच में हार के बाद इन दोनों टीमों की उम्मीदें बंधी है. दोनों को बखूबी पता है कि दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहने की बजाय खुद अपने अभियान को ढर्रे पर लाना होगा. अपने मैदान पर खेल रही आरसीबी के लिये विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं जो इस सत्र में 500 रन पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने. आरसीबी को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी. गेंदबाजों ने हालांकि मेजबान को निराश किया है. मोहम्मद सिराज, यश दयाल, कर्ण शर्मा और स्वप्निल सिंह कोई भी प्रभावित नहीं कर सका है. बल्लेबाजों की ऐशगाह चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर उन्हें गुजरात के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा. हालांकि अभी तक वे एक ईकाई के रूप में अच्छा नहीं खेल सके हैं. इसी वजह से दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी ने पिछले दो मैचों में उसे हराया है.

स्टार स्पिनर राशिद खान का प्रदर्शन ख्याति के अनुरूप नहीं

शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन ने मिलकर गुजरात के लिये 700 से अधिक रन बनाये हैं. रिधिमान साहा, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, विजय शंकर और शाहरूख खान 200 रन के आसपास भी नहीं पहुंच सके हैं. गेंदबाजी में स्टार स्पिनर राशिद खान समेत कोई भी अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है. राशिद ने दस मैचों में आठ की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिये हैं. पिछले साल उन्होंने 8-24 की इकॉनॉमी रेट से 27 विकेट लिये थे. तेज गेंदबाजी में टीम को मोहम्मद शमी की कमी खल रही है जो सर्जरी के बाद उबर रहे हैं. उमेश यादव और मोहित शर्मा काफी महंगे साबित हुए हैं. मोहित ने 10 विकेट लिये लेकिन 11 से अधिक की दर से रन दिये हैं. उमेश सात ही विकेट ले सके हैं.

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार.

मैच का समय : शाम 7.30 से

केकेआर के सुपरमैन हैं सुनील नारायण, फैशनपरस्त हैं रसेल

एजेंसी। मुंबई

- *सुनील ने अब तक इस सत्र में एक शतक व दो अर्धशतक के अलावा दर्जनभर विकेट चटकाये*
- *शाहरूख ने रसेल और रिंकू सिंह की गहरी दोस्ती को शोले के 'जय वीरू' की उपमा दी*

पिछले एक दशक से अधिक समय से सुनील नारायण ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और टीम मालिक शाहरूख खान ने उन्हें 'सुपरमैन' करार देते हुए टीम की सफलता के पीछे असली ऊर्जा बताया. केकेआर फिलहाल आईपीएल की अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है. नारायण ने अब तक इस सत्र में एक शतक और दो अर्धशतक के अलावा दर्जन भर चटकाये हैं. शाहरूख ने स्टार स्पोर्टस के 'नाइट क्लब प्रेजेंट्स किंग खान रूल्स' पर कहा, 'हम अपने घर में उसे सुपरमैन बुलाते हैं. मैदान पर वह बॉस है. बल्लेबाज, गेंदबाज, विकेटकीपर, फील्डर, वह सबकुछ है.' केकेआर की 2012 और 2014 में खिताबी जीत में नारायण ने 21 और 24 विकेट लिये थे.

शाहरूख ने कहा, 'वह इतना ऊर्जावान है. हम खुशकिस्मत हैं कि हमारे पास भारतीय और विदेशी बेहतरीन खिलाड़ी हैं. नारायण और आंद्रे रसेल के बिना केकेआर की कल्पना नहीं हो सकती. जब ये चोटिल होते हैं तो मुझे चिंता हो जाती है कि हम कैसे करेंगे. इतने साल से ये हमारे साथ हैं कि परिवार का हिस्सा बन गए हैं.' नित नई हेयरस्टाइल रखने वाले रसेल को शाहरूख ने फैशनपरस्त कहा. उन्होंने कहा, 'वह इतना शानदार क्रिकेटर है. वह हमें यूनिवर्सल बॉस क्रिस गेल की याद दिलाता है. वह उसी की तरह है और फैशनपरस्त भी है.' रसेल और रिंकू सिंह की गहरी दोस्ती को शोले के 'जय वीरू' की उपमा देते हुए उन्होंने

कहा, 'रिंकू और रसेल की दोस्ती जय वीरू की तरह है. वे एक दूसरे के काफी करीब है और एक दूसरे की मदद भी करते हैं.'

शुभंकर शर्मा ने बीजिंग में कट हासिल किया संयुक्त 32वें स्थान पर

बीजिंग। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने शुक्रवार को यहां वोल्वो चाइना ओपन के दूसरे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेलकर कट में जगह बनायी. सत्ताईस साल का यह भारतीय दूसरे दिन महज एक बर्डी ही लगा सका लेकिन कट हासिल करने में सफल रहा. शर्मा संयुक्त 32वें स्थान पर बने हुए हैं. शर्मा ने पहले दिन छह अंडर 66 का कार्ड खेला था जिससे अब 36 होल में उनका कुल स्कोर पांच अंडर का है. अन्य भारतीयों में ओम प्रकाश पहले दौर के अच्छे प्रदर्शन के बाद दूसरे दौर में दो ओवर 75 का स्कोर बनाने से संयुक्त 94वें स्थान पर रहे और कट में जगह बनाने से चूक गये.

मेरा काम 13वें-14वें ओवर तक टिकना है ताकि क्लासेन आक्रामक खेल सके : नीतिश रेड्डी

एजेंसी। हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद के मध्यक्रम को मजबूती देने की भूमिका बखूबी निभा रहे युवा नीतिश रेड्डी को भविष्य में भारतीय टीम के हरफनमौला के रूप में देखा जा रहा है चूंकि वह उपयोगी मध्यम तेज गेंदबाज भी हैं. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पारी की शुरुआत करते हुए रेड्डी ने नाबाद 76 रन बनाये और ट्रेविस हेड ने आक्रामक अर्धशतक लगाया. हेनरिच क्लासेन ने 19 गेंद में 42 रन बनाकर सनराइजर्स को तीन विकेट पर 201 रन तक पहुंचाया. अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर रॉयल्स को एक रन से हराने में अहम भूमिका निभाई. नीतिश ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'पिछले दो मैचों में जल्दी विकेट गिरने के कारण मुझे उतरना पड़ रहा था. मेरा काम 13 वें-14 वें ओवर तक टिकना है ताकि बाद में क्लासेन आक्रामक खेल सके. समद और क्लासेन को जल्दी उतारने का कोई मतलब नहीं अगर वे खुलकर नहीं खेल सकें.' उन्होंने आखिरी ओवर में शानदार प्रदर्शन के लिये भुवनेश्वर की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं देख रहा था कि आखिरी ओवर कौन डालता है. जब भुवनेश्वर को गेंद सौंपी गई तो मुझे यकीन हो गया कि वह मैच जिता देगा. वह अपने कैरियर में कई बार ऐसा कर चुका है.' वहीं रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग ने 49 गेंद में 77 रन बनाये लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. उन्होंने कहा, 'मुझे कई पहलुओं पर काम करना है. मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं. मुझे टीम को जीत तक ले जाना चाहिये था. अपनी गलतियों से सबक लेकर मैं उन्हें दोहराने से बचूंगा.'

49 गेंद में 77 रन रियान पराग ने बनाये लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके.

सुमित को पेरिस ओलंपिक के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद

अतीत के संघर्षों ने बड़ी उपलब्धियों को हासिल करने के लिये दी प्रेरणा

एजेंसी। बेंगलुरू

ओलंपिक और एशियाई खेल पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे सुमित को अतीत के संघर्षों ने एक और पदक अपनी झोली में डालने के लिये प्रेरित किया है. सुमित को पेरिस ओलंपिक के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद है और अंतिम 16 में स्थान पाने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा से वह विचलित नहीं हैं. सुमित ने भारतीय टीम की तैयारियों के शिविर से इतर पीटीआई से कहा, 'मेरे जीवन में काफी संघर्ष रहे हैं और कठिन अतीत की यादों से मुझे आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है. इससे बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की ऊर्जा मिलती है'. सुमित ने 2021 में तत्कालीन कोच ग्राहम रीड द्वारा उन्हें टीम से बाहर किये जाने को मैदान पर सबसे बड़ी चुनौती बताया. उस साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद सुमित को टीम से बाहर कर दिया गया और उसके बाद राष्ट्रमंडल खेल या विश्व कप के लिये नहीं चुना गया. दो साल टीम से बाहर रहना उनके लिये कठिन था लेकिन सुमित ने उम्मीद नहीं छोड़ी.

नये कोच क्रेग फुल्टोन की तारीफ उन्होंने कहा, 'मैं निराशा को दिमाग में घर करने नहीं देता लेकिन एक खिलाड़ी के लिये टीम से बाहर होना काफी कठिन होता है. पिछले कुछ साल में मैंने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं लेकिन टीम में वापसी की चुनौती मेरे लिये अच्छी थी.' सुमित ने कहा, 'टीम से बाहर रहने पर बुरा इसलिये लगता है कि आपको लगने लगता है कि कोच आप पर भरोसा नहीं करता. इस सोच से खेल प्रभावित होने लगता है. मैंने हालांकि अपने खेल पर मेहनत करके दावा पुख्ता किया.' उन्होंने नये कोच क्रेग फुल्टोन की तारीफ करते हुए कहा, 'फुल्टोन ने ऐसा माहौल बनाया है जिसमें हर खिलाड़ी को अहमियत दी जा रही है. हर खिलाड़ी से उनका संपर्क है और वह पूरी टीम को साथ लेकर चलते हैं.'

चेज करने में हार्दिक-विराट का संयोजन शानदार होगा : श्रीसंत

एजेंसी। नयी दिल्ली

- पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने पंड्या के टी20 विश्व कप टीम में चयन का किया समर्थन

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने शुक्रवार को हार्दिक पंड्या के टी20 विश्व कप टीम में चयन का समर्थन करते हुए कहा कि विराट कोहली के साथ इस आल राउंडर की मौजूदगी मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छा संयोजन साबित होगी. फॉर्म से बाहर चल रहे पंड्या को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल करने से सवाल उठ रहे हैं लेकिन चयनकर्ताओं ने उनके पिछले रिकॉर्ड तथा गेंद एवं बल्ले दोनों से तेजी से खेल का परिदृश्य बदलने की उनकी काबिलियत को ध्यान में रखकर यह फैसला किया है. साथ ही अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कपके लिए उन्हें उप कप्तान नियुक्त करने पर भी काफी लोग हैरान हैं. लेकिन कपिल देव के युग के बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ आउटस्विंग गेंदबाजों में शुमार श्रीसंत ने इस फैसले का समर्थन करते हुए 'स्टार स्पोर्ट्स' पर एक चर्चा के दौरान कहा, 'इस साल के आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को छोड़ दें तो हम सभी ने देखा है कि वह मैदान पर क्या करने की काबिलियत रखता है. वह जिस तरह से देश के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर रहा है और यहां तक कि उसने एक श्रृंखला में टीम की अगुआई की और इसमें जीत दिलायी.' उन्होंने कहा, 'रोहित से इसके बारे में पूछा गया था और उन्होंने कहा कि कभी कभार मैं कप्तान होता हूं और कभी कभार नहीं, लेकिन इससे टीम का माहौल और जज्बा नहीं बदलता.'

आईसीसी रैंकिंग टेस्ट में भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन आस्ट्रेलिया को शीर्ष स्थान गंवाया

भारत ने सफेद गेंद में बरकरार रखी अपनी बादशाहत

संवाददाता। दुबई

भारत ने शुक्रवार को जारी ताजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) सालाना रैंकिंग अपडेट में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा लेकिन पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई. पांच दिवसीय प्रारूप में भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन आस्ट्रेलिया को शीर्ष स्थान गंवा दिया. सालाना अपडेट में 2020-21 सत्र के नतीजे हटा दिये गये हैं और इसमें मई 2021 के बाद पूरी हुई सभी श्रृंखलायें शामिल हैं. भारत (120 अंक) टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलिया (124) से

महज चार अंक पीछे है और तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड से 15 अंक आगे है. दक्षिण अफ्रीका (103 अंक) 100 अंक से ऊपर हासिल करने वाली चौथी टीम है. भारत मुख्यतः 2020-21 में आस्ट्रेलिया में मिली 2-1 की जीत के रैंकिंग के हटाये जाने से दूसरे स्थान पर खिसका. तीसरे से नौवें स्थान की रैंकिंग वाली टीम का क्रम समान है. अब केवल नौ टीम ही रैंकिंग में शामिल हैं क्योंकि अफगानिस्तान और आयरलैंड रैंकिंग में शामिल होने के लिए जरूरी टेस्ट नहीं खेलते हैं जबकि जिम्बाब्वे ने पिछले तीन वर्षों में केवल तीन टेस्ट खेले हैं.

रैंकिंग तालिका में शामिल होने के लिए तीन साल में न्यूनतम आठ टेस्ट खेलने जरूरी

एक टीम को रैंकिंग तालिका में शामिल होने के लिए तीन साल में न्यूनतम आठ टेस्ट खेलने होते हैं. सलाना अपडेट के बाद भारत हालांकि वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है. इसमें मई 2023 से पहले पूरे हुए मैच के 50 प्रतिशत और इसके बाद के मैच के शत प्रतिशत अंक शामिल हैं. भारत भले ही आस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप फाइनल हार गया हो लेकिन उसने उस पर बढ़त तीन से बढ़ाकर छह अंक की कर ली है. भारत के 122 अंक हैं. शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है. तीसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से अंतर कम किया है जो आठ से अब चार अंक का रह गया है. श्रीलंका पांचवें स्थान पर काबिज इंग्लैंड से महज दो अंक पीछे है. टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में आस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड को हटाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है लेकिन 264 रेटिंग अंक हासिल करने वाली भारतीय टीम से सात अंक पीछे है. दक्षिण अफ्रीका की टीम इंग्लैंड से दो अंक पीछे चौथे स्थान पर है.

पारी की शुरुआत करें कोहली, रोहित तीसरे नंबर पर उतरें : अजय जडेजा

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्व हरफनमौला अजय जडेजा का मानना है कि अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर उतरकर विराट कोहली से पारी का आगाज कराना चाहिये. भारत ने इस सप्ताह टूर्नामेंट के लिये 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया. भारत को पहला मैच 5 जून को आयरलैंड से खेलना है. जडेजा ने जियो सिनेमा से कहा, 'विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिये. रोहित को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये. उसे थोड़ा समय मिल जायेगा क्योंकि बतौर कप्तान उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा.' उन्होंने कहा, 'विराट के टीम में होने से निरंतरता मिलेगी. वह शीर्षक्रम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है और पावरप्ले में उसे जमने का मौका मिलेगा.' खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पंड्या के चयन का भी समर्थन करते हुए उन्होंने कहा, 'वह कई कारणों से सुर्खियों में हैं. वह खास खिलाड़ी है और भारत में इस तरह के हरफनमौला कम ही मिलते हैं' उन्होंने कहा, 'चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया. यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं. आपके पास टीम में स्थापित खिलाड़ी हैं. अब देखना यह है कि रोहित क्या सोचते हैं.'

चौरसिया 13वें स्थान के साथ कोरिया में भारतीय गोल्फरों में शीर्ष पर

सियोल। भारतीय गोल्फर एसएसपी चौरसिया शुक्रवार को यहां जीएस कैल्टेक्स मेक्यूंग ओपन के दूसरे चरण में चार अंडर 67 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं. एशियाई टूर पर 2017 के बाद से कोई खिताब नहीं जीतने वाले चौरसिया ने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला था. दूसरे दौर में शानदार खेल से वह संयुक्त 52वें स्थान से संयुक्त 13वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे. इस प्रतियोगिता में पांच भारतीय खिलाड़ियों में चौरसिया के अलावा सिर्फ अजीतेश संधू (71-71) ही कट हासिल करने में सफल रहे. वह संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर है. शिव कपूर (75-69) एक शॉट से कट में जगह बनाने से चूक गये.

ब्रीफ खबरें

वायरल फोटो मामले में युवक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर चकिया डीएसपी के नेतृत्व में कल्याणपुर थाना पुलिस ने हथियार के साथ फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मठिया चौक निवासी वकील राम का पुत्र गौतम कुमार बताया जाता है. उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक मोबाइल व वायरल फोटो की हार्ड कॉपी 6 पीस पुलिस ने बरामद किया है.

क्लिनिक छोड़ फरार ह चिकित्सक

भागलपुर । डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है लेकिन डॉक्टर ही जब गलत इलाज करके फरार हो जाए तो उनको क्या कहा जाए. ताजा मामला भागलपुर के कहलगांव थाना अंतर्गत विक्रमशिला क्लिनिक का है. जहां पर इलाज कराने आए खुशबू खातून का डॉ आनंद मोहन के द्वारा गलत इलाज किया गया, जिससे आक्रोशित परिजन क्लिनिक में जमकर बवाल काटा. डॉक्टर आनंद मोहन कहलगांव अनुमंडल के स्वास्थ्य प्रभारी भी हैं. जब मरीज खुशबू खातून का अचानक ज्यादा तबीयत बिगड़ने लगी तो डॉक्टर आनंद मोहन अपना क्लिनिक छोड़कर फरार हो गए.

पिस्तौल व कारतूस के साथ नीतीश गिरफ्तार

नवादा । जिले में पकरीबरमा थाने के विशनपुर गांव में शुक्रवार को अपराध की योजना बनाते हुए पिस्तौल व कारतूस के साथ नीतीश कुमार नामक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया. पकरिवरवां के थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली कि नीतीश कुमार गांव में हथियार लेकर घुस रहा है. इसके बाद उन्होंने टीम गठित कर सशस्त्र बलों को गांव में भेजा,तो गांव के सेट बगीचे में नीतीश कुमार हथियार लहरा रहा था. पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया. जिसके बाद उसने आत्मसमर्पण कर दिया.

गोलघर के पास झुग्गियों में लगी आग, गैस सिलेंडर में विस्फोट

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना के बुद्ध कॉलोनी थाना क्षेत्र के नवीन पुलिस लाइन के पास बसे झुग्गियों में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लग गयी. यहां आग लगने के बाद लगातार विस्फोट की आवाज आ रही है, जिससे आसपास के लोग सहमे हुए है. अगलगी की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग पर काबू पाने की कोशिश में लगे. गोलघर इलाके में पास की एक झुग्गी में आग लग गयी. आग ने अपने लपेटे में एक के बाद एक झुग्गियों को अपने जद में ले लिया और पछुआ हवा के कारण आग ने कुछ देर में ही विकराल रूप धारण कर लिया. फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं.इस अगलगी में किसी के हताहत होने की सूचना अब तक नहीं है. इस अगलगी में कई घर स्वाहा हो गए. यहां तक कि झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर भी धमाके के साथ उड़ गए इससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई.

चिराग के पास 2.68 करोड़ की चल और अचल संपत्ति

संवाददाता । पटना

हाजीपुर लोकसभा सीट से राजग प्रत्याशी चिराग पासवान 2.68 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्ति के मालिक हैं. चिराग द्वारा दाखिल हलफनामे में यह जानकारी दी गयी. चिराग ने हाजीपुर लोकसभा सीट से गुरुवार को नामांकन दाखिल किया था. चिराग (41) ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्रों के साथ एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उन्होंने अपने पास 1.66 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 1.02 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति होने की घोषणा की. हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 42 हजार रुपये नकद और तीन बैंक खाते हैं. इसके अलावा उनके पास 14.40 लाख रुपये के सोने के आभूषण भी हैं. हलफनामे के मुताबिक, चिराग की अचल संपत्ति में पटना में स्थित 1.02 करोड़ रुपये का घर भी शामिल है. उनके पास कोई अन्य अचल संपत्ति नहीं है. चिराग छह निजी फर्मों में निदेशक और शेयरधारक हैं. दिवंगत नेता रामविलास पासवान ने नौ बार हाजीपुर सीट पर जीत हासिल की थी.

फरकिया में तेजस्वी यादव एवं मुकेश सहनी ने की चुनावी सभा, बोले-

हमारी सरकार बनी तो एक करोड़ लोगों को देंगे नौकरी

संवाददाता । सहरसा

जिले के सलखुआ प्रखंड के पूर्वी कोसी तटबंध अंदर दियारा क्षेत्र फरकिया के कोसी उच्च विद्यालय कबीरा धाप में शुक्रवार को आयोजित चुनावी सभा को पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व मंत्री सह सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी ने महागठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया. पूर्व डिप्टी सीएम ने चुनावी सभा को संबोधित कर कहा कि इंडिया की सरकार बनी तो देश के एक करोड़ लोगों को नौकरी व रक्षाबंधन के अवसर पर सभी गरीब बहनों को प्रति वर्ष एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी. 500 में रसोई गैस सिलेंडर, दो सो यूनिट बिजली फ्री में मुहैया कराया जाएगा.

उन्होंने कहा कि हमने 17 महीने में पांच लाख नौकरी दिया है.खगड़िया लोकसभा के सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र के सलखुआ तटबंध के भीतर दियारा क्षेत्र के लोगों आवागमन सुविधा हेतु डेंगराही कोसी नदी घाट पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग को पूरा किया हूं. डेंगराही कोसी नदी घाट पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य भी चल रहा है. पुल निर्माण होने से सहरसा-खगड़िया जिले की दुरी कम होने के साथ - साथ कोसी दियारा क्षेत्र का विकास होगा. खगड़िया लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन समर्थित (सीपीएम) उम्मीदवार संजय कुमार कुशवाहा के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा. तेजस्वी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने जो वादा किया वो पूरा नहीं किया. वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा बिहार के युवा प्रत्येक वर्ष नौकरी की तलाश में अन्य प्रदेश पलायन कर रहे हैं, और गुजरात वाले खाली झुठे वादे पर वादे किए जा रहे है. कोसी उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने का चुनाव है. हम नई सोच एवं नया बिहार बनाना चाहते हैं.उन्होंने एक एक वोट इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार संजय कुमार कुशवाहा को देने का अपील की.

वहीं पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि यह चुनाव हक और अधिकार की लड़ाई है. मौके पर सिमरी बख्तियारपुर विधायक युसूफ सलाउद्दीन, वीआईपी नेता मिथलेश विजय सहित कई नेता मौजूद थे.

राहुल गांधी कहीं से भी चुनाव लड़ें हर जगह उनकी हार तय है : सम्राट चौधरी

पटना : लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी में नामांकन के अंतिम दिन अपने पत्ते खोल दिए. पार्टी ने रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया है. राहुल गांधी के सीट बदलने पर बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने तंज कसा है. प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले उनको डर था तो हम लोगों ने उनको मंदिर भिजवाया. अब पूरा गांधी परिवार परंपरागत सीट को भी छोड़कर भाग रहा है. इनका पूरा खानदान परंपरागत सीट छोड़कर भाग रहा है. यह लोग कहीं से चुनाव लड़ें हर जगह इनकी हार तय है. सम्राट ने कहा कि एक बात लिखकर रख लीजिए 2025 में जब नवंबर के महीने में विधानसभा का चुनाव होगा तो उससे पहले 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका होगा.

छपरा में मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता । छपरा

छपरा के भगवान बाजार थाना रोड स्थित लालू मोड़ के पास बाइक सवार अपराधियों ने मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गये.

मृतक की पहचान ओमप्रकाश श्रीवास्तव (40 वर्षीय) के रूप में हुई है. घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है. पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है. साथ ही अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है.

अपराधियों ने बाएं सीने में सटाकर मारी गोली : घटना के संबंध में बताया जाता है कि ओमप्रकाश शुक्रवार सुबह में घर के नजदीक ही सड़क पर टहल रहे थे. तभी एक बाइक पर सवार होकर दो लोग आये और उनके बाएं सीने में सटाकर गोली मार दी. गोली लगने की वजह से ओमप्रकाश वहीं पर गिर गये. आनन-फानन में ओमप्रकाश को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. फिलहाल ओमप्रकाश के हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कारणों का पता चल पायेगा.

मोतिहारी पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शातिर को किया गिरफ्तार

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिला पुलिस की टीम ने पश्चिमी चंपारण से सटे भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य शशांक पांडेय के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी ने शशांक पाण्डेय को नेपाल के वीरगंज में रूम दिलवाने सहित अन्य कामों में सहयोग किया था. जिसके विरूद्ध शशांक पाण्डेय के बयान पर मामला दर्ज किया गया था. जिसके बाद वह फरार चल रहा था. मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर रक्सौल डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने उक्त वांछित को पश्चिमी चंपारण जिले के इनरवा थाना क्षेत्र के पिपरा से गिरफ्तार किया है. पकड़ा गया वांछित बृजकिशोर प्रसाद के पुत्र विनय कुमार बताया गया है. इसकी जानकारी देते रक्सौल डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने बताया कि इंडो-नेपाल बार्डर पर बिश्नोई गैंग के लोगों की सूचना मिली,जो किसी बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में थे.

चुनाव ड्यूटी में आए होमगार्ड जवान की हार्ट अटैक से मौत

अररिया । किशनगंज में दूसरे चरण के चुनाव के बाद अररिया में तीसरे चरण में 7 मई को होने वाले चुनाव कराने के लिए आए होमगार्ड जवान 45 वर्षीय सुधीर कुमार सिंह की गुरुवार की शाम हर्ट अटैक से मौत हो गई. मुजफ्फरपुर में पदस्थापित होमगार्ड के जवान सुधीर कुमार सिंह मुज्जफरपुर जिला के सरैया थाना क्षेत्र के पुलवारा गांव का रहने वाला था.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक की मौत

नवादा । काशीचक थाने के बोझवा गांव के निकट शुक्रवार को एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक की मौत हो गई. आसपास के लोगों ने देखा कि दो युवक सड़क के किनारे खून से लथपथ गिरा पड़ा है. इसके बाद पुलिस को खबर की गई. पुलिस ने दोनों युवकों को सदर अस्पताल नवादा भेज दिया. थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात वाहन द्वारा बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया गया है. जिससे दोनों युवक की मौत घटनास्थल पर हो गयी. घटना के बाद उनके परिजनों में कोहराम मच गया है. पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है. मृतक युवक की पहचान गोंदा गांव निवासी बासो चौहान के पुत्र गुड्डू चौहान और जगदीश चौहान के पुत्र ललन चौहान के रूप में किया गया है.

कारोबार

गोदरेज प्रॉपर्टीज का शुद्ध लाभ 14% बढ़ा

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़कर 471.26 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 412.14 करोड़ रुपये रहा था. गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल आय बढ़कर 1,914.82 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 1,838.82 करोड़ रुपये थी. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 725.27 करोड़ रुपये हो गया.

एप्पल ने दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की

नयी दिल्ली । एप्पल के सीईओ टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने भारत में मजबूत दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और मार्च तिमाही में नया राजस्व रिकॉर्ड बनाया है. कुक ने कहा कि भारतीय बाजार पर मुख्य तौर पर ध्यान दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि एप्पल, डेवलपर से लेकर बाजार तथा परिचालन तक पूरे परिवेश तंत्र पर काम कर रहा है और वह वृद्धि आंकड़ों से बेहद खुश है. उन्होंने टेक कंपनी की दूसरी तिमाही की आय में भारत के योगदान पर कहा, हमने मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की.

बढ़ने वाले हैं हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम

नयी दिल्ली । इंश्योरेंस सेक्टर के रेगुलेटर इरडा ने हाल ही में कई नियमों में बदलाव किया था. इनका असर अब आपकी जेब पर भी पड़ने वाला है. नई गाइडलाइन के चलते अब बीमा कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम बढ़ाने जा रही हैं. इसके चलते प्रीमियम में न्यूनतम 1000 रुपये तक का इजाफा हो सकता है. कुछ कंपनियों ने प्रीमियम में बढ़ोतरी के संकेत भी देने शुरू कर दिए हैं. इरडा की नई गाइडलाइन के अनुसार, वेटिंग पीरियड को अब अधिकतम 4 साल से घटाकर 3 साल कर दिया गया है. इसके अलावा सीनियर सिटीजन को भी नए नियमों में राहत दी गई है. इसके अलावा गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भी हेल्थ इंश्योरेंस दिया जाए.

अप्रैल में रूस भारत के लिए दुनिया में तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा

कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी 40%

भाषा । नयी दिल्ली

बीते कुछ सालों से कच्चे तेल के मामले में भारत बिल्कुल ही अलग नीति पर चल रही है. यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग में दुनिया दो भागों में बंट चुकी है. एक तरफ चीन है तो दूसरी तरफ अमेरिका है. इस बीच भारत तटस्थ रहते हुए रूस के साथ कच्चे तेल के आयात को न सिर्फ जारी रखे हुए है, बल्कि इसे बढ़ाया भी है. यही कारण है कि रूस से कच्चे तेल का आयात अप्रैल में रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया.

इस दौरान भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग 40% रही जो मार्च में 30% थी. पिछले साल जुलाई में यह 42% के ऑल-टाइम हाई पर थी. वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय रिफाइनरों ने रूस से सस्ती कीमत पर ज्यादा तेल खरीदा. एनर्जी कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्सा के मुताबिक भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अप्रैल में रूस से रोजाना 1.78 मिलियन बैरल कच्चे तेल आयात किया, जो मार्च से 19% अधिक है. अप्रैल में चीन ने रूस से समुद्र के रास्ते रोजाना 1.27 मिलियन बैरल और यूरोप ने 396,000 बैरल तेल मंगाया. अप्रैल में रूस भारत के लिए तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा. इसके बाद इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का नंबर रहा. लेकिन भारत का रूस से आयात इन तीनों की कंबाइंड सप्लाई से ज्यादा रहा.

हालांकि, अप्रैल में भारत का कच्चे तेल का कुल आयात मार्च के मुकाबले 8% गिरावट के साथ रोजाना 4.5 मिलियन बैरल रह गया. दूसरे सबसे बड़े सप्लायर इराक से आयात 31% घटकर 776,000 बैरल प्रति दिन रह गया. इसी तरह सऊदी अरब से आपूर्ति 6% घटकर 681,000 बैरल प्रतिदिन रह गई. यूएई से भारत को निर्यात में 40% की गिरावट आई जबकि अमेरिका से सप्लाई 15% गिर गई. भारत के कुल आयात में इराक की हिस्सेदारी मार्च में 23% से घटकर अप्रैल में 17% रह गई, जबकि यूएई की हिस्सेदारी 9% से घटकर 6% हो गई.

अप्रैल में रूस की हिस्सेदारी 2023-24 के औसत 35% से अधिक थी. अप्रैल में रूस से होने वाले कुल कच्चे तेल आयात में भारत की प्राइवेट रिफाइनरी कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी का 45% रहा. नायरा एनर्जी में रूस की एनर्जी कंपनी रोसनेफ्ट की भी हिस्सेदारी है.

वोर्टेक्सा की एनालिस्ट सेरेना हुआंग ने कहा कि अप्रैल में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. फरवरी/मार्च में रूस से कच्चे तेल के अधिक निर्यात तथा चीनी रिफाइनरों द्वारा कम आयात के कारण भारतीय रिफाइनरों के लिए अधिक मात्रा में कच्चे तेल का उत्पादन उपलब्ध हुआ है. रूसी तेल के सस्ता होने के कारण भारतीय रिफाइनरियों को औसत लागत कम करने में मदद मिलती है. ऊंची कीमतें पहले से ही भारतीय रिफाइनरीज के मुनाफे पर असर डाल रही हैं. देश की सबसे बड़ी रिफाइनर इंडियन ऑयल का चौथी तिमाही में मुनाफा 52% गिरा है. बेंचमार्क ब्रेंट लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल है जबकि रूसी तेल ब्रेंट के मुकाबले 7-8 डॉलर प्रति बैरल सस्ता मिल रहा है. अप्रैल और मार्च में भारत की रूसी तेल खरीद में यूराल का हिस्सा 89% था.

तेल खरीदा

- भारत ने रूस से रोजाना 1.78 मि. बैरल तेल मंगाया
- चीन ने रूस से रोजाना 1.27 मिलियन बैरल मंगाया

प्रीमियर शो

रेया एलन गुरुवार को लॉस एंजिल्स में किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स के प्रीमियर में फोटो सेशन के दौरान पोज देतीं हुईं.

आरबीआई के फैसले के बाद बजाज फाइनेंस के शेयरों में आई तेजी

नयी दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयरों में शुक्रवार को 7.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बजाज फाइनेंस पर ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिए कर्ज की मंजूरी और वितरण पर लगी पाबंदी गुरुवार को हटाने के बाद कंपनी के शेयरों में उछाल आया है. बीएसई पर शेयर 7.54 प्रतिशत बढ़कर 7,400 रुपये पर और एनएसई पर 7.51 प्रतिशत चढ़कर 7,400 रुपये पर पहुंच गया. कंपनी का बाजार मूल्यांकन 23,008.1 करोड़ रुपये बढ़कर 4,49,205.63 करोड़ रुपये हो गया. केंद्रीय बैंक ने पिछले साल नवंबर में बजाज फाइनेंस को अपने दो कर्ज उत्पादों इकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के तहत ऋण की मंजूरी और वितरण को रोकने का निर्देश दिया था. यह प्रतिबंध डिजिटल ऋण दिशा-निर्देशों के मौजूदा प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण लगाया गया था. बजाज फाइनेंस ने कहा कि वह अब ईएमआई कार्ड जारी करने सहित दोनों व्यावसायिक क्षेत्रों में कर्ज की मंजूरी और वितरण फिर से शुरू करेगी.

अडाणी समूह को सेबी का नोटिस

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी समूह की कम से कम छह कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से संबंधित पक्ष लेनदेन के कथित उल्लंघन और सूचीबद्धता नियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए कारण बताओ नोटिस मिला है. कंपनियों ने शेयर बाजारों को दी गयी सूचना में यह जानकारी दी. समूह की प्रमुख कंपनियों अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडाणी पावर, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर ने अपने-अपने जनवरी-मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के वित्तीय परिणामों में सेबी के नोटिस की जानकारी का खुलासा किया. कंपनियों ने कहा कि लागू कानूनों और विनियमों का कोई भौतिक गैर-अनुपालन नहीं हुआ है और इसका कोई भौतिक परिणामी प्रभाव नहीं है. हालांकि, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर के अलावा शेष कम्पनियों के लेखा परीक्षकों ने वित्तीय विवरणों पर एक पात्र राय जारी की, जिसका तात्पर्य यह है कि सेबी की जांच के परिणाम का भविष्य में वित्तीय विवरणों पर असर पड़ सकता है. अडाणी ग्रीन एनर्जी ने अभी तक अपनी आय की घोषणा नहीं की है.

घोषणा

निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करने वाला यह फंड एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड

शुभम संदेश नेटवर्क नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में नजर आने वाली गतिशील वृद्धि का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड' की घोषणा की है. निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करने वाला यह फंड एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है. इस फंड का उद्देश्य निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करना है, जिससे निवेशकों को अग्रणी भारतीय बैंकों की विकास यात्रा में सीधे भाग लेने के लिए एक मैकेनिज्म प्रदान किया जा सके. एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ बी गोपकुमार ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी.

सीईओ गोपकुमार ने कहा कि हमारे देश की आर्थिक प्रगति के पीछे कई कारण हैं और अगर प्रभावी ढंग से प्रगति की इस रफ्तार को समझा जाए, तो हमारी विकास की कहानी में देश को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है. इस पृष्ठभूमि में ही देश का बैंकिंग क्षेत्र विकास और लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखता है. एक मजबूत नियामक ढांचे और डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाने से प्रेरित होकर यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए अच्छी स्थिति में है.

विकास के अवसर का लाभ उठाने का मौका देता है : उन्होंने बताया कि एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड निवेशकों को इस विकास के अवसर का लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है. इनोवेशन पर ज़ोर देने और उच्चतम शासन मानकों का पालन करने से भी बैंकिंग सेक्टर को बहुत फायदा मिलता है, जिससे भारत के बैंकिंग परिदृश्य को एक नई पहचान देने वाले परिवर्तनकारी रुझानों का हम लाभ उठा सकते हैं.कार्तिक कुमार और आशीष नाइक द्वारा प्रबंधित, इस फंड का उद्देश्य ट्रैकिंग त्रुटियों के अधीन, निफ्टी बैंक टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप व्यय से पहले रिटर्न प्रदान करना है. हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि योजना का निवेश उद्देश्य प्राप्त होगा.

एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड : इस स्कीम के तहत अंतर्निहित इंडेक्स वाले स्टॉक में निवेश किया जाएगा और यह स्कीम बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करेगी. योजना के तहत लिक्विडिटी और व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विनियमों के अनुपालन में ऋण और मुद्रा बाजार साधनों में भी निवेश किया जा सकता है. यह योजना अंतर्निहित सूचकांक का हिस्सा बनने वाले शेयरों में यथासंभव सूचकांक के अनुसार उसी अनुपात में निवेश करेगी और उस सीमा तक निष्क्रिय निवेश रणनीति का पालन करेगी, सिवाय लिक्विडिटी और व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने की सीमा तक. अनिवार्य रूप से, फंड निफ्टी बैंक टीआरआई के प्रदर्शन और घटकों को दर्शाने के लिए डिजाइन की गई निष्क्रिय निवेश रणनीति का उपयोग करता है.

भारत अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है

- ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से घट रही है
- अमेरिका और चीन के बीच अंतर लगातार बढ़ता ही जा रहा है

भाषा । नयी दिल्ली

बीते कुछ सालों में इकॉनमी के मामले में अमेरिका के बाद अन्य देशों की स्थिति डगमगायी है. इसमें अमेरिका सबसे आगे चल रहा है. ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर है. आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26% पहुंचने का अनुमान है. यह दो दशक में सबसे ज्यादा है. एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी. आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच प्रतिशत अधिक हो चुका है. अगर भारत की बात करें तो भारत की हिस्सेदारी ग्लोबल इकॉनमी में लगातार बढ़ रही है. इस साल उसके जापान के बराबर चार प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है.

भारत अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है और जल्दी ही उसके जापान को पछाड़ने की उम्मीद है. इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है. 2024 में इसके 17 प्रतिशत रहने का अनुमान है. अमेरिका और चीन के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका कभी भी इतनी मजबूत स्थिति में नहीं था.

ब्रीफ खबरें

प्रदर्शन के दौरान हुए 2100 लोग गिरफ्तार

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के विभिन्न कॉलेज परिसरों में हाल के दिनों में फलस्तीन समर्थकों के प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने 2100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया और परिसरों में लगे तंबुओं व प्रदर्शनकारियों द्वारा कब्जा की गयी, इमारतों को खाली करा दिया. कोलंबिया विश्वविद्यालय की प्रशासनिक इमारत के भीतर एकत्र प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए एक अधिकारी ने गोली भी चलाई, जिसकी अभियोजक कार्यालय ने पुष्टि की है.

बम की अफवाह के बाद ट्रेन में हुई तलाशी

भोपाल। ट्रेन में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस बल ने शुक्रवार बह मध्य प्रदेश के भोपाल में रानी कमलापति स्टेशन पर पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस की तलाशी ली. आरपीएफ कमांडेंट प्रशांत यादव ने बताया कि आरपीएफ द्वारा 40 मिनट तक तलाशी लिए जाने के बाद यह सूचना झूठी निकली. यादव ने बताया कि एक यात्री ने टीटी को ट्रेन में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना दी, जिसके बाद ट्रेन को रानी कमलापति स्टेशन पर रोक दिया गया.

नियुक्ति मामले में पूर्व उप निदेशक गिरफ्तार

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश पुलिस के विशेष जांच प्रकोष्ठ ने सियांग जिले में प्राथमिक शिक्षकों और अन्य कर्मियों की कथित अवैध नियुक्तियों के आरोप में एक पूर्व डीडीएसई को गिरफ्तार किया है. विशेष जांच प्रकोष्ठ के पुलिस अधीक्षक अनंत मित्तल ने कहा, अवैध नियुक्ति के बारे में ताजिंग सरोह नामक एक व्यक्ति द्वारा दर्ज की गई शिकायत और दस्तावेजों के विस्तृत विश्लेषण, लोगों से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के बाद आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया.

पूर्व विधायक कैलाश गहतौड़ी का निधन

देहरादून। चंपावत सीट खाली करने वाले पूर्व विधायक कैलाश चंद्र गहतौड़ी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया. वह लंबे समय से बीमार थे. भाजपा सूत्रों ने बताया कि 55 वर्षीय गहतौड़ी ने यहां सरकारी दून अस्पताल में अंतिम सांस ली. मुख्यमंत्री ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह पीड़ादायक समाचार सुनकर वह स्तब्ध हैं और गहतौड़ी का जाना पार्टी संगठन और प्रदेश के साथ ही उनके स्वयं के लिए एक व्यक्तिगत क्षति है.

4.34 करोड़ रु से अधिक की हेरोइन-सिगरेट जब्त

आइजोल। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में 4.34 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन और विदेशी सिगरेट जब्त की है. यह जानकारी अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में दी गई है. बयान में कहा गया है कि यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना पर की गई. असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस के संयुक्त दल ने मंगलवार को आइजोल के फ़ॉकलैंड इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया तथा इस दौरान 598 ग्राम हेरोइन जब्त की गई.

नामांकन से पहले.... परिवार के साथ

कांग्रेस को मिलेंगी सबसे कम सीटें : नरेंद्र मोदी

एजेंसी। बर्धमान (पश्चिम बंगाल)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि कांग्रेस को इस लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे कम सीटें मिलेंगी. साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उत्तर प्रदेश की राय बरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के फैसले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने (राहुल ने) वायनाड में अपनी हार भांप ली है. राहुल वायनाड से मौजूदा सांसद हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए वह अनुसूचित जाति (एससी), दलितों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण छीनकर अपने 'जिहादी वोट बैंक' को दे देगी. मोदी ने सपा के एक उम्मीदवार द्वारा की गई 'वोट जिहाद' टिप्पणी का 'समर्थन' करने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और कांग्रेस की आलोचना की. सपा, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सहयोगी है. प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए कहा, ओपिनियन पोल या फिर एक्जिट पोल की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मैंने संसद में बहुत पहले उनकी (कांग्रेस) हार की बात कह दी थी.

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे मौजूद थे

रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी ने किया नामांकन

- इससे पहले दिन में रायबरेली से भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया

भाषा। रायबरेली (उप्र)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. रायबरेली पिछले दो दशक से उनकी मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रही है. नामांकन दाखिल करते के समय राहुल के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद रहीं. दिन में फुरसतगंज हवाई अड्डे पर उतरने के बाद राहुल गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन दाखिल किया. इस दौरान 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) की जिला इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र यादव भी कार्यकर्ताओं के साथ मौजूद रहे. इससे पहले दिन में रायबरेली से भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह ने भी अपना नामांकन दाखिल किया. रायबरेली सीट पर 20 मई को मतदान होना है.

रायबरेली से नामांकन के बाद राहुल का पोस्ट, लिखा-

मेरी मां ने बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी

रायबरेली से नामांकन करने के बाद कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक भावनात्मक पोस्ट शेयर किया है. इसमें उन्होंने लिखा, 'रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था. मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है. अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे ख़ुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे. अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय

की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं. मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं.'

केएल शर्मा ने दाखिल किया नामांकन

अमेठी। अमेठी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने शुक्रवार दोपहर गांधी परिवार का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर नामांकन दाखिल कर दिया. नामांकन के पहले कांग्रेस कार्यालय से रोड शो निकालते हुए वह कलेक्ट्रेट पहुंचे. इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे. कहा जा रहा है कि केएल शर्मा को गांधी परिवार से वफादारी का इनाम मिला है. वह मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं. 1983 के आसपास राजीव गांधी उन्हें पहली बार अमेठी लेकर आए थे. तब से वह यहीं के होकर रह गए. 1991 में राजीव गांधी की मौत के बाद जब गांधी परिवार ने यहां से चुनाव लड़ना बंद किया तो भी शर्मा कांग्रेस पार्टी के सांसद के लिए काम करते रहे.

कांग्रेस ने मणिपुर में अशांति को लेकर मोदी सरकार की निंदा की, कहा-

भाजपा सरकार के क्रूर मेल ने राज्य को दो हिस्सों में बांट दिया

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने मणिपुर की स्थिति को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला और उस पर उदासीन एवं निष्ठुर होने का आरोप लगाया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि मणिपुर ठीक एक साल पहले तीन मई, 2023 को जलना शुरू हुआ था. उन्होंने कहा, मणिपुर में मानवता नष्ट हो गई. (केंद्र में) उदासीन मोदी सरकार और राज्य में अयोग्य भाजपा सरकार के क्रूर मेल ने राज्य को वस्तुतः दो हिस्सों में बांट दिया है.

उन्होंने कहा, निष्ठुर प्रधानमंत्री मोदी ने इस सीमावर्ती राज्य में कदम नहीं रखा जो उनकी अक्षमता और पूर्ण उदासीनता को उजागर करता है. उनके अहंकार ने एक खूबसूरत राज्य के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाया है. खरगे ने कहा कि मणिपुर के सभी समुदायों के लोग अब जानते हैं कि भाजपा ने उनके जीवन को कैसे दयनीय बना दिया है.

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, पूर्वोत्तर के लोग अब जानते हैं कि मोदी सरकार द्वारा तथाकथित विकास को लेकर बेशर्म होकर ढोल बजाए जाने के कारण इस क्षेत्र में मानवता की आवाज को दबा दिया गया है.

भारत के लोग अब जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को मणिपुर में उन अनगिनत जिंदगियों के प्रति रत्ती भर भी सहानुभूति नहीं है जिन्हें उन्होंने नष्ट कर दिया है. उन्होंने दावा किया कि 220 से अधिक लोग मारे गए हैं, 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं और महिलाओं एवं बच्चों सहित हजारों लोग अब भी शिविरों में हैं.

जयराम रमेश ने भाजपा पर लगाया आरोप,कहा

औद्योगिक संपदा को पूंजीपति समर्थक नीतियों से खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की औद्योगिक संपदा को नरेंद्र मोदी सरकार की पूंजीपति समर्थक नीतियों से खतरा है. पार्टी ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लिखित गारंटी देंगे कि वह दुर्गापुर जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्र अपने मित्रों को नहीं देंगे. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पश्चिम बंगाल में मोदी की लोकसभा चुनाव रैलियों से पहले ये सवाल किए. रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, क्या प्रधानमंत्री यह वादा कर सकते हैं कि वह दुर्गापुर इस्पात संयंत्र अपने मित्रों को नहीं बेचेंगे? भाजपा धान का एमएसपी बढ़ाने में क्यों विफल रही है? क्या प्रधानमंत्री भारत के बच्चों के लिए टीकों से अधिक अपने पीआर को प्राथमिकता देते हैं? रमेश ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की औद्योगिक संपदा को मोदी सरकार की पूंजीपति समर्थक नीतियों से खतरा है.

लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर झुकने से पायलट घायल

मुंबई। रायगढ़ जिले में शुक्रवार को एक हेलीकॉप्टर नीचे उतरते समय एक ओर झुक गया जिससे उसका पायलट घायल हो गया. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर को इन दिनों चल रहे लोकसभा चुनावों के सिलसिले में एक सार्वजनिक रैली के लिए शिवसेना नेता सुषमा अंधारे को लेने जाना था. पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे पायलट ने महाड में एक अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतारने की कोशिश की और उस दौरान हेलीकॉप्टर एक ओर झुक गया.

आबकारी नीति 'घोटाला'

कोर्ट ने ईडी, सीबीआई से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार एवं धनशोधन मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा. न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली सिसोदिया की याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया. निचली अदालत ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं. मामले की सुनवाई आठ मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है.

पाकिस्तान में बस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत, 21 घायल

एजेंसी। पेशावर

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में शुक्रवार को एक यात्री बस के पहाड़ी रास्ते से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के डायमर जिले में काराकोरम राजमार्ग पर करीब साढ़े पांच बजे हुई. बस रावलपिंडी से हुंजा जा रही थी. अधिकारी ने बताया कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिससे वाहन पलट गया और सिंधु नदी के किनारे जा गिरा.

अधिकारी ने बताया कि घटना के वक्त बस में 43 यात्री सवार थे. उन्होंने बताया कि घायलों को चिलास अस्पताल में ले जाया गया है. सेना के हेलीकॉप्टरों की सहायता से बचाव कार्य पूरा हो गया है और मृतकों के शवों तथा घायलों को अस्पताल ले जाया गया है. उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर है. गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना पर शोक व्यक्त किया और घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए प्रशासन को निर्देश दिए. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की.

प्रो. हनी बाबू ने जमानत याचिका वापस ली

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर हनी बाबू ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में जमानत की मांग वाली अपनी याचिका

को शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय से वापस ले लिया. न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने बाबू की ओर से पेश अधिवक्ता की दलील पर गौर किया. बाबू ने अपनी दलील में कहा कि मामले में पांच अन्य सह-अभियुक्तों को जमानत दे दी गई है. पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि परिस्थिति बदल गई और वह मौजूदा याचिका को पेश करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख नहीं करना चाहते.

अमित शाह की टिप्पणी पर बोले ओवैसी, रजाकार चले गए

देश के प्रति वफादार लोग यहीं रह गए

एजेंसी। हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर पलटवार करते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के

अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जो रजाकार थे वे पाकिस्तान भाग गए और जो देश के प्रति वफादार हैं वे यहीं रह गए. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि 40 साल से हैदराबाद लोकसभा सीट पर रजाकारों का कब्जा है. गुरुवार देर रात एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा के नेता अक्सर (हैदराबाद लोकसभा सीट के बारे में) बयान देते हैं कि रजाकारों ने 40 साल तक शासन किया है, पुराना शहर (हैदराबाद) आईएसआईएस का अड्डा है और सर्जिकल स्ट्राइक की जाएगी.

हैदराबाद की 85 फीसदी आबादी हिंदू थी

देश 1947 में आजाद हुआ तब 562 रियासतों में से 559 रियासतें भारतीय संघ में शामिल हो चुकी थीं लेकिन कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद रियासत ने कोई फैसला नहीं लिया था. हैदराबाद की 85 फीसदी आबादी हिंदू थी जो भारत के साथ जाना चाहती थी, लेकिन तब के निजाम उस्मान अली चाहते थे कि हैदराबाद एक अलग मुल्क हो.

क्या हैदराबाद भारत का अटूट हिस्सा नहीं है

वैसी ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता को पता चल गया है कि हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में हवा किस दिशा में बह रही है. उन्होंने कहा, यह कहना कि रजाकारों ने 40 साल से कब्जा कर रखा है, क्या हैदराबाद भारत का अटूट हिस्सा नहीं है? हैदराबाद भारत का अटूट हिस्सा है और रहेगा, लेकिन देश के गृह मंत्री घबराए हुए हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बॉटनी की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। बॉटनी साइंस (वनस्पति विज्ञान) बायोलॉजी की एक शाखा है, जो मुख्यत: पौधों की पढ़ाई, उनकी बनावट, प्रॉपर्टीज और बायोकेमिकल प्रोसेसिंग पर केंद्रित है. साथ ही इसमें पौधों के बारे में विस्तार से समझने, पौधों में किसी तरह की कोई बीमारी है या अन्य कोई कारक है, तो उसे दूर करने के बारे में विस्तार से पढ़ाई की जाती है.

बॉटनी को बेहतर तरीके से समझा जाए, तो प्रकृति के महत्वपूर्ण हिस्से यानी पेड़-पौधों और फल-फूल आदि के बारे में शोध और उनसे जुड़ी समस्याओं को समझकर उनका इलाज करना इसके अंतर्गत आता है. बॉटनी की पढ़ाई की बात की जाए, तो इसमें पौधों की साइंटिफिक स्टडी (वैज्ञानिक शिक्षा), जिसमें पौधों के जीवन चक्र, काम करने के तरीके, पौधों की प्रजातियों को देखकर पहचानने की कला, पौधों में आपस में समानता, उनके उगने की जगह, कैसे वातावरण में कौन से पौधे तैयार होते हैं, कैसे पौधों को उपयोग में लाया जाए और उनके विकसित होने की प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है.

बॉटनिस्ट

बॉटनिस्ट वैसे साइंटिस्ट्स होते हैं, जो पौधों के बारे में शोध करते हैं, फूलों की गहराई, उनके आकार, विकास और इस्तेमाल के बारे में अध्ययन करते हैं. वे प्लांट टैक्सोनॉमी, प्लांट इकोलॉजी के साथ ही साथ पौधों की केमिकल बायोलॉजी का गहन रिसर्च करने में सक्षम होते हैं. इस रिसर्च में भिन्न-भिन्न पौधों की खासियत के बारे में भी पता चल जाता है, जिसके बाद उन्हें उनकी क्षमता के अनुसार इस्तेमाल में भी लाया जाता है. ऐसे इंटरेस्टिंग कॅरियर को एक्सप्लोर करने से एक बॉटनिस्ट होते हुए आप भविष्य में मिलने वाले मौकों के लिए तैयार रहते हैं.

कॅरियर में उन्नति की बात की जाए, तो बॉटनिस्ट की मांग इस समय काफी बढ़ गई है. प्रकृति के हालात और भविष्य, वर्तमान समय में काफी बदतर स्थिति में देखने को मिले हैं, जिससे सरकार पेड़- पौधों आदि पर ख़ास ध्यान केंद्रित करने के लिए संकल्पित है. पौधे लगाने और उससे जुड़ी समस्यायों का निवारण करना आवश्यक हो गया है. इन सभी कारणों से बॉटनिस्ट की इन दिनों काफी डिमांड है और भविष्य में भी उनकी डिमाड और बढ़ सकती है.

बॉटनिस्ट के कौन-कौन से काम

- पौधों के विकास और खाद्य संसाधन हेतु गहन शोध का संचालन करना.
- कंप्यूटर के इस्तेमाल से यह पता लगाना कि किसी दिए गए क्षेत्र में बॉयोमास का प्रबंधन कैसे किया जा सकता है.
- बायोमॉस आपदाओं से जुड़ी समस्याओं जैसे सूखा, अगलगी, बाढ़ और सुपरस्टॉर्म के निवारण के बारे में जानकारी देता है.
- पौधों को मिलने वाले खाद, मिट्टी,पानी और हवा की गुणवत्ता को न ध्यान मनें रखने की जिम्मेवारी भी है.
- शोधार्थी, यूनिवर्सिटी ऑथॉरिटीज, कंसल्टेंट्स और वातावरण से जुड़ी कंपनियों के साथ रिसर्च प्रोफेसर और कंसल्टेशन प्रोजेक्ट्स को लीड करना एक बॉटनिस्ट के रोल और उसकी ज़िम्मेवारियों में भी आता है.

कैसी कुशलता की जरूरत

- पौधों और वातावरण के विकास के संबंध में और रूचि होना.
- बॉटनी से संबंधित होने के कारण आपको मैथेमैटिक्स, केमिस्ट्री के साथ ही साथ बायोलॉजी की अच्छी समझ होना अनिवार्य है.
- स्ट्रांग एनॉलिटिकल स्किल्स
- कम्युनिकेशन स्किल्स
- कंप्यूटर एप्टीट्यूड स्किल्स
- प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स
- टीमवर्क और सब्र

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)